तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,शनिवार 29 अगस्त 2026 ■ भाद्रपद कृष्ण पक्ष-01 ■ वर्ष -42 ■ अंक-150 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 30 अगस्त 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

दो मोटरसाइकिलों में टक्कर,पति-पत्नी समेत चार घायल

सक्ती,29 अगस्त। सक्ती जिले के मालखरौदा थाना क्षेत्र से सड़क हादसे की खबर सामने आई है, जहां ग्राम पंचायत पिहरीद के मेन रोड स्थित तालाब के पास दो मोटरसाइकिलों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। दुर्घटना में पति-पत्नी समेत चार लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार, डभरा क्षेत्र के ग्राम कासा निवासी पति-पत्नी मोटरसाइकिल से जैजैपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पिहरीद मेन रोड स्थित तालाब के पास सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से उनकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस और 112 आपातकालीन सेवा को सूचना दी। सूचना मिलते ही 112 की टीम मौके पर पहुंची और सभी चारों घायलों को उपचार के लिए मालखरौदा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। बताया जा रहा है कि दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार दोनों युवक अमेराडीह गांव के निवासी हैं। फिलहाल सभी घायलों की स्थिति को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

राजौरी में LoC पर मंडराए 3 पाकिस्तानी ड्रोन, सेना की जवाबी कार्रवाई से भागे वापस

श्रीनगर,29 अगस्त। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास एक बार फिर पाकिस्तानी ड्रोन की संदिग्ध गतिविधि दर्ज की गई है। नौशेरा सेक्टर के रुमलिधारा इलाके में भारतीय हवाई क्षेत्र में घुसे तीन पाकिस्तानी ड्रोन को भारतीय सेना के सतर्क जवानों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए खदेड़ दिया। सेना द्वारा काउंटर-ड्रोन सिस्टम एक्टिवेट करते ही सभी ड्रोन वापस पाकिस्तान की सीमा में लौटने पर मजबूर हो गए। घटना के तुरंत बाद भारतीय सेना और सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेरकर सघन सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। सुबह करीब 8:05 बजे नौशेरा सेक्टर के रुमलिधारा इलाके के पास तीन ड्रोन भारतीय हवाई क्षेत्र में घुस आए थे। हालांकि, 22वीं जम्मू-कश्मीर राइफल्स के जवानों ने उन्हें देख लिया और तुरंत काउंटर-ड्रोन सिस्टम एक्टिवेट कर दिए, जिससे ड्रोन को वापस लौटना पड़ा। सूत्रों ने इंडिया टीवी को बताया, "तेज़ कार्रवाई के कारण तीनों ड्रोन को सीमा पार वापस लौटना पड़ा; एहतियात के तौर पर इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है।"

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, तीन युवकों की मौत

■ तरुण छत्तीसगढ़

बिलासपुर, 29 अगस्त. जिले के तखतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाली जूनापारा पुलिस चौकी के पास सुबह के वक्त उस वक्त चीख-पुकार मच गई, जब एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने मोटर साइकिल सवार तीन युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में तीनों युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है, बाइक के परखच्चे उड़ गया है। शवों की हालत भी बेहद खराब हो गया है। शव क्षत-विक्षत हो गया है। घटना के बाद आरोपी ट्रक चालक वाहन सहित मौके से भाग खड़ा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है, तीनों युवक एक

ही बाइक पर सवार होकर अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे ग्राम जूनापारा के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उनकी बाइक को सीधे ठोकर मार दी। ठोकर के बाद बाइक ट्रक में फंस गई और कई मीटर तक घसीटते हुए ले गया। हादसे में तीनों युवकों के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आई। इस भयावह हादसे में तीनों युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर राहगीरों और स्थानीय ग्रामीणों की भारी भीड़ एकत्र हो गई। भीषण दुर्घटना को देखकर मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस घटना से बदहवास लोगों ने इसकी सूचना जूनापारा पुलिस चौकी पुलिस को दी। दुर्घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। सड़क पर बिखरे शवों और लोगों की भीड़ के कारण कुछ समय के लिए आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया था, जिसे पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बहाल कराया। पुलिस ने वैधानिक प्रक्रिया पूरी करते हुए तीनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया और एंबुलेंस की मदद से पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतकों के पास से कोई तात्कालिक पहचान पत्र न मिलने के कारण खबर लिखे जाने तक तीनों युवकों की अधिकारिक पहचान नहीं हो पाई थी। पुलिस आसपास के गांवों में संपर्क कर और हुलिए के आधार पर मृतकों की शिनाख्त कराने के प्रयास में जुटी हुई है।जूनापारा चौकी प्रभारी ने बताया कि अज्ञात ट्रक और उसके चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

बिलासपुर के कोतवाली क्षेत्र में धारा 144 लागू

बिलासपुर,29 अगस्त। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में शुक्रवार रात सोशल मीडिया पर विवादित कमेंट को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प हो गई. घटना के बाद कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में धारा 144 लागू कर दिया है. इसके तहत क्षेत्र में कई तरह की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया है. जिला प्रशासन के आदेश के मुताबिक सिटी कोतवाली क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर तलवार, चाकू, लाठी, भाला समेत अन्य हथियार लेकर चलने पर प्रतिबंध रहेगा. शासकीय ड्यूटी पर तैनात कर्मियों, लाठी के सहारे चलने वाले वृद्ध-दिव्यांग और धार्मिक परंपरा के तहत कृपाण रखने वालों को छूट दी गई है. बिना अनुमति सभा, रैली, जुलूस, धरना, प्रदर्शन और हड़ताल पर रोक रहेगी. किसी स्थान पर 4 से अधिक लोगों के एकत्र होने पर भी प्रतिबंध रहेगा. हालांकि परिवार के सदस्यों के सामान्य आवागमन पर यह लागू नहीं होगा. आयोजन के लिए एसडीएम से अनुमति लेना अनिवार्य होगा. सरकारी या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, तोड़फोड़, सड़क जाम करने और दहशत फैलाने पर भी रोक रहेगी. आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ BNS की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी.

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में विवादित कमेंट को लेकर बवाल शुरू हुआ. सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में दो पक्ष आमने-सामने आ गए. विवाद के बाद इलाक में तनाव का माहौल बन गया. दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी भी की गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. वहीं स्थिति को देखते हुए कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह समेत पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं. साथ ही बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है. मौके पर विधायक सुशांत शुक्ला के अलावा स्थानीय नागरिक थाने पहुंचे, पुलिस और प्रशासन के साथ बैठककर युवकों को समझाइश देकर माहौल को नियंत्रित किया जा रहा है.

राहुल गांधी ने खरगे के लिए मांगा इंसाफ

नई दिल्ली,29 अगस्त। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद हुए कथित 'शुद्धीकरण' को लेकर भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इस तरह के धार्मिक अनुष्ठान वास्तव में छुआछूत की उसी मानसिकता को दर्शाते हैं, जिसे भारतीय संविधान ने अपराध बनाया है। राहुल गांधी ने कहा कि देश में इस समय दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई चल रही है। एक तरफ संविधान और डॉ. भीमराव आंबेडकर, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल की विचारधारा है, जबकि दूसरी तरफ भाजपा और आरएसएस की विचारधारा है। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि हलद्वानी की घटना पर जल्दी से जल्दी FIR दर्ज होनी चाहिए।

राहुल गांधी ने कहा, "हमारे राजस्थान के CLP नेता एक मंदिर जाते हैं और

भाजपा के नेता शुद्धीकरण करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे जी, जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश और संविधान के लिए समर्पित कर दिया, वे हल्द्वानी के रामलीला मैदान में भाषण देने जाते हैं और वहां शुद्धीकरण किया जाता है।" उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा भाजपा और आरएसएस के लोग करते हैं और यह संविधान के तहत अपराध है। राहुल गांधी ने कहा कि 'शुद्धीकरण' वास्तव में छुआछूत का दूसरा नाम है। राहुल गांधी ने कहा कि संविधान ने छुआछूत को समाप्त कर दिया है, लेकिन उनके अनुसार भाजपा के लोग इसे खुले तौर पर व्यवहार में ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब किसी दलित व्यक्ति के किसी स्थान पर जाने के बाद उसका 'शुद्धीकरण' किया जाता है तो इसका संदेश यही जाता है कि दलित को छुआ नहीं जाना चाहिए या दलित अशुद्ध है। हालांकि, हल्द्वानी के मामले में भाजपा ने इस आरोप से दूरी बनाई है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पहले इस घटना की निंदा करते हुए कहा था कि पार्टी ऐसी गतिविधियों का समर्थन नहीं करती और मामले की जांच का आश्वासन दिया था।

ग्राहक बनकर आए 3 लोगों ने पार की सोने की चेन

धमतरी,29 अगस्त। छत्तीसगढ़ के धमतरी से ज्वेलरी शॉप में चोरी का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां ग्राहक के भेष में आए तीन शातिरों ने ज्वेलर की आंखों में धूल झोंकते हुए 2 लाख से ज्यादा का सोने का चेन पार कर दिया। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरु कर दी है। यह पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है, जहां मकई चौक स्थित शनि मंदिर के पास आमंत्रण ज्वेलर्स है। दुकान में दो महिला सहित तीन लोग ग्राहक बनकर पहुंचे और बड़े शौक से सोने चांदी के आभूषण देखने लगे।

भाजपा की 'युवा कनेक्ट' पर रणनीति

नई दिल्ली,29 अगस्त। 29 अगस्त को नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने एक अहम बैठक की। इस बैठक का मकसद युवाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना और पूरे देश में युवाओं के साथ पार्टी के जुड़ाव को मजबूत करना था। इस बैठक में हर राज्य से दो-तीन नेता शामिल हुए। बैठक में युवाओं के सामने आने वाली मुख्य चुनौतियों की

पहचान करने और युवा पीढ़ी के साथ बातचीत और संवाद को बेहतर बनाने की रणनीतियां तैयार करने पर ध्यान दिया गया।

इसमें भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया, जिनमें सांसद रवि किशन, कमलेश पासवान, गुरु प्रकाश पासवान, हेमांग जोशी, योगेंद्र चंदोलिया और राजू बिस्टा शामिल थे। गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष संघवी, छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम विजय शर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भी बैठक में मौजूद थीं। इन चर्चाओं का मकसद युवाओं तक बीजेपी की पहुँच और उनसे जुड़ाव बढ़ाने के लिए एक तालमेल वाला तरीका तैयार करना था। इससे युवाओं की उम्मीदों और भारत के विकास में उनकी भूमिका से जुड़ने पर पार्टी के बड़े फोकस का पता चलता है। इससे पहले, 27 अगस्त को अहमदाबाद में 'फार्मिन्नोवा अवाड्र्स सेरेमनी-2026' में बोलते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत के भविष्य के लिए युवाओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खास फोकस पर ज़ोर दिया। शाह ने 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' समारोह के दौरान मोदी द्वारा बताए गए तीन मुख्य लक्ष्यों का ज़िक्र किया, जो भारत की आज़ादी के 75 साल पूरे होने का जश्न है शाह ने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम सभी के लिए एक लक्ष्य तय किया है, और उनमें सबसे अहम लक्ष्य युवाओं के लिए है। जब देश की आज़ादी का 75वां साल आया, तो उन्होंने 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' मनाने का फ़ैसला किया। उन्होंने बताया कि इस पहल में युवाओं को 1857 से 1947 तक आज़ादी के पूरे संघर्ष के बारे में सिखाना, उन्हें 1947 से 2022 तक देश की तरक्की के बारे में बताना और युवाओं को यह संकल्प लेने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है कि वे आज़ादी की 100वीं सालगिरह तक कैसा भारत बनाना चाहते हैं। शाह ने कहा कि पहला, हमें अपनी युवा पीढ़ी को 1857 से 1947 तक आज़ादी के पूरे संघर्ष और आंदोलन के बारे में सिखाना चाहिए।" उन्होंने आगे कहा, "दूसरा, हमें उन्हें बताना चाहिए कि भारत ने 15 अगस्त 1947 से 15 अगस्त 2022 तक क्या हासिल किया है।

ईडी की कार्रवाई के खिलाफ दायर याचिका खारिज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चर्चित शराब घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई को चुनौती देने वालों को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने ईडी की कार्रवाई के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान माना कि मामले में ईडी के पास कार्रवाई के लिए पर्याप्त सबूत मौजूद हैं।

याचिका खारिज होने के बाद शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की जांच और कार्रवाई को बड़ा कानूनी समर्थन मिला है।

बीजेपी युवाओं को हिंसा की धमकी दे रही:खेड़ा

नई दिल्ली,29 अगस्त। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बीजेपी कर्नाटक के 'दिमागी नक्सल' सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर आरोप लगाया है कि बीजेपी युवाओं को हिंसा की धमकी दे रही है। खेड़ा ने कहा कि बीजेपी की नई सोशल मीडिया टीम अब खुलेआम हिंसा भड़का रही है, जिससे उनका असली चेहरा सामने आ रहा है। यह आरोप देश में राजनीतिक बयानबाजी और सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर बहस छेड़ रहा है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर देश के युवाओं को हिंसा की धमकी देने का आरोप लगाया है। यह आरोप भाजपा कर्नाटक के एक सोशल मीडिया पोस्ट के बाद लगाया गया है, जिसमें 'दिमागी नक्सल' नाम का एक वीडियो था। 29 अगस्त, 2026 को X पर एक पोस्ट में खेड़ा ने कहा कि आखिरकार उनका असली चेहरा सामने आ रहा है। भाजपा ने एक नई सोशल मीडिया टीम बनाई क्योंकि पुरानी टीम की भद्दी भाषा

और घटिया हथकंडे काफी नहीं थे। अब वे खुलेआम युवाओं को हिंसा की धमकी देने लगे हैं। आखिरकार उनका असली चेहरा सामने आ रहा है। खेड़ा ने अपने आरोप को साबित करने के लिए भाजपा कर्नाटक के पोस्ट का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने भी भाजपा की पोस्ट की आलोचना की और आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी देश के युवाओं को धमका रही है। यह सरासर बुराई है। लगता है कि वे अपना आपा खो बैठे हैं! दास ने अपनी निराशा ज़ाहिर करते हुए आगे लिखा कि असल में, यह देखकर थोड़ा दुख होता है कि 'दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी' इतनी ज़्यादा नफ़रत में डूबी हुई है कि उन्हें उस पीढ़ी के 'सामूहिक नरसंहार' की बात करने में कोई बुराई नहीं दिखती, जो सरकार में बैठे लोगों से सवाल पूछने और बस अपने लिए एक बेहतर सिस्टम और उज्ज्वल भविष्य की मांग करने में विश्वास रखती है।

मेजर ध्यानचंद का जन्मदिन 29 अगस्त, इस दिन 2012 से प्रतिवर्ष मनाया जाता है राष्ट्रीय खेल दिवस

जीवन में खेलकूद के महत्व को स्वीकारने का दिन

आलेख.. जसवंत क्लॉडियस, वरिष्ठ स्वतंत्र खेल पत्रकार, टीवी कमेंटेटर, रायपुर. (छ ग)

दुनिया में हाकी को लोकप्रिय बनाने का श्रेय भारत को जाता है। ब्रिटिश शासन के दौरान वृहद भारत की हाकी टीम ने संसार में अपना परचम लहराया। हाकी को भारत में रोपण का श्रेय भले ही 1855-60 के दौरान भारत में आये ब्रिटिश सैन्य, प्रशासनिक अधिकारियों को जाता है लेकिन हाकी के पौधे को वृक्ष बनाने में भारतीयों का योगदान सबसे प्रमुख रहा। कोलकाता में 1855 में सबसे पहले हाकी के प्रथम क्लब का गठन हुआ। फिर यह मुम्बई तथा पंजाब तक पहुंच गया। कोई खेल तब तक प्रसिद्धि की चरम में नहीं पहुंच पाता जब तक संबंधित खेल की विभिन्न क्लब या स्थानीय टीम के बीच आपसी टकराव से उनकी खूबियों, ताकत की जानकारी आम खेल प्रेमी को न हो पाये। इसी तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए जब कोलकाता में और ब्रिटिशकालीन वृहद भारत के विभिन्न क्षेत्रों में हाकी टीम की संख्या बढने लगी तब उनके बीच मुकाबला आवश्यक हो गया। इसी वजह से 1895 में हाकी की पहली चैंपियनशिप की शुरुआत कोलकाता में हुई जिसे बेटन कप नाम दिया गया। इस प्रतियोगिता को प्रारंभ करने का श्रेय पं. बंगाल सरकार के विधिक सलाहकार टी.डी. बेटन को जाता है जिनके अथक प्रयास, मार्गदर्शन तथा आर्थिक सहयोग से बेटन कप स्पर्धा प्रारंभ हुई थी। 20वीं सदी के आरंभ से हाकी को कई देशों द्वारा खेला जाने लगा और इसे पहली विश्वस्तरीय पहचान 1908 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों से मिला जब लंदन में हाकी को शामिल किया गया। 1908 में 6 देशों, 1920 में 4 देशों की टीम ने ओलंपिक में भाग लिया और दोनों बार ग्रेट ब्रिटेन की टीम विजयी हुई। इसी दौरान भारत में हाकी की बढ़ती लोकप्रियता के कारण हमारे देश में इंडियन हाकी फेडरेशन का गठन 7 नवंबर 1925 को हुआ और अंतर्राष्ट्रीय हाकी संघ से मान्यता के पश्चात भारतीय हाकी टीम ने 1928 के ओलंपिक खेलों में पहली बार भाग लिया तथा स्वर्ण पदक जीता। इस टीम के कई खिलाडिय़ों ने अपने खेल से संसार के खेलप्रेमियों को आकर्षित किया परंतु स्व. ध्यानचंद के द्वारा स्टिक के माध्यम से गेंद पर नियंत्रण फिर ड्रिब्लिग व छोटे-छोटे पास के द्वारा विपक्षी टीम के खिलाडिय़ों को छकाते हुए गेंद को गोल में डालने की अद्भुत कला ने उन्हें जमीन से आसमान तक की प्रसिद्धि दिला दी। बचपन से अपनी प्रतिभा के बल पर ध्यानचंद ने स्वयं को हाकी और भारत के लिए समर्पित कर दिया।

हाकी की विश्वकप स्पर्धा 1971 से आरंभ हुई अतः उसके पहले की ओलंपिक खेलों में हाकी के परिणाम को विश्व विजेता की तरह ही सम्मान दिया जाता था अतः ओलंपिक में 1928 से 1960 को छोड़कर 1964 तक स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम को हाकी का विश्व विजेता भी स्वीकार किया जाना चाहिए। चूंकि 1928, 1932, 1936 तक भारतीय टीम के स्तंभ स्व. ध्यानचंद रहे उनके नेतृत्व, सहयोग से भारत हाकी के माध्यम से भी खेलों की दुनिया में भारत का नाम रोशन हुआ। अतः स्व. ध्यानचंद को भारत का महान खिलाड़ी माना जाता है। हॉकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण भारतीय सेना में उन्हें मेजर पद पर नियुक्त किया गया। उनका जन्म 29 अगस्त 1905 तथा निधन 9 दिसम्बर 1979 को हुआ था। अतः उनके जन्म दिवस को इस महान खिलाड़ी के सम्मान में केंद्र सरकार द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाये जाने का निर्णय लिया गया. मेजर ध्यानचंद ने 1926 से 1949 तक 185 मैच में 570 गोल किए। सेंटर फारवर्ड की पोजिशन से खेलने वाले 5 फुट 7 इंच ऊंचे मेजर ध्यानचंद को केंद्र सरकार द्वारा 1956 में पद्म भूषण द्वारा सम्मानित किया गया। आर्थिक तंगी और अभाव को मेजर ध्यानचंद ने अपनी इच्छा शक्ति से पराजित किया और भारत माता के सपूत बने। राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के दिन उनके द्वारा हाकी के माध्यम से सारे जगत में भारत का झंडा लहराने के लिए उन्हें समस्त देशवासियों की ओर से शत् शत् नमन।

तरंग ने सामूहिक क्षमता और स्थायी सुधार की संस्कृति को किया मजबूत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 29 अगस्त। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में संचालित तरंग 3.0 पहल ने अधिकारियों की नेतृत्व सोच में महत्वपूर्ण बदलाव लाया है। अब नेतृत्व केवल निर्णय लेने और समस्याओं का त्वरित समाधान करने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि टीम को सक्षम बनाने, जिम्मेदारी सौंपने, बेहतर सवालों के जरिए समाधान तलाशने और स्थायी सुधार पर केंद्रित हो गया है। अनुभव आधारित इस नेतृत्व विकास कार्यक्रम में आत्म-मूल्यांकन, नेतृत्व कार्यशालाओं, कोचिंग, एक्शन लर्निंग, डिजाइन थिंकिंग, रणनीतिक सोच और डेटा आधारित निर्णय जैसे विभिन्न चरण शामिल रहे। इससे अधिकारियों को अपनी कार्यशैली और नेतृत्व भूमिका को नए दृष्टिकोण से समझने का अवसर मिला। पीबीएस के वरिष्ठ प्रबंधक राजुल पाण्डेय ने नेतृत्व को जवाब देने के बजाय सही सवाल पूछने और टीम की क्षमता विकसित करने से जोड़ा। वरिष्ठ प्रबंधक अनु पी. ने तत्काल समाधान से आगे बढ़कर दीर्घकालिक और व्यापक प्रभाव पर ध्यान देना सीखा। वरिष्ठ प्रबंधक स्वाति सिंह ने स्वयं समस्या सुलझाने के बजाय टीम को जिम्मेदार और सक्षम बनाने को प्राथमिकता दी। वरिष्ठ प्रबंधक लोकेश प्रसाद मोगरे ने नेतृत्व को समस्या समाधान से टीम क्षमता निर्माण की यात्रा बताया, जबकि उप प्रबंधक सुष्मिता पाटला ने प्रक्रियाओं के मूल कारणों को समझकर तकनीक एवं आंकड़ों के माध्यम से स्थायी सुधार पर जोर दिया। तरंग 3.0 ने बीएसपी में मैं से हम, व्यक्तिगत प्रयास से सामूहिक क्षमता और तत्काल समाधान से स्थायी सुधार की संस्कृति को मजबूत किया है।

एनसीसी इकाई ने लगाई दो दिवसीय रेजिन राखी एवं पूजा थाली कार्यशाला

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 29 अगस्त। कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय की एनसीसी इकाई, 37 छग बटालियन एनसीसी के संबद्धता में कौशल विकास प्रशिक्षण के अंतर्गत दो दिवसीय हैंडमेड रेजिन राखी एवं पूजा थाली निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विनय शर्मा ने किया।

मुख्य प्रशिक्षक एवं एनसीसी के पूर्व एसयूओ सिंगराज गुप्ता ने राखी एवं पूजा थाली बनाने का प्रशिक्षण दिया। एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. हरीश कुमार कश्यप ने रेजिन सामग्री के लाभ तथा राखी एवं पूजा थाली निर्माण के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी। पूर्व प्राचार्य डॉ. डी.पी. जायसवाल, डॉ. एच.एन. दुबे, डॉ. आर.पी. अग्रवाल, महिला महाविद्यालय सेक्टर-9 की पूर्व प्राचार्य डॉ. संध्या मदनमोहन, पूर्व क्रीड़ा अधिकारी अमरीक सिंह, जिंदल विश्वविद्यालय रायगढ़ की सहायक प्राध्यापक डॉ. खुशबू पटेल, पारुल विश्वविद्यालय वडोदरा की सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रेक्षा तथा जगदलपुर से आए श्रीमती रेखा यादव एवं मनीषा यादव के परिवार ने कार्यशाला की सराहना करते हुए प्रशिक्षणार्थियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन में एनसीसी कैडेट्स एवं विद्यार्थियों पुनेश, जयप्रकाश, तिक्षा, चंद्रप्रकाश, श्वेता झारिया, ऋषभ अग्रवाल, ज्योति, पीयूष, तमन्या, कुणाल, कमलेश पाल, भोलेश मिश्रा, अनूप, नागेश्वर देवांगन, नागेश, मांगी, पवित्रा रेड्डी, बी. देवी, सुरुचि, सोनम सहित लगभग 30 प्रशिक्षणार्थियों ने सक्रिय योगदान दिया।

एक नजर

चोरी के आरोपी गिरफ्तार

भिलाई, 29 अगस्त (तछसं.)। भिलाई अमलेश्वर थाना क्षेत्र के ग्राम सांकरा फ्लाई एस ब्रिक्स में चोरी करने वाले तीन आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से एक संमरसिबल पंप, दो नग लोहे का एंगल और घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है अमलेश्वर पुलिस ने बताया कि ग्राम सांकरा फलाई एस ब्रिक्स में सामग्री चोरी की शिकायत मिली थी विवेचना के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी की है प्रार्थी लोकेश साहू निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी अमलेश्वर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात व्यक्ति ने सांकरा फलाई एस ब्रिक्स के मकान में रखे संमरसिबल पंप, स्टार्टर, केवल, लोहे का एंगल आदि की चोरी कर लिए है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों राजकुमार सिंगौर, खिलेश्वर उर्फ बोदू सिंगौर, देवेश सिंगौर सभी निवासी ग्राम सांकरा को गिरफ्तार किया है।

नौकरी लगवाने का झांसा देकर 6.30 लाख रुपए की ठगी

भिलाई, 29 अगस्त (तछसं.)। नगर सेना में नौकरी लगवाने का झांसा देकर 6.30 लाख रुपए की ठगी करने के आरोप में पुलगांव पुलिस ने ग्राम चंदखुरी निवासी इसरार खान (44 साल) को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने नगर सेना के एक अधिकारी से पहचान होने का दावा कर प्रार्थिया के पति को नौकरी दिलाने का भरोसा दिया था। इसके एवज में उसने अलग-अलग 15 किस्तों में छह लाख 30 हजार रुपए लिए। रकम लेने के बाद नौकरी नहीं लगी लगी तो पैसे वापस मांगने पर आरोपी टालमटोल करता रहा और रकम लौटाने से इनकार कर दिया? पुलगांव थाना प्रभारी गुरविंदर सिंह संधु ने बताया कि किरण चंद्राकर ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने अधिकारी से पहचान होने की बात कहकर नौकरी लगवाने का भरोसा दिया था। उसकी बातों में आकर प्रार्थिया के पति ने उसे 15 किस्तों में रकम दी। काफी समय बीतने के बाद भी नौकरी नहीं लगी। रकम वापस मांगने पर आरोपी ने पैसे लौटाने से इन गाली-गलौज भी की इनकार कर दिया और आरोपी जेल भेजा पुलगांव थाने पुलिस ने धारा 318 (4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की विवेचना के दौरान आरोपी की पतासाजी कर उसे गिरफ्तार किया गया पूछताछ में उसने नौकरी लगाने के नाम पर रकम लेना स्वीकार किया न्यायालय में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया ।

विज्ञापन पोस्ट करना पड़ गया भारी

भिलाई, 29 अगस्त (तछसं.)। ओएलएक्स पर पुराने स्पोर्ट्स और फिटनेस उपकरण बेचने का विज्ञापन पोस्ट करना एक युवक को भारी पड़ गया। सामान खरीदने के बहाने संपर्क करने वाले साइबर ठग ने पहले पांच रुपए का ट्रांजेक्शन कर रकम वापस भेजी और युवक का भरोसा जीता। इसके बाद रिफंड, पेमेंट ब्लॉक होने और रकम दोगुनी वापस मिलने का झांसा देकर अलग-अलग क्यूआर कोड स्कैन कराए निकल गए। शिकायत पर सुपेला पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 318 (4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है सुपेला थाना पुलिस के अनुसार स्मृति नगर निवासी विशेष टिपले नवी मुंबई की निजी कंपनी में कार्यरत हैं और खारघर में किराए के मकान में रहते हैं उन्होंने 28 जुलाई को ओएलएक्स पर पुराने स्पोर्ट्स व फिटनेस उपकरण बेचने का विज्ञापन डाला था युवक के दो बैंक खातों से कुल 2 लाख 37 हजार 222 रुपएइसी दौरान खुद को अशोक कुमार शर्मा बताने वाले व्यक्ति ने संपर्क किया और सामान खरीदने की बात कही। आरोपी ने भुगतान के लिए मर्चेंट बैंकिंग सिस्टम का हवाला देते हुए क्यूआर कोड भेजा। शुरुआत में पांच रुपए का ट्रांजेक्शन कराया और रकम वापस भेज दी। इससे विशेष को भुगतान प्रक्रिया सही लगी ब्लॉक रकम रिलीज कराने का झांसा इस के बाद आरोपी ने ट्रांजेक्शन और रकम तकनीकी कारणों से ब्लॉक होने की बात कही रकम रिलीज कराने और पहले किए भुगतान को वापस दिलाने के नाम पर उसने विशेष से बार-बार अलग-अलग यूपीआई ट्रांजेक्शन करवाए। आरोपी के भेजे क्यूआर कोड स्कैन करते ही खाते से रकम निकलती गई दो खातों से निकली रकम विशेष के केनरा बैंक खाते से 99 हजार 111 रुपए और आरबीएल बैंक खाते से 1 लाख 38 हजार 111 रुपए निकल गए।

महिला संविदा कर्मियों के लिए नई चेतना कार्यशाला आयोजित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 29 अगस्त। भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वावधान में नई चेतना कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बीआरएम एवं एमडब्ल्यूआरएम में कार्यरत 45 महिला संविदा कर्मियों ने सहभागिता की। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक योगेश शास्त्री तथा विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक आशीष उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने महिला संविदा कर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए कार्यस्थल पर सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। वरिष्ठ प्रबंधक प्रियंका मीना ने नई चेतना पहल के उद्देश्य बताते हुए स्वास्थ्य, स्वच्छता, कार्यस्थल एवं सड़क सुरक्षा तथा पॉश अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी। सहायक प्रबंधक डॉ. उपेन्द्र शर्मा ने संविदा कर्मियों के वैधानिक अधिकारों, वेतन, ईएसआई चिकित्सा सुविधाओं, पेंशन, मातृत्व लाभ एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी दी।

अंडर-19 क्रिकेट टीम के गठन हेतु चयन स्पर्धा का आयोजन

भिलाई, 29 अगस्त। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ द्वारा सत्र 2026-27 के लिए अंडर-19 (बालक) क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें भिलाई इस्पात संयंत्र की टीम भी भाग ले रही है। भिलाई इस्पात संयंत्र की क्रिकेट टीम के गठन हेतु 30 अगस्त को बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड, सिविक सेंटर में प्रातः 9 बजे से चयन स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है। अंडर-19 (बालक) वर्ग में भाग लेने के लिए प्रतिभागी का जन्म 01 सितंबर 2008 के बाद होना आवश्यक है। संयंत्रकर्मियों के पाल्य बच्चे तथा भिलाई परिधीय क्षेत्र के प्रतिभागी जो इस चयन स्पर्धा में भाग लेना चाहते हैं, वे निर्धारित तिथि पर बी.एस.पी. क्रिकेट ग्राउंड, सिविक सेंटर, भिलाई में प्रातः 8:30 बजे तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराएँ। इस चयन स्पर्धा के प्रभारी उप महाप्रबंधक राजेंद्र प्रसाद होंगे।

ईद मिलादुन्नबी पर चादरपोशी और फातिहाख्वानी का हुआ आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 29 अगस्त। ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर ताज दरबार सुपेला में परचम कुशाई एवं निशान पेश करने का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुराने परचम को पूरे एहतराम के साथ उतारा गया। इसके बाद दुगनी शानो-शौकत के साथ नए परचम को आसमान में लहराया गया। इस दौरान काली कमली वाले आका हजरत मोहम्मद साहब की शान में नात शरीफ पेश की गई। उपस्थित अकीदतमंदों ने हुजूर मोहम्मद साहब की बारगाह में सलाम भी पेश किया। इसके बाद हजरत बाबा ताजुद्दीन औलिया रहमतुल्लाह अलैह के आस्ताने पर अकीदत के साथ चादरपोशी की गई और लोबान पेश किया गया। अंत में गुलामाने ताज हज्जन बदरूनिसा ताजी एवं गद्दीनशीन मोहम्मद सादिक ताजी ने सभी के हक में दुआएं मांगीं तथा उपस्थित अकीदतमंदों की ओर से शुक्राना अदा किया गया। मौके पर खीर की फातिहाख्वानी भी की गई। इसके पश्चात अकीदतमंदों के बीच लंगर तकसीम किया गया।

भिलाई-3 के सैयदी मदरसा में बच्चों का हुआ नातिया मुकाबला

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 29 अगस्त। एकता नगर भिलाई-3 में मदरसे के बच्चों के बीच नातिया मुकाबले का आयोजन किया गया। इसमें आसपास के क्षेत्रों के 100 से अधिक बच्चों ने हिस्सा लिया। हाफिज कलीम अशरफी की सरपरस्ती में आयोजित कार्यक्रम में इमाम व खतीब हाफिज अकील अशरफी, मौलाना साबिर रजा, मस्जिद-मजार कमेटी के सदर रुस्तम खान, कैशियर रईस अहमद, सेक्रेटरी नसीम खान, हाजी समद, हाजी नईम कुरैशी, हाजी बशीर खान एवं हाजी अली रजा मौजूद रहे। समिति में अबुल हसन, मोहम्मद इरफान, वाजिद अंसारी, फिरोज अहमद खान, मोहम्मद हाशिम रजा, इमरान खान, गुलजार, साहिल शेख, मोहसिन रजा, मुख्तार, शाहिद रजा, अयान शाह, अदीब शाह, सलीम रजा एवं आसिफ अहमद खान शामिल रहे। कहकशां बानो, मोहसिना कुरैशी, अलिजा अंजुम, मोहम्मद मोईन, अल्तमश रजा, अयान अली, जैनब फातिमा, आतिफा, सिफत, सैयद अरमान, कुर्बान रजा, सिब्तैन, मोहम्मद हुसैन, जिया अंजुम, गौसिया फातिमा, स्वालेहा, अब्बास रजा, मोहम्मद नूर, आदिल हुसैन, आयात फातिमा, साहिबा, आलिया, अफशा अंजुम, राशिद, मोईन अशरफ, साएबा अंजुम और मोहम्मद हुसैन सैयदी को विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए। दसवीं कक्षा की फरहत परवीन को टॉप परफॉर्मर अवार्ड के साथ लैपटॉप प्रदान किया गया। वहीं गौसिया फातिमा, अलीना फातिमा, जीनत बानो और नफीस अहमद को बेस्ट परफॉर्मर अवार्ड दिया गया। शिक्षकों फरहान कुरैशी, अयान शाह, अल्फिया, मुस्कान शेख, अनीसा अंसारी एवं आफरीन परवीन को सम्मानित किया गया। तौहीद खान एवं शाहनवाज कादरी को खिदमत अवार्ड प्रदान किया गया।

6 दिसंबर को सेक्टर-1 में होगा तेलुगु महासम्मेलन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 29 अगस्त । तेलुगु कल्याण समिति की बैठक सुपेला स्थित काफी हाउस में आयोजित की गई।

बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति के अध्यक्ष अप्पाराव की अध्यक्षता में हुई बैठक में महासचिव पी. राजू, कोषाध्यक्ष एल. पोतन्ना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एम. तम्माराव, सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष बी. मधुसूदन एवं सचिव के. केशव राव सहित समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए समिति के अध्यक्ष अप्पाराव ने कहा कि 6 दिसंबर को सेक्टर-1 में तेलुगु महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा। इसके साथ ही मंत्री, सांसद, विधायक एवं जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने महासम्मेलन के आयोजन पर अपनी सहमति व्यक्त की तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न सुझाव दिए।

क्रिकेट सट्टा प्रकरण में फरार आरोपी गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 29 अगस्त। भिलाई ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा प्रकरण में फरार एक अन्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है दुर्ग सिटी कोतवाली थाने पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन जब्त किया है। इस मामले में पूर्व में 12 आरोपी गिरफ्तार किया जा चुके हैं पुलिस ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खिलाने के प्रकरण में फरार चल रहे आरोपी उमेश भगत उर्फ अंकल को गिरफ्तार किया है और उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है दुर्ग सिटी कोतवाली टीआई नवीन राजपूत ने बताया 22 फरवरी को अशरफ नगर तकिया पारा दुर्ग में क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टा खिलाने की सूचना पर पुलिस द्वारा कार्रवाई की गई थी प्रकरण में अब तक 12 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है वहीं फरार आरोपी उमेश भगत उर्फ अंकल को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया है दुर्ग सिटी कोतवाली थाने पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि अशरफ नगर तकिया पारा स्थित सोहेल अहमद खान के मकान में भारत एवं दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रहे क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन रूपए पैसे का दांव लगा कर सट्टा खिलाया जा रहा है सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस ने रेड कार्रवाई सोहेल कर अहमद खान एवं संतोष कुमार गोड़ को हिरासत में लेकर पूछताछ की थी। मौके पर से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खिलाने में प्रयुक्त एक लैपटॉप, एक एलइडी टीवी, चार मोबाइल फोन, एक डीवीआर, 4 मोबाइल चार्जर, जियो सेटअप बॉक्स, वाई-फाई उपकरण, डॉट पेन, कॉपी एवं नगदी रकम 5000 रुपए जब्त किए गए थे आरोपियों के खिलाफ धारा 4,6,7 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई थी सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था अब तक इस प्रकरण में आरोपियों सोहेब अख्तर, साहिल उर्फ सोनू, विजेंद्र कुमार, मनय बोथरा, राहुल रंगवानी, संदीप कापसे, अमान अली, हुसैन अली, सोविंद यादव एवं जुनैद रजा को गिरफ्तार किया जा चुका है ।

बहनों ने बांधी कैदी भाइयों को राखी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 29 अगस्त। रक्षाबंधन भाई-बहन के उस रिश्ते का पर्व, जिसमें एक धागे में प्यार, भरोसा और जिंदगी भर साथ निभाने का वादा बंधा होता है। लेकिन जब यही राखी जेल की सलाखों के पीछे बैठे भाई की कलाई पर बंधे, तो भावनाएं और भी गहरी हो जाती हैं। दुर्ग सेंट्रल जेल में आज कुछ ऐसा ही भावुक नजारा देखने को मिला। सुबह से ही बहनों की कतार लगी रही.किसी के हाथ में राखी थी, तो किसी की आंखों में भाई से मिलने की खुशी और बिछड़ने का दर्द दुर्ग सेंट्रल जेल में रक्षाबंधन के लिए विशेष इंतजाम किए गए। जेल के बाहर काउंटर लगाकर बहनों का पहचान पत्र के जरिए पंजीयन किया गया और इसके बाद उन्हें बारी-बारी से जेल के अंदर प्रवेश दिया गया। बड़े हॉल में बंदियों को शिफ्ट के अनुसार बैठाया गया, जहां बहनों ने अपने भाइयों के सामने बैठकर उनकी कलाई पर राखी बांधी। किसी ने भाई को मिठाई खिलाई, तो किसी ने जिंदगी की नई शुरुआत करने का वादा लिया।वहीं जेल अधीक्षक मनीष संभाकर के मुताबिक करीब 1700 बहनें अब तक पहुंच चुकी थीं। महिला बंदियों से मिलने उनके भाई भी पहुंचे। जेल में महिला और पुरुष बंदियों को मिलाकर करीब 2400 बंदी हैं। सुबह 7:30 से शाम 5 बजे तक मुलाकात का समय रखा गया है और करीब 5000 लोगों के पहुंचने का अनुमान है। दूर-दराज से आने वाली बहनों को समय निकलने के बाद भी मुलाकात का अवसर देने की व्यवस्था की गई।सुरक्षा के लिए महिला गार्ड अंदर और पुरुष पुलिस बल बाहर तैनात रहा। मोबाइल फोन अंदर ले जाने की अनुमति नहीं थी। बहनों द्वारा लाई गई मिठाइयों की भी जांच के बाद ही उन्हें बंदियों तक पहुंचाया गया मुलाकात के दौरान कई बहनों की आंखें नम हो गईं। बहन मधुबाला ने बताया कि उसका भाई दो महीने से जेल में है। भाई की एक गलती का दुख जरूर है, लेकिन राखी के दिन उसके लिए बस यही दुआ है कि वह जेल से बाहर निकलकर सही रास्ते पर चले और जिंदगी को नई दिशा दे।उन्होंने ने कहा कि जेल में उन्हें करीब 15 से 20 मिनट भाई के साथ रहने का समय मिला और भाई को राखी बांधकर वह बेहद खुश हैं बंदी भाइयों के लिए भी यह पल भावुक करने वाला रहा। एक बंदी ने कहा कि बहनों से राखी बंधवाकर वह बेहद खुश है और जेल प्रशासन ने राखी बांधने से जुड़ी जरूरी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराईं।यानी आज जेल की ऊंची दीवारें भाई-बहन के रिश्ते को रोक नहीं सकीं.सलाखों के उस पार बंधी राखी ने यही संदेश दिया कि रिश्ते कैद नहीं होते, और एक छोटी सी डोर भी जिंदगी बदलने की उम्मीद जगा सकती है

नौकरी लगवाने का झांसा देने वाला गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 29 अगस्त। पुलिस विभाग में चालक और आरक्षक के पद पर शासकीय नौकरी लगवाने का झांसा देकर 14 लाख एक हजार रुपए की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को स्मृतिनगर पुलिस ने रायपुर से गिरफ्तार किया है पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल और संबंधित दस्तावेज जब्त किए हैं। आरोपी के खिलाफ नेवई थाने में पहले से धोखाधड़ी का मामला दर्ज है उसके खिलाफ दो स्थायी वारंट भी जारी थे गिरफ्तारी के बाद दोनों वारंटों की तामीली कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया स्मृतिनगर चौकी प्रभारी अमित अदानी ने बताया कि कोहका निवासी (36 साल) महिला ने 26 अगस्त को शिकायत दर्ज कराई थी उसने बताया कि वर्ष 2024 में आरोपी तोपचंद धनकर ने उसके पति अश्वनी कुमार ध्रुवे को पुलिस विभाग में चालक और उसके भाई रितेश ठाकुर को आरक्षक के पद पर नौकरी दिलाने का झांसा दिया इस के एवज में आरोपी ने अलग-अलग समय पर कुल 14 लाख एक हजार रुपए लिए पुराने मामले में भी तलाश थी शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 318(4) के तहत प्रकरण दर्ज किया जांच में पता चला कि उसके खिलाफ नेवई थाने में पहले से धोखाधड़ी का मामला दर्ज है और दो स्थायी वारंट जारी हो चुके हैं। इसके बाद पुलिस ने उसके संभावित ठिकानों की तलाश शुरू की पुलिस टीम ने रायपुर के उरला स्थित साहिल किराना स्टोर्स के पास दबिश देकर आरोपी को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने धोखाधड़ी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस ने उसके पास से मोबाइल और संबंधित दस्तावेज जब्त किए हैं।

पुरानी परंपरा एवं रीति रिवाज के साथ मना रक्षाबंधन पर्व, ग्रामीण क्षेत्र में दिखा विशेष उत्साह

अंवरी, 29 अगस्त। अंवरी सहित अंचल के ग्राम भैसबोड़, कुम्हारी, जोरातराई, कोलियारी, भखारा, भठेली, सिगदेही, भेंडसर, सिर्वे , सेमरा, सुपेला, सिलघट, बगौद, बंगोली, राखी, खपरी, कुर्रा आदि गांव में पुराने परंपरा और रीति-रिवाज के साथ भाई बहनों ने राखी का त्यौहार मनाया और भाई के कलाई में बहनों ने रक्षा सूत्र बांधा। गीतांजलि साहू, संतोषी साहू, धानी साहू ने बताया कि भारतीय धर्म संस्कृति के अनुसार रक्षाबन्धन का त्यौहार श्रावण माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह त्योहार भाई-बहन को स्नेह की डोर में बांधता है। इस दिन बहन अपने भाई के मस्तक पर टीका लगाकर हाथों में रक्षा का बन्धन बांधती है, जिसे राखी कहते हैं। यह एक हिन्दू त्योहार है जो प्रतिवर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है।

सावन में मनाये जाने के कारण इसे श्रावणी या सलूनो भी कहते हैं। रक्षाबन्धन में राखी या रक्षासूत्र का सबसे अधिक महत्त्व है। राखी कच्चे सूत जैसे सस्ती वस्तु से लेकर रंगीन कलावे, रेशमी धागे जैसे महंगी भी होती है। रक्षाबंधन भाई बहन के रिश्ते का प्रसिद्ध त्यौहार है, रक्षा का मतलब सुरक्षा और बंधन का मतलब बाध्य है। रक्षाबंधन के दिन बहने भगवान से अपने भाईयों की तरक्की के लिए भगवान से प्रार्थना करती है। राखी सामान्यतः बहनें भाई को ही बाँधती हैं। रक्षाबंधन के दिन भाई अपने बहन को राखी के बदले कुछ उपहार देते है। रक्षाबंधन एक ऐसा त्योहार है जो भाई बहन के प्यार कोऔर मजबूत बनाता है, इस त्योहार के दिन सभी परिवार एक हो जाते है और राखी, उपहार और मिठाई देकर अपना प्यार साझा करते है। , थानेश्वर साहू, ईश्वर साहू, ,केशव साहू, मुकेश साहू, गुलशन, रोशन, जनक साहू आदि ने अपने बहनों से राखी बंधवा कर उपहार दिया और हमेशा उनकी रक्षा करने का वचन दिया।

मोहारा एवं लखोली वार्ड में महापौर ने किया विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 29 अगस्त। महापौर मधुसूदन यादव ने शहर के मोहारा एवं लखोली वार्ड में दो निर्माण एवं विकास कार्यों का भूमिपूजन किया । उक्त दोनों निर्माण कार्यों की मांग विगत कुछ वर्षो से वार्डवासियों द्वारा की जा रही थी, जिन्हें महापौर मधुसूदन के प्रयासों से डॉ0 रमन सिंह, अध्यक्ष छ.ग. विधानसभा एवं विधायक राजनांदगॉव द्वारा विधायक निधि मद से निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्थानीय वार्ड नं.47 मोहारा में कबीर कुटीर मेला स्थल में 10 लाख रू. की लागत से जिला विश्वकर्मा समाज के सामाजिक भवन निर्माण हेतु महापौर मधुसूदन ने भूमिपूजन कार्य संपन्न किया। इससे पहले विश्वकर्मा समाज के प्रबुद्धजनों द्वारा आयोजन में पहुँचे मुख्य अतिथि मधुसूदन यादव, विशिष्ठ अतिथिगण निगम अध्यक्ष पारस वर्मा,

स्थानीय पार्षद आलोक श्रोती, केशवदास मानिकपुरी अध्यक्ष मानिकपुरी समाज, मंगलदास विश्वकर्मा अध्यक्ष नंदई परिक्षेत्र, मनोहर प्रजापति मूर्तिकार संग सहसचिव छ.ग., समाजसेवी उत्तम यादव का स्वागत एवं सम्मान किया गया । आयोजनकर्ता एवं स्वागत समिति विश्वकर्मा समाज की ओर से जिलाध्यक्ष राधेलाल विश्वकर्मा (पुर्रामटोला), उपाध्यक्ष लक्ष्मण विश्वकर्मा, संरक्षक जगदीश विश्वकर्मा व रेवाराम विश्वकर्मा, सचिव राकेश विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष विष्णु विश्वकर्मा, मंच संचालक एवं ब्लाक उपाध्यक्ष शेखर विश्वकर्मा, सामाजिक पदाधिकारीगण अपेन्द्र विश्वकर्मा, दुर्गेश विश्वकर्मा, महेन्द्र विश्वकर्मा, नंदू विश्वकर्मा, मूर्तिकार एवं मीडिया प्रभारी ,दिलीप मेश्राम, जनक विश्वकर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वकर्मा समाज को संबोधित करते हुए महापौर ने मुख्य रूप से यह कहा कि सामाजिक भवन बनने के बाद सामाजिक हित में इसका अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करें। ग्रामीण क्षेत्रों एवं अन्य जिलों से शिक्षा ग्रहण करने के लिये शहर आने वाले बच्चों के रहने हेतु सामाजिक भवन में हास्टॅल एवं निवास सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास करें ताकि सामाजिक बन्धुओं का भला हो सके। महापौर ने सामाजिक भवन सहित वार्ड एवं मोहल्ला में स्वच्छता बनाये रखने का आव्हान किया और पार्षद आलोक श्रोती को सामाजिक भवन हेतु वार्ड में जगह उपलब्ध कराने के लिये धन्यवाद दिया। महापौर ने भवन के पीछे 5 लाख रू. की लागत से महिला एवं पुरूष शौचालय निर्माण कार्य की भी घोषणा की ।

शहर के वार्ड नंबर 35 अंतर्गत लखोली दुर्गा चौक में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में राजनांदगॉव महापौर ने विधायक निधि मद से 6 लाख रू. की लागत से सांस्कृतिक मंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस आयोजन में वार्डवासियों ने महापौर मधुसूदन का पगड़ी एवं पुष्पहार पहनाकर एवं गुलदस्ता भेंट करके आत्मीय स्वागत किया गया। भूमिपजन के इस अवसर पर उनके साथ निगम अध्यक्ष पारस वर्मा, स्थानीय पार्षद डिलेश्वर प्रसाद साहू, भाजपा नेता अतुल रायजादा, वार्ड प्रमुख एवं प्रबुद्धजन मांगनदास साहू, हेमंत निषाद, तरूण साहू, जगदीश सिन्हा, दिनेश साहू, गोलू निषाद सहित वार्डवासीगण उपस्थित रहे। महापौर ने अपने संक्षिप्त संबोधन में वार्डवासियों की तरफसे राजनांदगॉव विधायक डॉ0 रमन सिंह जी के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी एवं छ.ग. विधानसभा अध्यक्ष डॉ0 रमन सिंह जी के सहयोग एवं मार्गदर्शन से राजनांदगॉव शहर के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध हैं।

एक नजर

अबूझमाड़ में बदला हवा का रुख

रायपुर,29 अगस्त। हिंसा छोड़ मुख्यधारा में लौटीं बहनों ने छ्त्रन्न जवानों की कलाई पर बांधी राखी, दिया शांति और विश्वास का संदेशहिंसा छोड़ मुख्यधारा में लौटीं बहनों ने छ्त्रन्न जवानों की कलाई पर बांधी राखी, दिया शांति और विश्वास का संदेश बस्तर के अबूझमाड़ क्षेत्र में बदलाव और शांति की एक नई बयार बहने लगी है। कभी बंदूक के साये और हिंसा के रास्ते पर चलने वाली, किंतु अब आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ चुकी महिला माओवादियों ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर नारायणपुर पुलिस के डीआरजी परिसर में जवानों और पुलिस अधिकारियों की कलाई पर रक्षा-सूत्र बांधकर इस पवित्र रिश्ते को नई मानवीय संवेदनाओं से जोड़ दिया। यह भावुक क्षण केवल रक्षाबंधन मनाने तक सीमित नहीं था, बल्कि इसने बदलते बस्तर और सुरक्षा बलों तथा स्थानीय समाज के बीच बनते अटूट विश्वास का एक गहरा संदेश दिया। डीआरजी परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान आत्मसमर्पित बहनों ने पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार पटेल सहित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अक्षय साबद्रा, अजय कुमार, ऐश्वर्य चंद्राकर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को राखी बांधकर अपने प्रति स्नेह, सम्मान और सुरक्षा के संकल्प को महसूस किया। एक समय जो लोग भय और संघर्ष के माहौल में जीवन बिता रहे थे, वे आज पुलिस परिवार के साथ एक आत्मीय और पारिवारिक माहौल साझा करते नजर आए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार पटेल ने कहा कि रक्षाबंधन केवल प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा का संकल्प है। मुख्यधारा में लौटे लोगों को समाज में सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर देना और उनके भीतर सुरक्षा की भावना को मजबूत करना पुलिस और समाज दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। डीआरजी परिसर में बिखरी यह आत्मीयता इस बात की प्रत्यक्ष प्रमाण बनी कि बंदूक और हिंसा की राह से कहीं अधिक ताकतवर संवाद, विश्वास और अपनत्व की डोर होती है। नारायणपुर में मनाया गया यह पर्व इस उम्मीद को और मजबूती देता है कि अबूझमाड़ अब भय के दौर से निकलकर शांति, भाईचारे और विकास के एक नए युग में प्रवेश कर चुका है।

छत्तीसगढ़ में औसतन 100% से अधिक बारिश दर्ज

रायपुर,29 अगस्त। छत्तीसगढ़ में इस मानसून सीजन में बारिश की स्थिति बेहद संतोषजनक बनी हुई है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा जारी वर्षा रिपोर्ट के अनुसार, 1 जून 2026 से 28 अगस्त 2026 तक राज्य में औसतन 855.9 मि.मी. बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो कि बीते 10 वर्षों के औसत 849.3 मि.मी. की तुलना में 100.8 प्रतिशत है। अकेले 28 अगस्त को ही प्रदेश भर में औसतन 6.4 मि.मी. बारिश दर्ज की गई। राज्य के विभिन्न संभागों और जिलों में बारिश का वितरण काफी विविधतापूर्ण रहा है, जहाँ कुछ जिलों में रिकॉर्ड तोड़ वर्षा हुई है वहीं कुछ इलाकों में अब भी मानसून की गति थोड़ी धीमी बनी हुई है। सरगुजा संभाग की बात करें तो बलरामपुर जिले में मानसून की सबसे अधिक मेहरबानी देखने को मिली है, जहाँ औसत की तुलना में 157.7 प्रतिशत यानी 1164.4 मि.मी. बारिश हो चुकी है और यहाँ आज भी सर्वाधिक 29.3 मि.मी. पानी बरसा। संभाग के अन्य जिलों जैसे सूरजपुर में 963.5 मि.मी. (109.6त्न), मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 920.0 मि.मी. (116.7त्न), कोरिया में 702.3 मि.मी. (89.9त्न) और जशपुर में 716.9 मि.मी. (86.9त्न) बारिश दर्ज की गई है, जहाँ आज 16.9 मि.मी. पानी गिरा। वहीं सरगुजा जिला अब भी वर्षा के मामले में थोड़ा पीछे है, जहाँ अब तक औसत की केवल 77.1 प्रतिशत (504.4 मि.मी.) ही बारिश हुई है। मध्य छत्तीसगढ़ यानी रायपुर और बिलासपुर संभाग में मानसून पूरी तरह से सक्रिय है। प्रदेश में प्रतिशत के आधार पर सबसे अधिक 166.0 प्रतिशत बारिश सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में दर्ज की गई है, जहाँ कुल 1088.5 मि.मी. पानी बरसा है। रायपुर जिले में 920.0 मि.मी. (130.7त्न) और महासमुंद में 1017.9 मि.मी. (130.7त्न) बारिश के साथ आंकड़े बेहद मजबूत हैं। इसी क्रम में गरियाबंद में 989.2 मि.मी. (120.4त्न), बलौदाबाजार में 898.7 मि.मी. (114.4त्न) तथा धमतरी जिले में 833.6 मि.मी. (101.5त्न) बारिश हुई है। बिलासपुर संभाग में मुंगेली जिला 896.8 मि.मी. (120.5त्न) और जांजगीर-चांपा 1025.7 मि.मी. (114.6त्न) वर्षा के साथ आगे चल रहे हैं, जबकि बिलासपुर में 890.7 मि.मी. (109.2त्न), सक्ती में 846.2 मि.मी. (105.8त्न), कोरबा में 953.2 मि.मी. (105.0त्न) तथा गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 831.2 मि.मी. (102.7त्न) वर्षा दर्ज हुई है। कोरबा में आज भी 24.1 मि.मी. की अच्छी बारिश हुई।

बहनों का स्नेह और आशीर्वाद मेरे लिए अनमोल : मुख्यमंत्री

रायपुर,29 अगस्त। मुख्यमंत्री निवास में आज रक्षाबंधन का पर्व आत्मीयता, स्नेह और उल्लास के वातावरण में मनाया गया। समाज के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचीं माताओं-बहनों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की कलाई पर राखी बांधकर उन्हें अपना स्नेह और आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सभी बहनों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि बहनों का यह स्नेह उनके लिए अनमोल है और उनका आशीर्वाद प्रदेश की सेवा के संकल्प को और मजबूत करता है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट स्नेह, विश्वास और आत्मीयता का पावन पर्व है। बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसके सुखद और मंगलमय जीवन की कामना करती है, वहीं भाई अपनी बहन के सम्मान, सुरक्षा और सुख-दुःख में सदैव साथ खड़े रहने का संकल्प लेता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, मेरे लिए यह बड़े सौभाग्य का दिन है कि समाज के अलग-अलग क्षेत्रों से आप सभी बहनें रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार मनाने मुख्यमंत्री निवास आई हैं। आप सभी का स्नेह और आशीर्वाद मुझे प्रदेश की माताओं-बहनों के कल्याण के लिए और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम में स्वर्गीय कर्नल अशोक कुमार दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती सरला दुबे ने मुख्यमंत्री श्री साय को राखी बांधी। इस आत्मीय क्षण का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय कर्नल अशोक कुमार दुबे सेना में शामिल होने वाले छत्तीसगढ़ के पहले जवान थे। उनकी धर्मपत्नी श्रीमती दुबे से राखी बंधवाना उनके लिए विशेष रूप से भावुक और गौरवपूर्ण क्षण है।

कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की सविता दीदी एवं स्मृति दीदी, श्रीमती सावित्री जायसवाल, पद्मश्री डॉ. उषा बारले, छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती ममता साहू, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन सहित महिला पत्रकारों, स्व-सहायता समूहों की दीदियों, लखपति दीदियों, ड्रोन दीदियों, ई-रिक्शा दीदियों, टीम प्रहरी, विभिन्न समाजों की महिलाओं और दिव्यांग बहनों ने मुख्यमंत्री को राखी बांधी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने राजधानी रायपुर में आयोजित 'स्नेह की डोर' कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि रक्षाबंधन के पर्व को देश और प्रदेश की सुरक्षा में समर्पित जवानों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता के भाव से जोड़ना अत्यंत सुखद अनुभव रहा।

उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों की बहनों, दिव्यांग बहनों और शहीद जवानों के परिवारों की महिलाओं ने सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ और आईटीबीपी सहित विभिन्न सुरक्षा बलों के लगभग 1600 जवानों की कलाई पर राखी बांधकर उनके प्रति अपना स्नेह और सम्मान व्यक्त किया। हमारे जवान त्योहारों पर भी अपने परिवार से दूर रहकर देश और प्रदेश की सुरक्षा के दायित्व का निर्वहन करते हैं। ऐसे वीर जवानों के प्रति सम्मान व्यक्त करना हम सभी का दायित्व है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में उपस्थित महिला पत्रकारों का विशेष रूप से स्वागत करते हुए कहा कि पत्रकारिता साहस, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का कार्य है। हमारी महिला पत्रकार अनेक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए समाज को देश-दुनिया के घटनाक्रम से अवगत करा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने आत्मीय प्रसंग साझा करते हुए बताया कि दिल्ली प्रवास से लौटने के दौरान आज सुबह एयरपोर्ट पर पत्रकार बहन जिज्ञासा ने उन्हें राखी बांधकर अपना स्नेह व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज स्व-सहायता समूहों की दीदियां, लखपति दीदियां, ड्रोन दीदियां, ई-रिक्शा दीदियां, सेटरिंग प्लेट दीदियां और मितानिन दीदियां अपने-अपने क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं। पंचायत चुनावों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण मिलने से स्थानीय नेतृत्व में महिलाओं की भूमिका और मजबूत हुई है। आज अनेक सरपंच दीदियां अपने नेतृत्व और नवाचार से गांवों के विकास को नई दिशा दे रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इसी उद्देश्य से महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 68 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व प्रदेश की माताएं-बहनें उत्साह और उमंग के साथ मना सकें, इसके लिए निर्धारित समय से पहले 25 अगस्त को ही महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त के रूप में 631 करोड़ रुपये से अधिक की राशि बहनों के बैंक खातों में अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता की योजना नहीं है, बल्कि इसने महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाया है। बहनें इस राशि का उपयोग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य, बचत और आजीविका से जुड़ी गतिविधियों के लिए कर रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश की महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें 'लखपति दीदी' के रूप में सशक्त करने का संकल्प लिया है। देशभर में 6 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को 8 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य मिला था, लेकिन प्रदेश ने लक्ष्य से आगे बढ़कर पिछले दो वर्षों में 13 लाख 85 हजार महिलाओं को लखपति दीदी बनाया है।

बहाव को कभी रोके नहीं बल्कि दिशा बदल दें: श्रेयांशप्रभ जी

■ विचारों को भी सही दिशा में मोड़े तो बदलाव आ जाये

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 29 अगस्त। खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर जी के सुशिष्य श्रेयांशप्रभ सागर जी ने आज यहां कहा कि हम अपने विचारों को रोकने और नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं। यह ठीक नहीं है,बहाव को कभी रोके नहीं बल्कि दिशा बदल दें तो बदलाव निश्चित है। मुनिश्री ने कहा कि हम अक्सर बहाव को रोकने की कोशिश में लगे रहते हैं जिसकी वजह से हमें अनेक परेशानियों को सामना करना पड़ता है। बहाव को कभी रोकें नहीं बल्कि सही मोड़ आने पर उसका रुख बदल दें, इसका सुखद परिणाम सामने आएगा।

जैन बगीचा स्थित ज्ञानवल्लभ उपाश्रय भवन में अपने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन की श्रृंखला में श्रेयांशप्रभ मुनि ने कहा कि पानी, आग और हवा को रोकने की कोशिश करने से यह कभी नहीं रुकेंगे, इसलिए इनकी दिशा बदल दो। इसी तरह गुस्से को भी रोके नहीं बल्कि उसकी दिशा बदल दें। यह सबसे बेहतर उपाय है। मुनि श्री ने कहा कि कुछ समय के लिए बदलाव नहीं चाहिए बल्कि बदलाव स्थानीय होना चाहिए। मुनि श्रेयांशप्रभ जी ने कहा कि फ्लो को रोकने की कोशिश करने के बजाय या तो उसका सामना करो या फिर रास्ता छोड़कर दूर चले जाओ। उन्होंने कहा कि कभी भी अपने भावों को दूसरे कामों में लगाकर टालने की कोशिश मत कीजिए, उसका सामना कीजिए या फिर रास्ता छोड़ दीजिए। आप वही करें जिससे मन खुश होता है। हम लोगों को तो धन्यवाद तो देते ही है किंतु जो हम कर रहे हैं उसके लिए मन को भी धन्यवाद दें। एक बार आप खुश रहना सीख जाएं तो मन आपके भावों की दिशा स्वयं ही बदल देगा जिसका सुखद नतीजा आपके सामने होगा।यह जानकारी मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने दी।

मवेशी धर-पकड़ एंव रेडियम पट्टी लगाने का अभियान जारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 29 अगस्त। हाईवे पर एवं शहर के चैक चैराहो में घुमते रहने तथा बैठे रहने से यातायात बाधित होने व दुर्घटना की रोकथाम के लिए कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के निर्देश पर नगर निगम द्वारा मवेशी धर पकड अभियान चलाया जा रहा है,। निगम आयुक्त श्री जी.आर.मरकाम स्वयं स्थल में पहुच मानिटरिंग कर रहे है। निर्देशानुसार निगम का अमला आज 11 मवेशी पकड दो दिन में लगभग 200 मवेशियो के गले में रेडियम पट्टी लगाकर सिंग में रेडियम टेप लगाए। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त शिकायत तथा निदान 1100 व मुख्यमंत्री हेल्प लाईन में प्राप्त शिकायतों के आधार पर भी मवेशी पकडा जा रहा है तथा बीमार तथा दुर्घटना से घायल मवेशी ईलाज के लिए आरोग्यंम गौशाला छोड़ा गया एवं रात में टीम द्वारा मवेशी हकाला भी जाता है। इसके अलावा टीकाकरण के तहत कॉजी हाउस में रखे मवेशियो को एल.एस.डी. का टीका भी लगाया गया। मवेशियों को पकड़ने शासन व प्रशासन द्वारा दिये गये निर्देशानुसार नगर निगम की घुमन्तु मवेशियों को पकड़ने निगम आयुक्त द्वारा गठित टीम चैक चैराहो से घुमन्तु मवेशियों को पकड़ने की कार्यवाही निरंतर कर रही है। आज आयुक्त की उपस्थिति में नेहरू नगर, जी.ई.रोड, राम दरबार, पुराना बस स्टैण्ड, निगम कार्यालय के सामने, आम्बेडकर चैक, मनोकामना भवन के पास से 11 मवेशी पकड रेवाडीह काजी हाउस छोडे, जहॉ से उन्हें छोडाने पर 570-570 रूपये मवेशी मालिको से अर्थदण्ड लेकर मवेशी छोडा जायेगा। साथ ही जिलाधीश महोदय के निर्देश पर मवेशियो तथा नागरिको को दुर्घटना से बचाने दो दिन में शहर के लगभग 200 मवेशियो के गले में रेडियम पट्टी लगाकर सिंग में रेडियम टेप लगाया गया। इसी प्रकार प्रतिदिन रात में दुर्घटना से बचाने प्रमुख चैक चैराहो व सड़को से मवेशी हकाला भी जा रहा है। इसके अलावा नवागांव बीडी कालोनी के सामने रेल्वे लाईन में दुर्घटना से घायल मवेशी उठाकर ईलाज के लिए आरोग्यंम गौशाला छोड़ा गया तथा लखोली कुँआ चैक, ममता नगर, बसंतपुर क्लब चैक से प्राप्त शिकायत अनुसार मवेशी पकड कॉजी हाउस में छोडा गया। मवेशी पकड़ने तथा रेडियम लगाने का अभियान आगे भी जारी रहेगा। आयुक्त श्री मरकाम ने बरसात में दुर्घटना से बचने एवं मवेशियो को भी दुर्घटना से बचाने मवेशी मालिको से अपने जानवर को निर्धारित स्थल में बांध कर रखने तथा चैक-चैराहों व सड़कों पर घुमने पशुओं को खुला न छोड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अपालन की स्थिति में मवेशी मालिकों के उपर कार्यवाही करते हुये अर्थदण्ड अधिरोपित किया जायेगा।

रायपुर नगर निगम का आवारा मवेशियों की सड़कों से निरंतर धरपकड़

रायपुर29 अगस्त। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के दिशा – निर्देश के अनुरूप रायपुर जिला प्रशासन के मार्गनिर्देशन में रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के सभी 10 जोनों के माध्यम से राजधानी शहर नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत सड़क मार्गों में काउकेचर टीम एवं विशेष टीम के श्रमवीरों की सहायता से आवारा मवेशियों की धरपकड़ करने का अभियान प्रतिदिन नियमित रूप से सतत निरंतर जारी है। आज आवारा मवेशियों की सड़कों से धरपकड़ के अभियान के अंतर्गत रायपुर नगर निगम के विभिन्न जोनो में भिन्न क्षेत्रों भाठागांव संतोषी नगर, मठपुरैना रिंग रोड क्षेत्र, पेंशनबाड़ा, बूढ़ापारा, लाखेनगर मार्ग क्षेत्र से सहित अन्य क्षेत्रों में सड़क मार्गो से आवारा मवेशियों की धरपकड की गई, इसमें जोन 6 की काऊकैचर टीम द्वारा भाठागांव क्षेत्र सड़क मार्ग से 9 आवारा मवेशियों, जोन 6 क्षेत्र में संतोषी नगर मठपुरैना रिंग रोड क्षेत्र सड़क मार्ग से 13 आवारा मवेशियों की काऊकैचर वाहन की सहायता से धरपकड़ की, वहीं जोन 4 क्षेत्र में जोन 4 काऊकैचर टीम की सहायता से जोन क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 57 क्षेत्र में पेंशनबाड़ा, वार्ड 45 क्षेत्र में बूढ़ापारा एवं वार्ड 44 में लाखेनगर क्षेत्र सड़क मार्ग पर कुल 5 आवारा मवेशियों की धरपकड़ की। राजधानी शहर रायपुर नगर निगम के सभी 10 जोनों की काऊकैचर टीमों के श्रमवीरों के माध्यम से सड़क मार्गो से आवारा मवेशियों की धरपकड का अभियान सतत निरतर जारी रहेगा।

रक्षा सूत्र में बंधा पुलिस का स्नेह

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

साल्हेवारा 29 अगस्त। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भाई-बहन के स्नेह और विश्वास की परंपरा को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए आमगांवघाट क्षेत्र के SKDV मिशन प्रतिनिधियों ने पुलिस थाना साल्हेवारा पहुंचकर पुलिस बल के जवानों को रक्षा सूत्र बांधा। प्रतिनिधियों ने जवानों के सुख-समृद्धि, स्वस्थ जीवन एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके प्रति सम्मान और आत्मीयता व्यक्त की। इस अवसर पर स्र्यष्ठङ्क मिशन के जिला प्रतिनिधि रामजी ठाकरे, तहसील प्रतिनिधि सुरेश झारिया, संतु धरमगढ़े, उधो पटेल एवं जग्गू ठाकरे तथा महिला प्रतिनिधि आधीन बाई, लीला बाई एवं सरोज ने पुलिस जवानों को राखी बांधी। प्रतिनिधियों ने कहा कि पुलिस जवान त्यौहारों और विशेष अवसरों पर भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए समाज की सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में रक्षाबंधन के

अवसर पर उन्हें रक्षा सूत्र बांधना समाज की ओर से उनके प्रति सम्मान, स्नेह और विश्वास व्यक्त करने का एक भावपूर्ण प्रयास है। रक्षा सूत्र बंधवाते समय पुलिस जवानों ने भी इस आत्मीय पहल के लिए स्र्यष्ठङ्क मिशन के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पुलिस एवं आमजन के बीच आपसी विश्वास, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की भावना देखने को मिली।

महापौर ने ली निगम एवं विद्युत मण्डल के तकनीकी अधिकारियों सहित प्लांट संचालक की बैठक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 29 अगस्त। बारिश में बार बार लाईट बंद होने की वहज से पेयजल सप्लाई प्रभावित होने पर महापौर श्री मधुसूदन यादव आज अपने कक्ष में नगर निगम एवं विद्युत मण्डल के तकनीकि अधिकारियों की बैठक लेकर व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिए। आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम, निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, जल विभाग के प्रभारी सदस्य श्री सुनील साहू व लोककर्म विभाग के प्रभारी सदस्य श्री सावन वर्मा की उपस्थिति में आहुत बैठक में उन्होंने निर्माण कार्य के प्रगति की जानकारी लेकर कार्य में गति लाने निर्देर्शित किए।

महापौर श्री यादव ने बैठक में कहा कि शहर के कई क्षेत्रों में कम पानी आने की शिकायत प्राप्त हो रही है, जिसका मुख्य कारण टंकी नही भर पाना है। कंचनबाग, मोतीपुर की टंकीया पूरी नही भर पा रही है। जिस वजह से उक्त टंकी से सप्लाई क्षेत्रों में पानी की समस्या आ रही है। जिसका प्रमुख कारण बार बार बिजली बंद

होना है। विद्युत माण्डल के कार्यपालन अभियंता श्री फ्लोरा ने कहा कि अत्यधिक बारिश एवं फिडर में परेशानी की वजह से विद्युत की समस्या आ रही है। पेयजल की समस्या दूर करने फिल्टर प्लांट का विद्युत कनेक्शन अलग से फिडर में जोडने कार्य योजना बनाई जा रही है। जिससे प्लांट में बार बार लाईट बंद होने की समस्या नही रहेगी।

महापौर श्री यादव ने समुचित पेयजल सप्लाई के लिए फिडर का कार्य शीघ्रता से करने तथा गंज चैक काम्पलेक्स के पास ट्रांसफार्मर शिप्टींग के लिए निगम के अधिकारियो के साथ संयुक्त दौरा कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। आयुक्त श्री मरकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ देने कालोनियो में शिविर लगाया जा रहा है, शिविर में विद्युत मण्डल के अधिकारी भी शामिल रहे, इस संबंध में निगम के अधिकारियो से चर्चा कर कार्य योजना अनुसार अधिकारी भेजने कार्यपालन अभियंता श्री फ्लोरा को निर्देशित किए, ताकि योजना का लाभ देने प्रक्रिया बताई जा सके।

वार्डो में गंदा पानी आने की शिकायत पर महापौर ने निगम अधिकारी एवं प्लांट संचालक से वस्तु स्थिति की जानकारी ली। अधिकारियो ने जानकारी दी कि 17 एमएलडी फिल्टर प्लांट के फिल्टर बेड का मरम्मत कराया जा रहा है, जो पूर्णता की ओर है, नया फिल्टर मिडिया भी मंगाया गया है। महापौर ने कहा कि सभी पंप भी दुरूस्त रखे, उसके अलावा फिटकरी, क्लोरिन आदि का पर्याप्त भण्डारण रखे तथा तीनो पालियो में पर्याप्त कर्मचारी रहे इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि वाल्वमेनो से टंकी भरने, कम भरने तथा पाईप लाईन लिकेज आदि की जानकारी लेवे, उन्हें एक दूसरे से समन्वय स्थापित कर कार्य करने समझाईस देवे, उनके कार्यो की मानिटरिंग करे। उन्होंने कहा कि टैंकर के माध्यम से पानी सप्लाई होने वाले क्षेत्रो की जानकारी लेकर उस क्षेत्र में जाकर परीक्षण कर पाईप लाईन विस्तार, इंटर कनेक्शन तथा टंकी लगाकर पंप के माध्यम से पानी सप्लाई करने संबंधी कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए, ताकि उक्त क्षेत्र में समुचित पानी सप्लाई हो सके।

महापौर श्री यादव ने निर्माण कार्यो के संबंध में प्रारंभ, अप्रारंभ कार्यो की जानकारी लेकर कहा कि कार्य में प्रगति लावे, अप्रारंभ कार्य के लिए ठेकेदारो को कार्य प्रारंभ करने निर्देशित करे। उन्होंने काम्पलेक्स निर्माण के प्रगति की जानकारी लेकर नक्शा अनुसार दुकान की साईज निकाल दर निर्धारण कर राजस्व विभाग को जानकारी देवे, जिससे उनके द्वारा नीलामी के लिए प्रक्रिया की जा सके। उन्होंने आंगनबाडी मरम्मत, विधायक,सांसद निधि तथा योजना के कार्यो की विस्तृत जानकारी लेकर कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। इसके अलावा बजट प्रावधानानुसार उसके क्रियान्वयन के लिए किये जा रहे कार्यो की वस्तु स्थिति की जानकारी लेकर दिशा निर्देश दिए। बैठक में कार्यपालन अभियंता श्री दीपक खाण्डे, कार्यपालन अभियंता (संविदा) श्री यू.के.रामटेके, प्र.कार्यपालन अभियंता श्री प्रणय मेश्राम, विद्युत मण्डल के सहायक अभियंता श्री रोहित मण्डावी, निगम की सहायक अभियंता श्रीमती ज्योति साहू, प्र.सहायक अभियंता सुश्री सुषमा साहू, फिल्टर प्लांट के संचालक श्री नीतिन पाटिल व श्री राजेश पवार तथा निगम के उप अभियंता श्रीमती पिंकी खाती, श्री अनूप पाण्डे व श्री तिलक राज ध्रुव सहित लोककर्म विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

भाइयों ने माथे से लगाई राखी , बहनों ने कलाई सजाई

अंबागढ़ चौकी ,29 अगस्त। भाई –बहन का स्नेह भरा पर्व रक्षा बंधन आज एन एस एम पब्लिक स्कूल , अंबागढ़ चौकी में पूरे उत्साह के साथ मनाया गया । बहनों ने जहाँ अपने भाइयों की कलाई सजाई , वहीं भाइयों ने राखी के पवित्र धागे को अपने माथे से लगाकर सम्मान प्रदान किया । नन्हीं बहनों के हाथ मिठाई पाकर भाइयों के चेहरों की खुशी परवान चढ़ती दिखाई पड़ी ।नांदगांव शिक्षा मंडल , राजनांदगांव द्वारा संचालित एन एस एम पब्लिक स्कूल में पर्वों और दिवसों का महत्व बच्चों को बेहतर तरीके से समझाया है रहा है । प्रत्येक अवसर पर दृश्य निर्मित कर बच्चों के कोमल मन पर उस पर्व –दिवस को तरोताजा रखने के हर संभव प्रयास की प्रशंसा पालकों द्वारा भी की जा रही है । आज रक्षा बंधन से पूर्व संस्था में अध्यापन कार्य में जुटे शिक्षक –शिक्षिकाओं ने देश की भावी पीढ़ी को रक्षा सूत्र का महत्व बताया । छोटी –छोटी बहनों ने जब अपने नन्हें भाइयों के माथों पर तिलक लगाया और रक्षा सूत्र बांधने की प्रक्रिया से जुड़ी , भाइयों ने रक्षा सूत्र को पहले अपने मस्तक से लगाकर उसका सम्मान किया । राखी बांधने के उपरांत खिलाई गई मिठाई की मिठास खुद ही भाइयों के चेहरों पर छलकने लगी । पर्व के अवसर पर राखी से जुड़े गानों की गुनगुनाहट संयुक्त रूप से भाई एवं बहनों ने अपने अधरों पर दृश्यांकित किया । प्राचार्य डॉ .सूर्यकांत मिश्रा ने सभी बच्चों एवं शिक्षक –शिक्षिकाओं से चर्चा करते हुए राखी के पर्व को हिंदू धर्मावलम्बियों का ऐसा पर्व बताया जो रिश्तों को मजबूती प्रदान कर एकता का संदेश देता है ।

हैरानी की बात यह है पीएम पद के नए दावेदार सामने आए

वक्त के साथ ज्यादातर लोगों की पसंद भी वही बनी भी रहती है और कुछ लोगों की पसंद बदलती भी है। लोगों की पसंद बने रहने का जिस तरह बहुत से कारण होते हैं, उसी तरह लोगों की पसंद बदलने के भी कई कारण होते हैं। इसलिए यह तो कोई निश्चित रूप से नहीं कह सकता किसी को कोई पसंद करता है तो उसका कोई एक कारण है, इसी तरह तरह यदि लोगों की पसंद बदल रही है तो कोई भी यह निश्चित रूप से नहीं कह सकता कि पसंद बदलने का कोई एक कारण यह है। भारत के पीएम पद के लिए पसंद के लिए किए गए इंडिया टूडे के मूड आफ नेशन सर्वे से यह तो पता चलता है कि पीएम पद के लिए आज भी पहली पसंद पीएम मोदी हैं और उनके बाद देश के लोग किसी को पसंद करते हैं तो वह राहुल गांधी है।

पीएम पद के लिए सर्वे के मुताबिक तो कुछ भी नहीं बदला है। हर साल यह सर्वे होता है और इसमें पिछले १२ साल से पीएम पद के लिए पीएम मोदी ही पहली पसंद बने हुए हैं तो यह कहा जा सकता है कि राहुल गांधी और पीएम मोदी के बीच २० प्रतिशत का अंतर बना हुआ है। राहुल गांधी इस अंतर को कम नहीं कर पा रहे हैं।इसकी वजह यह है कि वह सकारात्मक राजनीति नहीं करते हैं।वह सकारात्मक राजनीति करते तो उनके और पीएम मोदी के बीच जो बरसों से बड़ा फासला बना हुआ है वह कम हो सकता है।वह पीएम मोदी के बाद दूसरे नंबर पर है तो यह उनकी लोकप्रियता नहीं, विपक्ष में कोई और विकल्प न होने के कारण के हैं। पहले व दूसरे नंबर के बीच कोई बदलाव न होने से भाजपा जहां निश्चित रह सकते हैं कि उनके नेता को अब तक देश में कोई मजबूत विकल्प नहीं हैं।वही कांग्रेस के नेताओं को इस बात की चिंता हो सकती है कि विपक्ष में पीएम पद के पुराने दावेदारों के साथ अब नए दावेदार सामने आ रहे हैं और लोगों में उनकी लोकप्रियता बढ़ भी रही है। यानी विपक्ष में राहुल गांधी के बाद पहले जितने पीएम पद के दावेदार थे,अब उऩकी संख्या बढ़ रही है।विपक्ष मे पीएम पद के पुराने दावेदारों में ममता बैनर्जी अब भी दावेदार हैं,उसके बाद अखिलेश यादव भी दावेदार है और अरविंद केजरीवाल भी दावेदार हैं।तीनों में जब तक पं.बंगाल ममता हारी नहीं थी,पीएम पद की मजबूत दावेदार थी लेकिन बंगाल हारने के बाद उनका दावा कमजोर हुआ है और वह भी अब पीएम मोदी को हराने वाली नहीं हारने वाली नेता हो गई हैं।

विपक्ष के पीएम पद के दावेदारों के लिए चिंता की बात यह है कि दो नए दावेदार इस बार के सर्वे में आएं है। एक हैं तमिलनाडु के सीएम विजय जोसेफ। दूसरे हैं सीजेपी के नेता अभिजीत दीपके।पहले के सर्वे में यह दोनों पीएम पद के लिए लोगों की पसंद में नहीं थे लेकिन पिछले कुछ महीनों में यह दोनों अपनी सक्रियता के कारण खूब चर्चा में रहे है। विजय जहां मजबूत राजनीतिक दल को हराने के कारण व लोकलुभावन वादों के कारण चर्चा में रहे हैं,वहीं अभिजीत दीपके जेनजी के आंदोलन व शिक्षामंत्री को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर देने के कारण चर्चा में रहे हैं।दोनों नेता ने अपना लक्ष्य तय किया और उसे पाने में सफल रहे हैं। यही वजह है कि दक्षिण से विजय को पीएम पद के लिए सबसे ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं।यह राहुल गांधी व कांग्रेस के लिए चिंता की बात हो सकती है। अभी लोकसभा चुनाव में दो साल से ज्यादा समय है। तब तक विजय राज्य में बहुत अच्छा काम करते है तो उन की लोकप्रियता और बढ़ सकती है और वह राहुल गांधी की जगह विपक्ष के पीएम पद के प्रत्याशी बनाए जा सकते हैं तब जब विपक्ष के नेता ममता,अखिलेश,तेजस्वी आदि नेता चाहें। राहुल गांधी को विपक्ष के कई नेता पीएम पद का योग्य प्रत्याशी नहीं मानते हैं क्योंकि वह हर मामले में पीएम मोदी से कोसो पीछे हैं।वह पीएम मोदी से तीन बार हारे हुए है।यही वजह है कि विजय का नाम सामने आने के बाद से कांग्रेस नेता यह कहने लगे हैं कि इंडी ब्लाक की तरफ से तो राहुल गांधी ही पीएम का चेहरा होंगे।अभिजीत दीपके युवाओं की पसंद हैं,वह एक सफल आंदोलन कर चुके हैं, इससे युवाओं में उनकी स्वीकार्यता बढ़ी वह केजरीवाल से ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं तो यह केजरीवाल के साथ ही विपक्ष के नेताओं के लिए चिंता की बात हो सकती है क्योंकि अभिजीत की लोकप्रियता इसी तरह बढ़ती रही तो वह दो साल में युवाओं का प्रभावी नेता बन सकता है और वह विपक्ष का नया चेहरा हो सकता है।क्योंकि विपक्ष को जो काम करना चाहिए वह कर नहीं रहा है। ऐसे में जनता को दीपके विपक्ष का नेता लगता है यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी।

सू- दोकू क्र.144

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.143 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -144

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गँरिया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संख्या 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे
1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

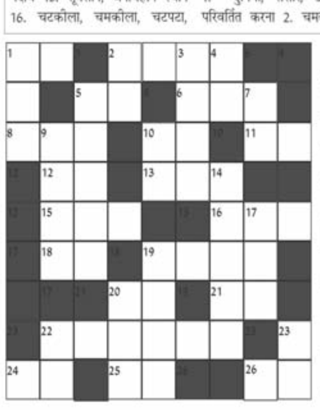

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 143 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

राष्ट्रीय खेल दिवस

खेलों की उड़ान, विकसित भारत की पहचान

ललित गर्ग

राष्ट्रीय खेल दिवस केवल एक महान खिलाड़ी की स्मृति को नमन करने का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र की खेल-चेतना को जगाने एवं खेल आयामों को नये शिखर देने का दिन है। 29 अगस्त को मनाया जाने वाला यह दिवस हॉकी के महानायक मेजर ध्यानचंद की जयंती से जुड़ा है। खेल किसी राष्ट्र की शक्ति का केवल प्रदर्शन नहीं होते, वे उसके आत्मविश्वास, अनुशासन, सामूहिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा के दर्पण भी होते हैं। आज जब भारत 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी तक विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, तब खेलों को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़ना समय की अनिवार्यता है। स्वस्थ नागरिक, अनुशासित युवा, विश्वस्तरीय खिलाड़ी और खेल-संस्कृति से संपन्न समाज-ये विकसित भारत की आधारशिलाएं हैं। 29 अगस्त 1905 को जन्मे मेजर ध्यानचंद भारतीय हॉकी के ऐसे जादूगर थे, जिन्होंने अपनी स्टिक से केवल गोल नहीं किए, बल्कि दुनिया के खेल मानचित्र पर भारत की पहचान अंकित की। 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम की स्वर्णिम सफलता में उनका योगदान ऐतिहासिक रहा। उनके खेल में कौशल के साथ राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और समर्पण का अद्भुत समन्वय था। उनके सम्मान में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाना वास्तव में उस खेल-दर्शन को याद करना है जिसमें प्रतिभा से बड़ा परिश्रम और व्यक्तिगत उपलब्धि से बड़ा राष्ट्र का गौरव होता है। ध्यानचंद की विरासत आज के खिलाड़ियों को यह संदेश देती है कि खेल का अंतिम लक्ष्य केवल पदक नहीं, बल्कि देश के लिए सम्मान अर्जित करना है। निश्चित तौर पर खेल अब मनोरंजन नहीं, राष्ट्रीय शक्ति हैं। एक समय भारत में खेलों को पढ़ाई या रोजगार के विकल्प के रूप में गंभीरता से नहीं देखा जाता था। आज परिस्थितियां तेजी से बदली हैं। क्रिकेट से आगे बढ़कर एथलेटिक्स, बैडमिंटन, कुश्ती, मुक्केबाजी, निशानेबाजी, भारोत्तोलन, हॉकी, टेबल टेनिस, तीरंदाजी, शतरंज और अनेक अन्य खेलों में भारतीय खिलाड़ी विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। नीरज चोपड़ा ने एथलेटिक्स में ओलंपिक स्वर्ण जीतकर भारतीय युवाओं को बताया कि ट्रैक और फील्ड में भी भारत विश्व विजेता बन सकता है। पी. वी. सिंधु ने बैडमिंटन में लगातार दो ओलंपिक पदक जीतकर नई पीढ़ी के लिए आदर्श स्थापित किया। मनु भाकर, डी. गुकेश, मीराबाई चानू, निकहत जरीन, लवलीना बोरगोहेन, अवनि लेखरा, हरमनप्रीत सिंह और अनेक खिलाड़ियों ने अलग-अलग खेलों में भारतीय प्रतिभा की व्यापकता सिद्ध की है। यह बदलाव किसी एक खिलाड़ी की सफलता नहीं, बल्कि बदलती हुई राष्ट्रीय खेल-संस्कृति का संकेत है।

टोक्यो 2020 में भारत ने सात पदक जीते और पेरिस 2024 में छह पदक हासिल किए। पदकों की संख्या भले ही अभी विकसित खेल राष्ट्रों के बराबर न हो, लेकिन भारतीय खेलों की चौड़ाई और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता लगातार बढ़ी है। पैरालंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन तो विशेष रूप से प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने यह मिथक तोड़ा है कि शारीरिक सीमाएं सफलता की सीमा निर्धारित करती हैं। भारत की वास्तविक उपलब्धि केवल पदकों में नहीं है। आज छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलने वाले युवा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यह खेलों के लोकतंत्रीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण परिवर्तन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलों को राष्ट्रीय विकास और युवा सशक्तीकरण के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में सामने रखा है। 'खेलो इंडिया' जैसी पहल ने विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान तथा खेल अवसंरचना के विकास को गति दी है। टॉप्स-टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम के माध्यम से संभावित ओलंपिक पदक विजेताओं को लक्षित सहायता दी जाती है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स और विश्वविद्यालय खेलों ने युवाओं को प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराया है। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, पोषण, विदेशी प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण, वैज्ञानिक सहयोग और आर्थिक सहायता पर बढ़ता ध्यान इस बात का संकेत है कि खेल नीति अब केवल प्रतियोगिता आयोजित करने तक सीमित नहीं है। प्रतिभा की खोज से लेकर उसे विश्वस्तरीय खिलाड़ी बनाने तक एक समग्र खेल-परिसंस्था तैयार करने की कोशिश हो रही है।

जब हम 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएंगे, तब विकसित भारत की तस्वीर केवल ऊंची जीडीपी, आधुनिक सड़कों, अत्याधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय शहरों से पूरी नहीं होगी। विकसित भारत का वास्तविक अर्थ होगा-स्वस्थ नागरिक, ऊर्जावान युवा, मानसिक रूप से मजबूत समाज और विश्व मंच पर आत्मविश्वास से खड़ा राष्ट्र। इस लक्ष्य में खेलों की भूमिका निर्णायक है। खेल युवाओं को नशे, निष्क्रिय जीवनशैली और दिशाहीनता से दूर रख सकते हैं। वे समयबद्धता, लक्ष्य-निर्धारण, हार को स्वीकार कर पुनः प्रयास करने की क्षमता और नेतृत्व सिखाते हैं। खेल मैदान लोकतंत्र की तरह हैं-यहां प्रदर्शन, अनुशासन और योग्यता ही निर्णायक होते हैं। आज देश में फिटनेस और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने की जरूरत इसलिए भी है क्योंकि आर्थिक विकास तभी सार्थक होगा जब उसकी ऊर्जा स्वस्थ मानव संसाधन में परिवर्तित हो। फिट भारत ही उत्पादक भारत और शक्तिशाली भारत का आधार बन सकता है।

खेलों की एक और बड़ी शक्ति है-वे सीमाओं के पार संवाद स्थापित करते हैं। मैदान में प्रतिद्वंद्वी देश आमने-सामने होते हैं, लेकिन खेल के बाद वही खिलाड़ी एक-दूसरे के अनुभव, संस्कृति और मानवीय भावनाओं को समझते हैं। ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं देशों के बीच संवाद और सद्भाव का माध्यम बनती हैं। भारत की खेल उपलब्धियां उसकी सॉफ्ट पावर को मजबूत करती हैं। जब भारतीय खिलाड़ी विश्व मंच पर तिरंगा फहराते हैं और राष्ट्रगान गूंजता है, तो करोड़ों भारतीयों में एक साथ गर्व और एकता की अनुभूति पैदा होती है। खेलों ने भारत को दुनिया के सामने एक युवा, आत्मविश्वासी और प्रतिभाशाली राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन उपलब्धियों के बावजूद भारत को खेल महाशक्ति बनने के लिए लंबा रास्ता तय करना है। गांव-गांव तक अच्छे मैदान, प्रशिक्षित कोच, खेल विज्ञान केंद्र, पोषण सुविधाएं और आधुनिक उपकरण पहुंचाने होंगे। खेलों को केवल कुछ लोकप्रिय खेलों तक सीमित रखने के बजाय ओलंपिक और पारंपरिक भारतीय खेलों की व्यापक श्रृंखला को बढ़ावा देना होगा। स्कूलों में खेल का समय बढ़ाना, प्रतिभाशाली बच्चों की प्रारंभिक उम्र में पहचान करना और उन्हें शिक्षा के साथ खेल का समान अवसर देना आवश्यक है। महिला खिलाड़ियों, दिव्यांग खिलाड़ियों और आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाओं के लिए विशेष अवसर और सुरक्षित वातावरण भी सुनिश्चित करना होगा। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन मानसिकता में होना चाहिए। खेल में हार असफलता नहीं, अगली जीत की तैयारी है। यह भावना यदि शिक्षा और जीवन में भी उतर जाए तो भारत की युवा शक्ति असाधारण परिणाम दे सकती है।

खेल केवल पदक नहीं देते, वे रोजगार और अर्थव्यवस्था भी बनाते हैं। स्टेडियम, खेल उपकरण, स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी, फिटनेस उद्योग, खेल प्रसारण, पर्यटन, कोचिंग, स्पोर्ट्स मेडिसिन और डेटा एनालिटिक्स जैसे अनेक क्षेत्रों में नए अवसर पैदा हो रहे हैं। भारत में खेल-आधारित स्टार्टअप और तकनीकी नवाचारों की संभावनाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। अर्थात खेलों में निवेश केवल खिलाड़ियों पर खर्च नहीं, बल्कि भविष्य की मानव पूंजी और नई अर्थव्यवस्था में निवेश है। इसलिये राष्ट्रीय खेल दिवस हमें एक महत्वपूर्ण संकल्प लेने का अवसर देता है-हर बच्चा खेले, हर युवा फिट रहे और हर प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर मिले। हमें ऐसी खेल संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें अभिभावक खेल को समय की बर्बादी न समझें, विद्यालय खेल को अतिरिक्त गतिविधि न मानें और समाज खिलाड़ी को केवल पदक जीतने के बाद सम्मान न दे।

2047 का विकसित भारत यदि दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होना चाहता है तो उसे खेलों में भी अग्रणी राष्ट्र बनना होगा। आर्थिक शक्ति और खेल शक्ति एक-दूसरे की पूरक हैं। जिस देश के युवा मैदान में लक्ष्य साधना सीखते हैं, वे जीवन में भी बड़े लक्ष्य हासिल करने की क्षमता रखते हैं। राष्ट्रीय खेल दिवस इसलिए केवल ध्यानचंद को श्रद्धांजलि का दिवस नहीं; यह भारत की युवा शक्ति को जगाने, खेल को जीवन का हिस्सा बनाने और विकसित भारत के निर्माण में खेलों को राष्ट्रीय अभियान बनाने का दिवस है। आज आवश्यकता है कि हम ध्यानचंद की खेल-प्रतिभा, नीरज की दृढ़ता, सिंधु के संघर्ष, मनु भाकर के आत्मविश्वास और हमारे हजारों उभरते खिलाड़ियों के सपनों को एक राष्ट्रीय संकल्प में बदलें। 2047 का भारत केवल आर्थिक रूप से समृद्ध न हो, बल्कि शरीर से स्वस्थ, मन से मजबूत, चरित्र से अनुशासित और खेल के मैदान में विश्वविजयी भारत बने-यही राष्ट्रीय खेल दिवस का सबसे सार्थक संदेश है।

विष्णु देव की सरकार में महिला सशक्तिकरण को नई उड़ान

तेजबहादुर सिंह भुवाल,सहायक जनसंपर्क अधिकारी

छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण अब केवल एक नारा नहीं, बल्कि महिलाओं के जीवन में दिखाई देने वाला बदलाव बन रहा है। विष्णु देव साय की सरकार महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा देने के साथ-साथ उन्हें रोजगार, तकनीक, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता से जोड़ने की दिशा में लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त जारी कर प्रदेश की महिलाओं को रक्षाबंधन के पूर्व राखी का विशेष उपहार दिया गया है। यह पहल महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ उस विश्वास को भी मजबूत करती है कि परिवार और समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

महतारी वंदन योजनाः आर्थिक संबल का आधार-महतारी वंदन योजना ने प्रदेश की पात्र महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा का एक नया आधार तैयार किया है। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाएं अपनी व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के साथ परिवार की आवश्यकताओं में भी योगदान दे पा रही हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर 31वीं किस्त का उपहार महिलाओं के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और महिला सशक्तिकरण के संकल्प को दर्शाता है। आर्थिक सहायता का यह क्रम महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें आर्थिक निर्णयों में अधिक सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

लखपति दीदीः कमाई के साथ बढ़ता आत्मविश्वास-राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में लखपति दीदी की योजना भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं कृषि, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, छोटे व्यवसाय और अन्य आयमूलक गतिविधियों के माध्यम से अपनी आमदनी बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। जब एक महिला अपने पैरों पर खड़ी होती है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और परिवार के आर्थिक निर्णयों में उसकी भागीदारी भी मजबूत होती है।

ड्रोन दीदीः आसमान छूते सपने-आज छत्तीसगढ़ की महिलाएं आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में भी कदम बढ़ा रही हैं। ड्रोन दीदी जैसी पहल ग्रामीण महिलाओं को नई तकनीक से जोड़ने और कृषि क्षेत्र में सेवाओं के माध्यम से आय के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण है, जो महिलाएं कभी खेतों में परंपरागत तरीके से काम करती थीं, वे अब तकनीक का प्रशिक्षण लेकर ड्रोन संचालन जैसी आधुनिक गतिविधियों से जुड़ रही हैं। यह बदलाव महिला सशक्तिकरण की बदलती तस्वीर को सामने लाता है। इन महिलाओं के देखकर अन्य महिलाएं भी प्रेरित होकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है।

ई-रिक्शा दीदीः रोजगार की नई राह-महिलाओं को पारंपरिक रोजगार से आगे बढ़ाकर नए क्षेत्रों में अवसर देने की दिशा में ई-रिक्शा दीदी जैसी पहल भी उल्लेखनीय है। ई-रिक्शा के माध्यम से महिलाएं परिवहन क्षेत्र में रोजगार का नया अवसर प्राप्त कर सकती हैं और अपनी आय का साधन विकसित कर सकती हैं। यह पहल महिला को केवल रोजगार नहीं देती, बल्कि उसे स्वतंत्रता, आत्मविश्वास और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी देती है।

स्व-सहायता समूहों से मजबूत हो रही महिलाओं की भागीदारी-महिला सशक्तिकरण की इस यात्रा में स्व-सहायता समूह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। समूहों के माध्यम से महिलाएं बचत, प्रशिक्षण, ऋण, उत्पादन और बाजार से जुड़कर आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ा रही हैं। आज महिला केवल किसी योजना की लाभार्थी नहीं, बल्कि परिवार की अर्थव्यवस्था, गांव की अर्थव्यवस्था और प्रदेश के विकास की सक्रिय भागीदार बनने की ओर बढ़ रही है।

सहायता से आत्मनिर्भरता तक-विष्णु देव साय सरकार की महिला-केंद्रित पहलों को एक साथ देखें तो इनका उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना दिखाई देता है।

महतारी वंदन योजना आर्थिक संबल देती है,
ड्रोन दीदी तकनीक से जोड़ती है,
लखपति दीदी आय बढ़ाने का अवसर देती है,
और ई-रिक्शा दीदी रोजगार की नई राह खोलती है।

इन पहलों से महिला सशक्तिकरण का एक व्यापक स्वरूप सामने आता हैकृजहां महिला सहायता प्राप्त करने वाली नहीं, बल्कि अपने परिवार और समाज के विकास की नेतृत्वकर्ता बन रही है। रक्षाबंधन के अवसर पर महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त का उपहार इसी विश्वास को और मजबूत करता है कि प्रदेश की आधी आबादी को मजबूत किए बिना छत्तीसगढ़ के समग्र विकास की कल्पना पूरी नहीं हो सकती।

महिला मजबूत होगी, परिवार मजबूत होगा। परिवार मजबूत होगा, तो छत्तीसगढ़ और मजबूत होगा।

महतारी सदनः गांवों में महिलाओं के लिए सशक्त मंच- प्रदेश में महिला सशक्तिकरण को गांव-गांव तक पहुंचाने की दिशा में महतारी सदन एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को एक ऐसा स्थान उपलब्ध कराना है, जहां वे एकजुट होकर अपने सामाजिक, आर्थिक और सामुदायिक विकास से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ा सकें। महतारी सदन महिलाओं के लिए केवल एक भवन नहीं, बल्कि संगठन, संवाद, प्रशिक्षण और आत्मनिर्भरता का केंद्र बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यहां महिलाएं स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों, प्रशिक्षण, आजीविका और विभिन्न योजनाओं से जुड़ी गतिविधियों को बेहतर तरीके से संचालित कर सकती हैं। इससे गांव की महिलाओं को अपने मुद्दों पर चर्चा करने, सामूहिक निर्णय लेने और आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए एक मजबूत मंच मिलता है। महतारी सदन में हॉल, किचन, स्टोर, कार्यालय कक्ष तथा दुकान संचालन के लिए पृथक स्थान सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। इस सदन में महिलाओं के प्रशिक्षण, बैठकों, उत्पादन, विपणन एवं विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के संचालन के लिए एक स्थायी और सुसज्जित स्थल के रूप में उपयोगी साबित होगा। महतारी सदन गांव की माताओं-बहनों के लिए केवल एक भवन नहीं, बल्कि उनके सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और आर्थिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र होगा। इसके माध्यम से महिलाओं को अपनी बैठकों, प्रशिक्षण, स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों तथा विभिन्न आर्थिक कार्यों के संचालन के लिए स्थायी, सुविधाजनक और बेहतर स्थान उपलब्ध हो रहा है। राज्य सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश में 481 महतारी सदनों की स्वीकृति दी गई है।

यही है विष्णु देव साय की सरकार में महिला सशक्तिकरण की नई तस्वीर-सुरक्षा से सम्मान, सहायता से स्वावलंबन और स्वावलंबन से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़।

राशिफल

मेष राशि-आज कामकाज के मोर्चे पर कुछ चुनौतियां सामने आ सकती हैं। ऑफिस में बॉस के साथ बहस करना आपके प्रमोशन या छवि पर असर डाल सकता है, इसलिए अपनी बात रखते समय शब्दों पर खास ध्यान दें। राजनीति से जुड़े लोगों को किसी बड़े नेता से मुलाकात का मौका मिल सकता है।

वृषभ राशि-आज आपको अपने जरूरी कामों पर पूरा ध्यान देना होगा, क्योंकि छोटी सी लापरवाही भी परेशानी बढ़ा सकती है। संतान को नौकरी के सिलसिले में दूर जाना पड़ सकता है, जिससे मन थोड़ा भावुक रहेगा। दोस्तों के साथ पार्टी या मिलना-जुलना हो सकता है और इससे मूड भी बेहतर होगा।

मिथुन राशि-आज दूसरों के मामलों में जरूरत से ज्यादा दखल देने से बचना ही आपके लिए बेहतर रहेगा। अपने फैसले खुद लें और हर छोटी बात के लिए दूसरों पर निर्भर न रहें। कारोबार में चल रहा उतार-चढ़ाव धीरे-धीरे कम होने लगेगा। पिताजी की ओर से कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसे गंभीरता से निभाना होगा।

कर्क राशि-आज का दिन थोड़ा उलझा हुआ रह सकता है। काम का दबाव बढ़ने से मन अशांत हो सकता है, लेकिन धैर्य और समझदारी से काम लेंगे तो स्थिति संभल जाएगी। संतान की पढ़ाई को लेकर चिंता हो सकती है। ऐसे में उनके शिक्षकों या मार्गदर्शकों से बातचीत करना फायदेमंद रहेगा। मां की सेहत को लेकर भी सतर्क रहने की जरूरत है।

सिंह राशि-आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आप खर्चों को नियंत्रित करने की कोशिश करेंगे और विदेश से जुड़े किसी काम में अच्छी खबर मिल सकती है। किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिलेगा, जहां नए लोगों से संपर्क बन सकता है। नौकरी में जो परेशानियां पिछले कुछ समय से चल रही थीं, उन्हें दूर करने की आपकी कोशिश सफल हो सकती है।

कन्या राशि-आज आर्थिक मामलों में राहत मिलने के मजबूत संकेत हैं। धन लाभ के साथ आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है और पैतृक संपत्ति से भी फायदा मिलने की संभावना है। भाई-बहनों का सहयोग आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। पुराने गिले-शिकवे छोड़कर रिश्तों को नई शुरुआत देना आपके लिए बेहतर रहेगा। हालांकि, किसी बात को लेकर मन में बेचैनी रह सकती है।

तुला राशि-आज आपका मन सेवा, परोपकार और धार्मिक कार्यों की ओर आकर्षित रहेगा। पूजा-पाठ या किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होने का मौका मिल सकता है, जिससे मन को शांति मिलेगी। घर में भी धार्मिक माहौल बन सकता है। हालांकि, वैवाहिक जीवन में किसी बात को लेकर थोड़ी खटास पैदा हो सकती है। इसे बहस बनाने के बजाय शांत बातचीत से सुलझाने की कोशिश करें।

वृश्चिक राशि-आज प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई बड़ा फैसला आपके सामने आ सकता है और नई संपत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं। बैंक से संबंधित कोई जरूरी काम भी पूरा हो सकता है। किसी रिश्तेदार से मुलाकात लंबे समय बाद खुशी देगी। इस बीच अपने कीमती सामान और जरूरी दस्तावेजों को संभालकर रखें।

धनु राशि-आज का दिन सकारात्मक रहेगा और आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आ सकते हैं। हालांकि, आसपास के लोगों को अच्छी तरह परखने के बाद ही किसी पर भरोसा करें। किसी काम को लेकर उलझन हो तो पिताजी की सलाह आपके लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है। यात्रा के दौरान कोई ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो आगे आपके काम आए।

मकर राशि-आज आय में बढ़ोतरी के संकेत हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। हालांकि, पुरानी गलतियों से सीखना जरूरी है, ताकि वही स्थिति दोबारा न बने। किसी को उधार देने से फिलहाल बचें। शेयर बाजार में निवेश से लाभ की संभावना है, लेकिन जोखिम समझकर ही कदम उठाएं। जीवनसाथी के साथ घूमने या कहीं बाहर समय बिताने का मौका मिलेगा, जिससे रिश्ते में नजदीकी बढ़ेगी।

कुंभ राशि-आज आपकी जरूरतें बढ़ने के साथ खर्च भी तेजी से बढ़ सकते हैं। इसलिए पहले से बजट बनाकर चलना आपके लिए बेहतर रहेगा। अगर आपने किसी को पैसा उधार दिया है तो उसकी वापसी में देरी हो सकती है, इसलिए फिलहाल उस रकम पर निर्भर रहने से बचें। अच्छी बात यह है कि आपकी समझदारी और रणनीति से विरोधियों की चाल नाकाम हो सकती है।

मीन राशि-आज आपको सबसे पहले अपनी सेहत को प्राथमिकता देनी चाहिए। कामकाज में सफलता मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और आय बढ़ाने के नए रास्तों पर विचार कर सकते हैं। बचत को मजबूत करने के लिए कोई नई योजना भी बना सकते हैं। संतान से किया हुआ वादा पूरा करना आपके लिए जरूरी होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में लापरवाही से बचना चाहिए, क्योंकि आज ध्यान भटकने से मेहनत प्रभावित हो सकती है। अनुशासन और फोकस बनाए रखेंगे तो अच्छे परिणाम मिलेंगे।

एक नजर

वन्यजीव शिकार पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

बचेली 29 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। वायरल इंस्टाग्राम रील के आधार पर साइबर सेल की मदद से आरोपियों की पहचान कर खुंटेपाल-श्यामगिरी क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया गया बचेली रेंजर डॉ. प्रीतेश कुमार पाण्डेय और दंतेवाड़ा रेंजर श्री चंद्रहास ठाकुर के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम ने तीन आरोपियों को हिरासत में लिया। आरोपियों पर इंडियन मॉनिटर लिजार्ड (गोय) का शिकार कर उसे खाने और वीडियो वायरल करने का आरोप है। उनके कब्जे से तीर-धनुष सहित अन्य हथियार जब्त किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने वन्यजीव की हत्या करना स्वीकार किया। वन विभाग ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 9, 39(1)(घ), 3(क), 3(ख), 3(ग), 48(क), 50, 51 एवं 52 के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

बोरततलाव और पानियाजोब के बीच रेलवे ट्रैक पर मिली अज्ञात व्यक्ति की लाश

डोंगरगढ़/बोरतलाव 29 अगस्त। 27अगस्त गुरुवार को बोरतलाव पनियाजोब के बीच रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात व्यक्ति की लाश मिली है। पुलिस से प्राप्त जानकारी में बताया गया कि गुरुवार को प्रातः लगभग 8 बजे अज्ञात युवक की लाश पाई गई है। जिसका कमर के नीचे एक भाग कटा पाया गया है और मृतक ने हरा सफेद रंग का टी- शर्ट लाइनिंग व नीले रंग का लोवर पहना हुआ है। पुलिस द्वारा अज्ञात लाश को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्यवाही कर मर्ग कायम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोंगरगढ़ के मर्चुरी में ले जाया गया। वहीं बोरतलाव पुलिस थाना द्वारा आम लोगो से अपील कि गई है, कि अज्ञात व्यक्ति की शिनाख्त हो तो थाना बोरतलाव के दूरभाष 94791 92126 सरकारी,70678 33890 थाना प्रभारी,96913 05710 एएस आई श्री सोनकर के नंबर पर संपर्क कर जनहित में जानकारी साझा कर सहयोग प्रदान कर सकते हैं। अज्ञात व्यक्ति शिनाख्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की

श्रीजगन्नाथ मंदिर में बहन सुभद्रा की ओर से भ्राता बलभद्र व श्रीजगन्नाथ को बांधी गयी राखी

जगदलपुर, 29 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। श्रीजगन्नाथ मंदिर में आज श्रावण शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर रक्षाबंधन का विधान रियासतकालीन परंपरानुसार श्रद्धा एवं भक्ति के साथ प्रातःकाल 6:55 बजे शुभ मुहूर्त में मंदिर के पुजारीगण द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना एवं वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ रक्षासूत्र अर्पित किया गया। इसके पश्चात भगवान को बालभोग अर्पित किया गया । श्रीजगन्नाथ मंदिर के पंडित सुभाशु पाढ़ी ने बताया कि इस पावन अवसर पर श्रीजगन्नाथ मंदिर के पुजारियों द्वारा परंपरानुसार बहन सुभद्रा की ओर से भ्राता बलभद्र एवं महाप्रभु श्रीजगन्नाथ स्वामी को रक्षासूत्र अर्पित कर रियासत कालीन परंपरा का निर्वहन किया गया। श्रीजगन्नाथ मंदिर के पंडित सुभाशु पाढ़ी ने बताया कि श्रीजगन्नाथ पुरी धाम में महाप्रभु को पवित्र 'खंडुआ' वस्त्र अर्पित करने और उन्हें कलावा (रक्षा सूत्र) के स्वरूप में तैयार करने की प्राचीन परंपरा है, जिसे विशेष अवसरों और पर्वों पर सेवादारों द्वारा निभाया जाता है। रक्षाबंधन या अन्य विशेष धार्मिक पर्वों पर महाप्रभु श्रीजगन्नाथ स्वामी को रेशमी और पारंपरिक बंधेज कला वाले पवित्र वस्त्रों से जुड़े रक्षा सूत्र अर्पित किए जाते हैं, जो अटूट आस्था और सुरक्षा का प्रतीक हैं। इन पवित्र वस्त्रों के धागों या अंशों को कलावा (रक्षा सूत्र) के रूप में भी अनुष्ठानिक तौर पर तैयार किया जाता है, जिसे महाप्रभु को समर्पित करने के बाद आशीर्वाद स्वरूप भक्तों को प्राप्त होता है।

रक्षा-सूत्र का प्रभाव सलाखों की सीमाओं से परे है, जो जीवन में नया सबेरा और सुधार की प्रेरणा देता है : हिमांशु गुप्ता

जगदलपुर, 29 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। केंद्रिय जेल जगदलपुर में सनातन मूल्यों और अटूट संबंधों के अनुपम संगम का रक्षाबंधन का पावन पर्व समारोह पूर्वक हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर जेल परिसरों में बहनों ने अपने निरुद्ध भाइयों की कलाई पर रक्षा-सूत्र बांधकर उनके स्वस्थ, सुरक्षित और सुखी जीवन की कामना की, वहीं बंदियों ने भी अपनी बहनों को सुरक्षा और सत्मार्ग पर चलने का वचन दिया।केंद्रिय जेल जगदलपुर में पारंपरिक रीति-रिवाज से बहनों का स्वागत तिलक, अक्षत और आरती के साथ किया गया। जेल प्रशासन द्वारा पूजा सामग्री एवं मिठाई की विशेष व्यवस्था की गई है। परिजनों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विशेष प्रतीक्षालय, पेयजल और सहायता काउंटर बनाए गए है। सनातन संस्कृति में रक्षाबंधन केवल सूत का धागा बांधने का पर्व नहीं, बल्कि यह 'रक्ष धर्म' का प्रतीक है, जो स्नेह, समर्पण और आत्मिक शुद्धि का संदेश देता है। यह पर्व याद दिलाता है कि कोई भी परिस्थिति मनुष्य के मूलभूत मानवीय मूल्यों और पारिवारिक संवेदनाओं को समाप्त नहीं कर सकती। जेलों में आज का यह दृश्य सनातन परंपरा की उस भावना को चरितार्थ कर रहा था, जहां अपराध बोध के स्थान पर पश्चाताप, भाईचारे और सुधार की अलख जागृत होती है। बंदियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन अत्यंत सहायक सिद्ध हो रहे हैं। डीजी जेल हिमांशु गुप्ता ने बताया कि छत्तीसगढ़ की 5 केंद्रीय, 22 जिला जेलों एवं 6 उप जेलों में आज रक्षाबंधन का त्यौहार असीम उत्साह, सद्भाव और सनातन परंपराओं के अनुरूप गरिमामय वातावरण में मनाया जा रहा है।

करोड़ों खर्च कर बनाया लोहा डोंगरी पार्क, अब झाड़ियों में खो रही पहचान

राजकुमार कोण्डागुरला

बीजापुर, 29 अगस्त। जिला मुख्यालय का एकमात्र लोहा डोंगरी पार्क कभी बच्चों की किलकारियों, परिवारों की चहल-पहल और सुकून भरे माहौल के लिए जाना जाता था। आदिवासी संस्कृति की झलक और मनोरंजन के उद्देश्य से विकसित किए गए इस पार्क पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन वर्तमान में यह प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार होकर बदहाली की ओर बढ़ रहा है। टूटी कुर्सियां, जर्जर खेल उपकरण, क्षतिग्रस्त मूर्तियां और चारों ओर उगी झाड़ियां पार्क की स्थिति बयां कर रही हैं।

आदिवासी संस्कृति की पहचान भी हो रही खत्म: पार्क में आदिवासी जीवन, संस्कृति और परंपराओं को दर्शाने के लिए मूर्तियां, पुतले और कलाकृतियां स्थापित की गई थीं। रखरखाव के अभाव में इनमें से कई क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। कुछ मूर्तियों की हालत इतनी खराब है कि उनकी मूल पहचान भी मुश्किल से नजर आती है। पार्क की यही विशेषता अब धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है।

बच्चों के खेल उपकरण और ओपन जिम बदहाल: बच्चों के मनोरंजन के लिए लगाए गए झूले और अन्य खेल उपकरण टूट चुके हैं। कई उपकरणों में जंग लग चुकी है, जबकि कुछ उपयोग के लायक नहीं बचे हैं। युवाओं और नागरिकों के लिए बनाया गया ओपन जिम भी बदहाल स्थिति में है। इसके चलते अभिभावक बच्चों को पार्क लाने से कतराने लगे हैं।

झाड़ियों के बीच सांप-बिच्छू का डर: पार्क में नियमित सफाई और रखरखाव नहीं होने से जगह-जगह घास व झाड़ियां उग आई हैं। इससे यहां सांप-बिच्छू जैसे जहरीले जीवों का खतरा बना रहता है। शाम के बाद स्थिति और भी खराब हो जाती है। बैठने के लिए बनाई गई कई व्यवस्थाएं भी टूट चुकी हैं।

प्रमुख प्रशासनिक कार्यालयों के सामने, फिर भी अनदेखी: लोहा डोंगरी पार्क एसपी कार्यालय और सर्किट हाउस जैसे प्रमुख प्रशासनिक परिसरों के सामने स्थित है। यहां अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का लगातार आना-जाना रहता है। इसके बावजूद पार्क की बदहाली पर ध्यान नहीं दिया जाना सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिला मुख्यालय के बीच स्थित पार्क की यह स्थिति है तो दूरस्थ क्षेत्रों की सार्वजनिक सुविधाओं की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है।

पूर्व सरकार में हुआ था भव्य उद्घाटन: पार्क का उद्घाटन तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में बड़े स्तर पर किया गया था। इसे बीजापुर के प्रमुख आकर्षण और मनोरंजन स्थल के रूप में विकसित करने की बात कही गई थी। अब इसकी बदहाल स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि सार्वजनिक संपत्ति का संबंध किसी सरकार या राजनीतिक दल से नहीं, बल्कि उसके निरंतर रखरखाव और जनहित से होना चाहिए।

कई बार खबरें, फिर भी नहीं सुधरे हालात ■ पार्क की बदहाली को लेकर समय-समय पर खबरें प्रकाशित होती रही हैं, लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। शाम होते ही पार्क में अंधेरा छा जाता है। कई लाइटें और पोल खराब पड़े हैं। राहगीरों को अब केवल इसकी बाउंड्रीवाल ही नजर आती है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से तत्काल पार्क का निरीक्षण कराने, झाड़ियों की सफाई, प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने, टूटे खेल उपकरणों और ओपन जिम की मरम्मत तथा क्षतिग्रस्त आदिवासी संस्कृति से जुड़ी मूर्तियों के संरक्षण की मांग की है। लोगों का कहना है कि यह केवल एक पार्क की बदहाली का मामला नहीं है, बल्कि जनता के पैसे से बनाई गई सार्वजनिक संपत्ति के संरक्षण का सवाल है। कभी बीजापुर की पहचान रहा लोहा डोंगरी पार्क अब अपनी पुरानी रौनक लौटने का इंतजार कर रहा है।

लौहनगरी की पहाड़ियों के बीच 48 परिवारों की बदहाल जिंदगी

10 वर्षों से बनते रहे आवास, अब पूर्ण होने के बाद भी खाली पड़े

■ **प्रशासनिक प्रक्रिया, सहयोग और जागरूकता के अभाव में खंडहर में तब्दील हो रही पुनर्वास कॉलोनी**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बचेली 29 अगस्त। लौहनगरी बचेली की लौह अयस्क से समृद्ध पहाड़ियों के बीच स्थित वार्ड क्रमांक 18 आकाशनगर -काठमांडू में रहने वाले 48 परिवार आज भी बदहाल परिस्थितियों में जीवन गुजारने को मजबूर हैं। टीन-टप्पर और अस्थायी सामग्री से बने मकानों में रह रहे इन परिवारों के सामने बारिश, गर्मी और अन्य मौसम में जीवन और भी कठिन हो जाता है।

दूसरी ओर, बचेली के ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में पिछले करीब 10 वर्षों से निर्माणाधीन पुनर्वास आवास अब पूर्ण हो चुके हैं। बावजूद इसके, इन आवासों में प्रभावित परिवारों को बसाने की प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो सकी है। लंबे समय से खाली पड़े मकानों की देखरेख के अभाव में पूरी कॉलोनी धीरे-धीरे खंडहर में तब्दील होती नजर आ रही है।

बचेली ट्रांसपोर्ट नगर कॉलोनी में मकान तैयार, परिवार अब भी टीन-टप्पर के नीचे कर रहा जीवन यापन: एक तरफपक्के मकान बनकर तैयार हैं, वहीं दूसरी तरफ काठमांडू कैंप के 48 परिवार आज भी अस्थायी मकानों में रहने को मजबूर हैं। रहवासियों का कहना है कि यदि पुनर्वास के मकान तैयार हैं, तो उन्हें वहां बसाने की प्रक्रिया में इतनी देरी क्यों हो रही है?

स्थानीय लोगों के अनुसार प्रशासनिक प्रक्रिया, आपसी सहयोग और पर्याप्त जागरूकता के अभाव में वर्षों से चली आ रही समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। समय पर पहल नहीं होने से लाखों-करोड़ों रुपये की लागत से तैयार आवासीय कॉलोनी के मकानों की स्थिति भी लगातार खराब होने की आशंका बनी हुई है।

अब प्रशासन ने कहा—आने वालों का स्वागत: विस्थापन और पुनर्वास के मुद्दे पर प्रशासन की ओर से अब यह बात सामने आई है कि काठमांडू कैंप के पात्र परिवार आने को तैयार हैं तो उनका स्वागत है। प्रशासन के इस रुख के बाद अब रहवासियों को उम्मीद जगी है कि वर्षों से लंबित पुनर्वास की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है।

लेकिन सवाल यह भी है कि यदि प्रशासन परिवारों को बसाने के लिए तैयार है, तो पिछले कई वर्षों से तैयार पड़े आवासों में अब तक परिवारों को क्यों नहीं बसाया गया ?

15 वर्षों से विस्थापन की राह देख रहें : काठमांडू और आकाशनगर के रहवासी करीब 15 वर्षों से विस्थापन और स्थायी पुनर्वास की उम्मीद लगाए बैठे हैं। चुनाव के समय यह मुद्दा राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों के लिए प्रमुख चुनावी वादों में शामिल रहता है। रहवासियों का आरोप है कि चुनाव समाप्त होते ही उनके विस्थापन के वादे भी पीछे छूट जाते हैं।

अब रहवासियों की मांग है कि प्रशासन तत्काल पात्र परिवारों का सर्वे कर सूची स्पष्ट करे, पुनर्वास प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से पूरा करे और तैयार आवासों में प्रभावित परिवारों को शीघ्र बसाया जाए। काठमांडू कैंप के 48 परिवारों के लिए यह केवल मकान का सवाल नहीं, बल्कि सम्मानजनक, सुरक्षित और स्थायी जीवन का सवाल है। वर्षों के इंतजार के बाद अब लोगों की नजर प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हुई है।

> ट्रांसपोर्ट नगर में निर्माणाधीन कॉलोनी बनकर अब पुर्ण रूप से तैयार हैं अब प्रशासन ने कहा आने वालों का स्वागत।
>
> अनुविभागीय अधिकारी बचेली
> राजीव खुजुर

राजगामी संपदा की अध्यक्ष से नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे ने की सौजन्य मुलाकात

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 29 अगस्त। धर्मनगरी डोंगरगढ़ में आयोजित होने वाले भव्य दही हांडी एवं गोविंदा उत्सव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे ने आज डोंगरगढ़ रेस्ट हाउस में राजगामी संपदा की अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा साहू से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने शहर में आयोजित होने वाले भव्य दही हांडी उत्सव में शामिल होने के लिए उन्हें सादर आमंत्रित किया।मुलाकात के दौरान श्रीमती मोना गोसाई, श्रीमती निर्मला सिन्हा, समाजसेवी जितेंद्र सिन्हा, श्रीमती लता महोबिया एवं श्रीमती संगीता शुक्ला भी उपस्थित रहीं। नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे ने दही हांडी उत्सव की तैयारियों, आयोजन की भव्यता तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि डोंगरगढ़ का दही हांडी एवं गोविंदा उत्सव धार्मिक आस्था के साथ-साथ शहर की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उल्लेखनीय है कि धर्मनगरी डोंगरगढ़ में दही हांडी उत्सव का आयोजन वर्षों से विशेष आकर्षण का केंद्र रहा है। स्थानीय स्तर पर इसे मुंबई और मथुरा के बाद देश के प्रमुख दही हांडी आयोजनों में शुमार किया जाता है। उत्सव के अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं दर्शक डोंगरगढ़ पहुंचते हैं। आयोजन की लोकप्रियता को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा इस अवसर पर विशेष अवकाश भी घोषित किया गया है।

गोविंदा उत्सव के दौरान हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ती है। इसे देखते हुए प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए जाते हैं। बड़ी संख्या में पुलिस जवानों की तैनाती के साथ यातायात व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाता है।नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे ने कहा कि दही हांडी उत्सव को सफल एवं व्यवस्थित बनाने के लिए सभी वर्गों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने शहरवासियों से उत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लेने तथा प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा एवं यातायात संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की।

इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष उमा महेश वर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष जसमीत सिंह बन्नोआना, पूर्व मंडल महामंत्री विनय बंसल, भाजपा कार्यकर्ता ललित शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बिलासपुर-येलहंका साप्ताहिक एक्सप्रेस का डोंगरगढ में स्टॉपेज

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 29 अगस्त। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन से लंबे समय के इंतजार के बाद बिलासपुर-येलहंका साप्ताहिक एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 18261) का परिचालन बुधवार, 26 अगस्त 2026 से शुरू हुआ। तेलंगाना और कर्नाटक की ओर सीधी रेल कनेक्टिविटी से डोंगरगढ़ वासियों को मिली। जो क्षेत्र की जनता के लिए बड़ी सौगात माना जा रहा है।

बताया जाता है कि ट्रेन का परिचालन 26 अगस्त से बिलासपुर से प्रारंभ हुआ और शाम को यह एक्सप्रेस डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन पहुँची, जहां से येलहंका के लिए रवाना हुई।

नए ट्रेन के स्वागत के लिए डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन पर जनप्रतिनिधियों की गैरमौजूदगी चर्चा का विषय बनी रही। वहीं स्थानीय स्तर पर सवाल उठाए जा रहे हैं कि केंद्र और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार होने के साथ ही नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़ में भी भाजपा का अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष होने के बावजूद नई ट्रेन के स्वागत के लिए कोई प्रमुख जनप्रतिनिधि अथवा बमलेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति के कोई प्रतिनिधि स्टेशन पर नजर नहीं आए, जिससे रेलवे सुरक्षा सलाहकार समिति के सदस्यों के ऊपर गैर मौजूदगी को लेकर कई प्रकार के सवाल खड़े किए जा रहे है। नई बिलासपुर-येलहंका साप्ताहिक एक्सप्रेस के डोंगरगढ़ में ठहराव से यात्रियों को दक्षिण भारत की ओर आवागमन में सुविधा मिलेगी। यह ट्रेन डोंगरगढ़ वासियों के लिए नई कनेक्टिविटी के साथ व्यापार, रोजगार, पर्यटन और आवागमन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। पूर्व पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष वीरेंद्र सोनी, उनके साथी राज अय्यर एवं उनकी धर्मपत्नी रेलवे स्टेशन पर मौजूद थे। उन्होंने ट्रेन के लोको पायलट से मुलाकात कर हाथ मिलाया, मिठाई खिलाकर बधाई दी और नई ट्रेन के सफल संचालन के लिए शुभकामनाएं दीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय के इंतजार के बाद डोंगरगढ़ को तेलंगाना और कर्नाटक की ओर सीधी रेल कनेक्टिविटी मिलना निश्चित रूप से महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसे बिना किसी बड़े आंदोलन या हो-हल्ले के मिली सौगात बताते हुए सांसद, रेल मंत्री और प्रधानमंत्री के प्रति आभार भी व्यक्त किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर, इस उपलब्धि के अवसर पर स्थानीय सत्ता पक्ष के किसी प्रमुख पदाधिकारी अथवा जनप्रतिनिधि के स्टेशन पर उपस्थित नहीं होने को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। लोगों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि जब क्षेत्र को नई रेल सुविधा मिली है तो इसके स्वागत समारोह में जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति क्यों नहीं रही? एक ओर नई ट्रेन की खुशी, दूसरी ओर स्वागत समारोह में जनप्रतिनिधियों की गैरमौजूदगी से धर्मनगरी डोंगरगढ में बुधवार को खास चर्चा का विषय बना रहा।

आत्मसमर्पित नक्सलियों ने पहली बार जवानों को राखी बांधकर मनाया रक्षाबंधन पर्व

कांकेर, 29 अगस्त । जिले के भानुप्रतापपुर क्षेत्र के ग्राम चौगेल (मुल्ला) स्थित पुनर्वास केंद्र में आज आत्मसमर्पित नक्सलियों ने डीआरजी के जवानों को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। यह दृश्य संघर्ष से शांति, हिंसा से मुख्यधारा और हथियार से हुनर की ओर बढ़ते बदलाव की भावुक तस्वीर बन गया। कभी जंगलों में बंदूक के साथ आमने-सामने रहने वाले हाथ आज भाईचारे और विश्वास के धागे से जुड़ गए हैं। बंदूक से राखी तक का यह सफर, शांति और पुनर्वास की नई कहा

उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण के बाद अब ऐसा महसूस हो रहा है कि वे वास्तव में समाज की मुख्यधारा में लौट आई हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नक्सल पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर उन्होंने आत्मसमर्पण का निर्णय लिया। पुनर्वास केंद्र में उन्हें सिलाई, काष्ठ शिल्प कला और राखी निर्माण सहित विभिन्न कौशलों

डोंगरगढ़ में छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला सशक्तिकरण संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक संपन्न

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 29 अगस्त। छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला सशक्तिकरण संघ के तत्वावधान में 23 अगस्त 2026, रविवार को डोंगरगढ़ में प्रदेश स्तरीय बैठक एवं विविध सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 9 बजे अछोली स्थित संघ की प्रदेश अध्यक्ष आयु पद्मा मेश्राम के निवास पर भदंत डॉ. चन्द्रकीर्ति जी द्वारा परित्तदेशना से हुई। इसके पश्चात भंतेजी, श्रामणेर संघ तथा उपासक-उपासिकाओं के लिए भोजन दान की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम की अगली कड़ी में बछेरा भाटा स्थित वृद्धाश्रम पहुंचकर वृद्धजनों को फल दान किया गया। इसके बाद डॉ. आंबेडकर ट्राइबल रेसिडेंशियल शाला में वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की जयंती मनाई गई। जयंती समारोह में प्रदेश अध्यक्ष आयु पद्मा मेश्राम द्वारा भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन कराया गया, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने सहभागिता की। इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण संघ की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आयु प्रज्ञा बौद्ध ने वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी के जीवन, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष भदंत डॉ. चन्द्रकीर्ति जी ने वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी के जीवन से जुड़ी विभिन्न घटनाओं एवं उनके साहस और संघर्ष की जानकारी विद्यार्थियों को दी। कार्यक्रम के दौरान शाला के विद्यार्थियों को कॉपी एवं पेन का वितरण भी किया गया। इससे विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का संचालन प्रीतिमा गेडाम ने किया, जबकि प्रदेश अध्यक्ष आयु पद्मा मेश्राम ने सभी उपस्थितजनों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की सफलता में नलिनी मेश्राम एवं एस.जी. मेश्राम के विशेष सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम में भदंत डॉ. चन्द्रकीर्ति जी, प्रज्ञा बौद्ध, पद्मा मेश्राम, एस.जी. मेश्राम, चन्द्रशीला बाम्बेश्वर, शशि माहेश्वरी, प्रीतिमा गेडाम, शोभा मेश्राम, पुष्पलता भोइर, बुद्धमित्रा वासनिक, हर्षिका गजभिए, माधुरी मेश्राम, ज्योत्स्ना मेश्राम, नीता रामटेके, रत्ना मेश्राम, सीमा रामटेके सहित संघ की पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहीं। इसके साथ ही भंते अनीत्यबोधी, भंते उप्पली, भंते चक्रमणि, भंते संघकीर्ति, भंते महानाम, भंते गुणाकीर्ति, भंते कोडंय, भंते राज रत्न, भंते प्रियबोधि तथा श्रामणेर धम्मकीर्ति सहित भंते संघ की उपस्थिति रही। सीमा सहारे, अनिल सहारे, प्रजेस सहारे, शेंडे आई, सुनीता सिंह, मेघा सहारे, राम, काजोल मेश्राम, ममता भोयर, ज्योति बाम्बोर्डे, सत्येन्द्र बाम्बोर्डे, आयुष मेश्राम, प्रियांश, पार्थिवी सहित शाला के समस्त विद्यार्थी एवं उपासक-उपासिकाएं भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक सेवा, महिला सशक्तिकरण, संविधान जागरूकता तथा विद्यार्थियों में महापुरुषों एवं वीरांगनाओं के जीवन-संघर्ष की जानकारी पहुंचाने का संदेश दिया गया।

पंचायतों की सक्रिय भागीदारी से सशक्त ग्राम और समृद्ध ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिशा में वीबी जी राम जी एक महत्वपूर्ण कदम

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 29 अगस्त। विकसित भारतङ्करोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 (वीबी जी राम जी) के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में आज जिला कार्यालय बीजापुर के इन्द्रावती सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देना तथा पंचायतों की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाना रहा।

कार्यशाला कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक, बीजापुर विश्वदीप की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा ने सभी पंचायत प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला को पंचायतों के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष पेरे पुलैया, सदस्य शंकरैया माड़वी, जनपद पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्यों एवं सरपंचों का अभिनंदन जिला पंचायत सीईओ के द्वारा किया। कलेक्टर विश्वदीप ने कहा कि विकसित भारतङ्कजी राम जी योजना पंचायतों की सक्रिय भागीदारी से गांवों को सशक्त बनाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से अधिनियम के प्रावधानों को समझते हुए स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

कार्यशाला में वीबी जी राम जी अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आजीविका के अवसरों के विस्तार, ग्राम पंचायत स्तर पर योजना के प्रभावी संचालन तथा अधिनियम के क्रियान्वयन में पंचायत प्रतिनिधियों की जिम्मेदारियों एवं भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला में पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा योजना के क्रियान्वयन से संबंधित विषयों पर जानकारी प्राप्त की गई तथा ग्रामीणों को अधिक प्रभावी ढंग से रोजगार एवं आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के लिए समन्वित प्रयासों पर जोर दिया गया। कार्यशाला का उद्देश्य पंचायतों को सशक्त बनाकर योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना रहा।

एक नजर

आंगनबाड़ी में रक्षा बंधन मनाया गया

दल्लीराजहरा । आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 47रेल्वे क्वार्टर में रक्षा बंधन का त्यौहार मनाया गया आंगनबाड़ी के नन्हे मुन्ने बच्चों ने तिलक लगाकर राखी बांधी एवं लड्डू मिठाई खिलाकर आपस में खुशियां बांटी इस कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के भाग्य लक्ष्मी सोनी सहायिका पूर्णिमा रामटेके एवं महिला स्व सहायता समूह की महिला सदस्य खोरबाहरिन बाई साहू, अन्नपूर्णा सोनकर, उर्वशी देशलहरे, दीपा मंडावी उपस्थित थे।

ग्रामीण अंचलों में अवैध शराब की बिक्री जोरों पर, आबकारी विभाग मौन

तिल्दा नेवरा, 29 अगस्त। गांव में अवैध रूप से शराब की बिक्री हो रही है। हर गली-मोहल्ले में आसानी से शराब उपलब्ध हो जाने की वजह से अपराध बढ़ने लगे हैं। युवा वर्ग से लेकर स्कूली बच्चे तक नशे के आदी हो चले हैं। बिगड़ते माहौल से सबसे ज्यादा महिलाएं परेशान हैं।

तिल्दा नेवरा मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में अवैध शराब का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। जिसमे खास तौरपर युवा वर्ग शराब एवं अन्य नशीली वस्तुओं के मकड़जाल में फंसता जा रहा है। गांव गांव में आसानी से अवैध रूप से शराब बिकने से गांव के पुरे युवा वर्ग इसके चपेट में आ रहे है।अवैध शराब बिक्री को लेकर आसपास के कई ग्रामीणों द्वारा थाने में कई बार शि कायत करने के बावजूद भी पुलिस प्रशासन इस ओर ध्यान न देना समझ के परे है। ग्रामीणों की शिकायत के बाद पुलिस प्रशासन द्वारा एक दो दिन कार्यवाही की जाती है। जिसके बाद जस की तस वैसे ही खुलेआम शराब बिकना शुरू हो जाता है। तिल्दा नेवरा नगर के आस पास के लगभग सभी गावों में अवैध शराब का कारोबार खुलेआम चल रहा है। फिर भी आबकारी विभाग अफसर अवैध बिक्री पर अंकुश नहीं लगा पा रहे हैं।शराब कोचियों के खिलाफ आबकारी विभाग कार्रवाई नहीं कर रही है। जिसके चलते अवैध शराब विक्रेता खुलेआम अवैध शराब बेच रहे हैं।

स्मार्ट मीटर एवं बिजली बिल बढ़ोतरी के विरोध में कांग्रेस का डोर-टू-डोर संपर्क जारी

जगदलपुर, 28 अगस्त। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष के नेतृत्व में स्मार्ट मीटर लगाए जाने और बिजली बिल में बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस का अभियान के तहत आज गुरुवार को कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आड़ावाल क्षेत्र में घर-घर और प्रतिष्ठानों में पहुंचकर बिजली उपभोक्ताओं से संवाद किया। इस दौरान उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनी गईं और उनकी आपत्तियां दर्ज करते हुए स्मार्ट मीटर विरोधी आवेदन भरवाए गए। अभियान के दौरान कई उपभोक्ताओं ने बिजली बिल बढ़ने और स्मार्ट मीटर लगाए जाने को लेकर अपनी चिंताएं कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सामने रखीं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों और आपत्तियों को एकत्र कर सरकार के समक्ष रखा जाएगा।इस दौरान पूर्व विधायक रेखचंद जैन ने कहा कि कांग्रेस बिजली उपभोक्ताओं के हित में सरकार से लगातार मांग कर रही है। उन्होंने बिजली बिल में की गई बढ़ोतरी वापस लेने, स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक लगाने और 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना को फिर से बहाल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बढ़े हुए बिजली बिल का असर गरीब, मध्यमवर्गीय और सामान्य परिवारों के घरेलू बजट पर पड़ रहा है।शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि स्मार्ट मीटर और बढ़े हुए बिजली बिल को लेकर आम उपभोक्ताओं में असंतोष है। कांग्रेस कार्यकर्ता केवल प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि घर-घर जाकर लोगों की वास्तविक समस्याएं समझेंगे और उनकी आवाज सरकार तक पहुंचाएंगे।

अतिक्रमण करने वाले 13 आरोपित गिरफ्तार भेजे गए जेल

जगदलपुर, 29 अगस्त। वन विभाग द्वारा वनों के संरक्षण एवं अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु सघन अभियान चलाया जा रहा है। जारी अभियान के तहत मुख्य वन संरक्षक जगदलपुर वृत्त, सुश्री स्टायलो मंडावी के मार्गदर्शन एवं वनमण्डल अधिकारी बस्तर, दीपेश कपिल के निर्देशानुसार माचकोट परिक्षेत्र में वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण और पेड़ों की गर्डलिंग करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की गई है। वन विभाग की टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 13 आरोपियों के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया एवं आवश्यक वैधानिक औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत सक्षम न्यायालय के आदेश से सभी आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षण में केंद्रीय जेल, जगदलपुर दाखिल कराया गया है। उप वनमण्डलाधिकारी जगदलपुर, योगेश रात्रे के सतत निगरानी एवं नेतृत्व में परिक्षेत्र अधिकारी माचकोट प्रकाश देहारी तथा उनकी पूरी वन अमला टीम द्वारा क्षेत्र में निरंतर गश्त की जा रही थी। गश्त के दौरान माचकोट परिक्षेत्र अंतर्गत उप-परिक्षेत्र पूलचा के ग्राम गुरु गोठान (गोरो-गोठान) के आस-पास वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण करने और वृक्षों को गर्डलिंग(तने को छिल कर वृक्ष को मारना) करने के मामले में संलिप्त 13 आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ा गया। वन विभाग की टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी 13 आरोपियों के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया एवं आवश्यक वैधानिक औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत सक्षम न्यायालय के आदेश से सभी आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षण में केंद्रीय जेल, जगदलपुर दाखिल कराया गया है। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन संपदा को नुकसान पहुंचाने, अवैध कटाई अथवा वन भूमि पर अतिक्रमण करने वाले किसी भी असामाजिक तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा और आगे भी ऐसे मामलों में शून्य सहनशीलता की नीति के तहत कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

एनएच 63 पर बने मोदकपाल ब्रिज का मोड़ हजारों राहगीरों के लिए खतरा, वर्षों से पेड़ों को हटाकर मोड़ सीधा करने में वन अनुमति रोड़ा

बीते 3 साल में सैकड़ों सड़क हादसें, फिर पलटा ट्रक, चालक घायल

राजकुमार कोण्डागुरला

बीजापुर 29 अगस्त। राष्ट्रीय राजमार्ग 63 छत्तीसगढ़ को आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र जैसे महत्वपूर्ण राज्यों से जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है। वहीं मोदकपाल स्थित चिंतावागु नदी पुलिया के सामने का मोड़ अब आये दिन राहगीरों के लिए खतरों का सबब बना हुआ है। यह मोड़ लगातार सड़क दुर्घटनाओं को दावत दे रहा है। आए दिन यहां छोटे-बड़े वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं और कई हादसों में वाहन चालकों की जान तक जा चुकी है। इसके बावजूद सड़क को सुरक्षित बनाने के लिए अब तक कोई ठोस और प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है।

बीती रात भी इसी जानलेवा मोड़ पर एक मालवाहक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वाहन मालिक ने भी चालक के गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी दी है। इस दुर्घटना ने एक बार फिर मोदकपाल चिंतावागु पुलिया के पास बने खतरनाक मोड़ और सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।स्थानीय लोगों और राहगीरों का कहना है कि चिंतावागु पुलिया के पास सड़क का यह मोड़ बेहद खतरनाक है। विशेषकर भारी वाहनों, दुपहिया वाहन चालकों और रात के समय यात्रा करने वाले लोगों के लिए यहां जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। तेज रफ्तार या भारी वाहन अक्सर मोड़ पर नियंत्रण खो देते हैं, जिससे जान-माल के नुकसान की आशंका बनी रहती है।

आखिर 5-6 अनुपयोगी पेड़ों के लिए कितनी और जानें जाएंगी?जानकारी के अनुसार, इस खतरनाक मोड़ को अपेक्षाकृत सीधा और सुरक्षित बनाने के रास्ते में सड़क किनारे खड़े करीब 5 से 6 बड़े पेड़ एवं कुछ छोटे अनुपयोगी सागौन के पेड़ बाधा बने हुए हैं। इन्हें हटाने और सड़क के इस हिस्से का तकनीकी सुधार करने के लिए वन अनुमति का मामला लगभग 3-4 वर्षों से अटका हुआ है। आरोप है कि इन पेड़ों को बचाने के लिए इंद्रावती टाइगर रिजर्व का अमला एड़ी-चोटी का जोर लगा रहा है, लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रतिदिन यात्रा करने वाले हजारों लोगों की सुरक्षा को लेकर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है।विडंबना यह है कि राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण और चौड़ीकरण के दौरान केशकाल, कोंडागांव, जगदलपुर, गीदम, बीजापुर से लेकर भोपालपटनम तक लाखों पेड़ काटकर सड़क निर्माण किया गया था। सड़क के दोनों ओर कई स्थानों पर सागौन सहित अन्य प्रजातियों के पेड़ों को हटाया गया, लेकिन मोदकपाल चिंतावागु पुलिया के पास महज 5 से 6 पेड़ों के कारण सड़क को सुरक्षित बनाने का काम अटका हुआ है। सुरक्षा के नाम पर केवल ब्रेकर्स, पर्याप्त सूचना बोर्ड भी नहीं मोदकपाल स्थित ब्रिज के किनारे केवल ब्रेकर्स बनाए गए है। कोई वाहन चालक गाड़ी लेकर आने पर उसे आगे का अचानक आने वाली मोड़ का अंदेशा नहीं होने पर बैलेंस बिगड़ कर गिर जाते हैं या बड़ी गाड़ियां पलट जाती है। सुरक्षा के नाम पर पर्याप्त सूचना बोर्ड तक नहीं लगाए गए हैं। जिससे कारण भी यहाँ लगातार हादसें हो रहे हैं।

पहले भी हो चुकी हैं दुर्घटनाएं, फिर भी नहीं चेता प्रशासन

स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मोड़ पर पूर्व में भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। कई वाहन चालक हादसों का शिकार हो चुके हैं और कुछ लोगों ने अपनी जान तक गंवाई है। इसके बावजूद जिला प्रशासन, राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग और वन विभाग की ओर से अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया।

स्थायी समाधान जरूरी, बड़ी दुर्घटना का इंतजार क्यों?

विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि मोड़ को तकनीकी रूप से सुधारकर अपेक्षाकृत सीधा किया जाए तो यहां दुर्घटनाओं की संभावना पूरी तरह समाप्त हो सकती है। इसके लिए जरूरी पेड़ों को नियमानुसार हटाकर अथवा वैकल्पिक तकनीकी व्यवस्था अपनाकर सड़क को सुरक्षित बनाया जा सकता है।

रक्षाबंधन पर पुरोबी वर्मा ने कहा-समाज की हर बेटी बहन है

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा, 29 अगस्त। सर्व समाज समरसता समिति अध्यक्ष पुरोबी वर्मा ने कहा भारतीय संस्कृति में जब सुख, समृद्धि और आदर्श राज्य की कल्पना की जाती है, तब हर किसी के मन में एक ही नाम आता है - राम राज्य। राम राज्य की कल्पना कोई आसान बात नहीं है। राम का नाम लेते ही मन में एक ऐसे चित्र का उदय होता है, जहां शांत वातावरण हो, समृद्ध और सुखमय जीवन हो, लोग एक-दूसरे के प्रति सम्मान और आदर की भावना रखते हों।

भाई-बहन के बीच निस्वार्थ प्रेम का त्योहार रक्षाबंधन कई मान्यताओं और परंपराओं के साथ हमारा देश मनाने जा रहा है। रक्षाबंधन मात्र एक रेशम का धागा नहीं है, यह एक ऐसी डोर है, जिसमें कोई बंध जाता है तो उसके प्रति मन में श्रद्धा, प्रेम और उसकी रक्षा करने का एक अटूट बंधन बन जाता है।सिर्फ एक मां की कोख से जन्म लेने वाले, चाचा, मौसी या खून के रिश्ते ही नहीं, ऐसे कई अनजान रिश्ते भी राखी के बंधन में बंधे हैं, जो जन्म से मरण तक इस रक्षा सूत्र को निभाते आए हैं। हमारी भारतीय संस्कृति में कई ऐसे शूरवीर हुए हैं, जिन्होंने इस रक्षा सूत्र की मर्यादा को बनाए रखा है। हमारे धार्मिक ग्रंथ महाभारत में जब भगवान श्रीकृष्ण की उंगली कट गई थी, तब महारानी द्रौपदी ने अपनी साड़ी फाड़ कर उनके हाथों में बांध दी थी, जिसका ऋण भगवान श्रीकृष्ण ने द्रौपदी के विकट समय में चीर हरण से बचाकर चुकाया था। यही इस पवित्र धागे की शक्ति है।

आज रिश्तों में क्यों आ रही है दूरी

आज की वर्तमान स्थिति बहुत विकट हो गई है। हममें एक-दूसरे के प्रति असहिष्णुता की भावनाएं पैदा हो रही हैं। भाई और बहन के बीच का प्रेम भी एक दिखावा बनकर रह गया है। मां और पिता के न रहने पर बहन के लिए भाई का घर ही मायका हुआ करता था, आज वही भाई का घर बहन के लिए अनजान और पराया होता जा रहा है। संपत्ति और स्वार्थ की दीवारें रेशम की इस डोर से ज्यादा मजबूत होती जा रही हैं।हमें अपनी संस्कृति, अपनी परंपरा को बचाए रखने के लिए फिर से उसी युग में लौटना होगा, तभी हम राम राज्य की कल्पना को साकार कर सकते हैं। भाई-बहन के प्रेम और सद्भावना का यह पर्व कई मायने में भारतीय संस्कृति के लिए महत्व रखता है। यह विश्वास का त्योहार है। एक बात विशेष तौर पर हमें वर्तमान दौर में सोचना होगा - क्या हम एक ही मां के पेट से जन्म लेने वाले लड़के और लड़की ही इस रक्षाबंधन के पवित्र सूत्र में बंधते हैं? क्या एक खून से उत्पन्न व्यक्ति ही इस सूत्र का हकदार है?यदि संसार वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को लेकर चल रहा है, तो क्या किसी पुरुष के लिए अन्य कोई भी महिला या लड़की बहन नहीं हो सकती? यदि हम भारतीय परंपरा और संस्कृति को लेकर चलते हैं तो यदि हर पुरुष अपनी बहन के साथ-साथ बहन की उम्र की अन्य सभी लड़कियों को भी बहन की दृष्टि से देखे और बहन मानकर उनकी रक्षा करे, तो वर्तमान युग में महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रही घृणित घटनाओं पर कुछ हद तक लगाम लगाया जा सकता है।

भाइयों से विनम्र निवेदनइसके लिए पुरुष वर्ग को जिस तरह की अभद्र टिप्पणी और व्यवहार लेकर वह घर से बाहर निकलता है, उसे रोकना होगा। उन्हें मन में यह बैठाना होगा कि संसार में सिर्फ मेरी ही बहन नहीं है, और भी भाइयों की बहन मेरी बहन की तरह है। जिस तरह मैं अपनी बहन के प्रति की जा रही अभद्र व्यवहार और टिप्पणी को बर्दाश्त नहीं कर सकता, उसी तरह दूसरी बहनों के प्रति भी मेरे मन में श्रद्धा और सद्भावना लानी होगी।साथ ही बहनों को भी मर्यादा में रहकर भाइयों के प्रति श्रद्धा और आदर की भावना लानी होगी, तो मैं मानती हूं कि रक्षाबंधन का यह पावन पर्व सार्थक होगा। सार्थकता लाने के लिए हमारे मन में विश्वास और श्रद्धा लानी होगी। तभी हम राम राज्य की कल्पना को साकार कर सकते हैं।

इस रक्षाबंधन पर एक वचन लें

इस वर्ष के रक्षाबंधन पर मैं सभी बहनों से अपील करती हूं कि रक्षा सूत्र भाइयों को बांधने से पहले यह वचन भी उनसे लें कि - ÷अपनी बहन की तरह अन्य भाइयों की बहन को भी मैं बहन की नजर से देखूंगा और उसकी रक्षा करूंगा।

माओवाद के अंधेरे से निकलकर उजाले के साथ मनाया रक्षाबंधन

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 29 अगस्त। कभी हिंसा, भय और अनिश्चितता के साये में जीवन जीने वाले पुनर्वासित युवाओं के लिए इस बार का रक्षाबंधन एक नई जिंदगी के आगाज का उत्सव बन गया। पुनर्वास केंद्र बीजापुर में माओवाद का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ चुके पुनर्वासित भाई-बहनों ने उत्साह, आत्मीयता और उमंग के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। पुनर्वासित बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर प्रेम, विश्वास और सुरक्षा का संदेश दिया।

यह रक्षाबंधन उनके लिए केवल एक पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि भय से मुक्ति, आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने और बेहतर भविष्य की ओर बढ़ने का प्रतीक बनकर सामने आया। खासकर उन युवाओं के लिए यह पहला रक्षाबंधन विशेष रहा, जिन्होंने माओवाद का रास्ता छोड़कर लोकतंत्र, शांति और विकास की मुख्यधारा को अपनाया है।

नई जिंदगी में पहला रक्षाबंधन बना यादगार

पुनर्वास केंद्र में आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम के दौरान वातावरण भावनाओं और उत्साह से सराबोर रहा। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी, तिलक लगाया और मिठाई खिलाकर उनके सुखद एवं सुरक्षित भविष्य की कामना की। भाइयों ने भी बहनों की रक्षा, सम्मान और हर परिस्थिति में साथ देने का संकल्प लिया।कई पुनर्वासित युवाओं के लिए यह पहला ऐसा रक्षाबंधन था, जिसे उन्होंने डर और हिंसा से दूर, आत्मसम्मान और स्वतंत्रता के वातावरण में मनाया। उनके चेहरों पर दिखाई दे रही खुशी इस बदलाव की गवाही दे रही थी।

ग्रामीणों ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव से की शिकायत एनओसी निरस्त कर जमीन वापस दिलाने की मांग

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा,29 अगस्त। बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र के सिमगा ब्लॉक के ग्राम नेवधा में चारागाह के लिए सुरक्षित करीब 27 एकड़ भूमि को उद्योग एवं विद्युत विभाग को दिए जाने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने गांव के पूर्व सरपंच और सचिव पर बिना ग्राम सभा के प्रस्ताव के एनओसी जारी कराने का आरोप लगाया है।

ग्रामीणों के अनुसार गांव की शासकीय भूमि खसरा नंबर 326/01 को तालाब निर्माण, खेल मैदान, पशुओं के शवों के निपटारे तथा चारागाह के लिए सुरक्षित रखा गया था। आरोप है कि पूर्व सरपंच और सचिव ने ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित कराए बिना पटवारी के साथ मिलकर जमीन का नक्शा तैयार कराया और खसरा नंबर 326/30, 326/31 एवं 326/32 के संबंध में एनओसी जारी कर दी।ग्रामीणों का कहना है कि उक्त भूमि गांव के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे किसी भी स्थिति में उद्योग अथवा विद्युत विभाग को नहीं दिया जाना चाहिए। वर्तमान सरपंच और पंचों ने भी जमीन को सुरक्षित रखने की बात कही है।मामले को लेकर रायपुर जिला पंचायत सभापति एवं भाजपा नेत्री शैल महेंद्र साहू के नेतृत्व में सिमगा ब्लॉक के जनपद सदस्य अंजू बबलू पटेल, ग्राम सरपंच धुलेंद्र साहू, उपसरपंच दिनेश निषाद, जयसिंह वर्मा सहित पंच प्रेमलता वर्मा, दिलीप वर्मा, राजेश वर्मा और एकांत साहू ने रायपुर में उपमुख्यमंत्री अरुण साव से मुलाकात की।प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री को पूरे मामले से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा और ग्रामीणों की सहमति एवं ग्राम सभा के प्रस्ताव के बिना जारी किए गए एनओसी को निरस्त कर जमीन गांव को वापस दिलाने की मांग की।उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि मामले की जांच कराई जाएगी। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यादव ठेठवार समाज में बज गया चुनावी बिगुल

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा, 29 अगस्त। रायपुर दिनाक 26/08/2026दिन बुधवार को यादव ठेठवार समाज राजिम महासभा की बैठक जिला गरियाबंद महासभा मुख्यालय राजिम मे रखा गया था समस्त छत्तीसगढ़ उपमहासभा,राज जिला,पार,नगर इकाई व समस्त पदाधिकारी गण के सर्वसम्मति से चुनाव निर्वाचन अधिकारी नियुक्ति की गई राजिम महासभा की कार्यकाल समाप्त हो रहा है चुनाव तीन प्रमुख पदो के लिए होगा।

अध्यक्ष,महासचिव कोषाध्यक्ष आज की बैठक अंतिम कार्यकारिणी बैठक था सरकार द्वारा देय नवनिर्मित भवन परिसर का लोकार्पण करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी लूलचंद यदु खल्लारी राज, सहायक निर्वाचन अधिकारी,गजानंद यदु, रायपुर राज, सोमकांत यादव कौड़िया राज,कन्हैया यदु छुरा राज नरेश यादव राजिम राज , ने चुनावी तिथि व नियमों,अधिकारो की जानकारी सयुक्त रूप से दियेमतदाता सूची समस्त राज ,पार,नगर इकाई जिला,उपमहासभा अपने अपने परिक्षेत्रों की लेटर पेड़ से मतदाता की पद नाम व मोबाइल नम्बर सहित सूचीराजिम महासभा चुनाव अधिकारियो के पास अंतिम तिथि 06/09/2026 रविवार तक मोबाइल के माध्यम से भेजेंगेमतदाता सूची प्रकाशन के पश्चात दावा आपत्ति मंगाया जाएगा,ततपश्चात अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। जिसकी तिथि बाद में घोषित की जायेगी। सूची के आधार पर एक पदाधिकारी एक हि मत डालने का अधिकार होगा। नामांकन व वापसी दिनाक 20 /09/2026 रविवार मतदान 02/10/2026 शुकवार को होगा और इसी दिन प्रत्याशी की रिजल्ट भी घोषणा कर दिया जायेगा ।इस बार जो भी परिक्षेत्र से प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे वह अपने राज व पार परिक्षेत्र से लेटर पेड़ पर अपनी सदस्यता का जानकारी नामांकन के समय उपलब्ध कराएंगे ।तभी मान्य होगा मत का अधिकार उपमहासभा,5 राज,5,जिला,5 पार,3 नगर इकाई ,5 प्रांतीय महिला प्रकोष्ठ व युवा प्रकोष्ठ,3-3 मतयह चुनाव राजिम महासभा नियमावली के नियमानुसार भाग,1 पृष्ठ क्रमांक,38 के अनुसार सम्पन हो रहा है। अतः समस्त छत्तीसगढ़ प्रदेश ठेठवार यादव समाज के पदाधिकारियों एवं सामाजिक बंधुओं से सादर निवेदन है कि अपने अपने राज,पार से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर चुनाव को सफल बनाएं।

आयरन ओर चोरी मामले में सियासत गरम, मलकीत ने उठाए पुलिस कार्रवाई पर सवाल

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 29 अगस्त। नगरनार स्टील प्लांट के लिए भेजे गए 31.5 टन आयरन ओर को कथित तौर पर रास्ते में निजी यार्ड में उतारे जाने के मामले में सियासत गरमा गई है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के महामंत्री (संगठन एवं प्रशासन) मलकीत सिंह गैदु ने मामले में पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि एफआईआर को केवल दो लोगों तक सीमित कर बड़े आरोपियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। गैदु ने कहा कि यदि 31.5 टन आयरन ओर के परिवहन में अनियमितता सामने आई है तो जांच केवल वाहन चालक और निजी यार्ड से जुड़े व्यक्ति तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। ट्रांसपोर्ट कंपनी, वाहन मालिक, माल की निगरानी से जुड़े जिम्मेदार लोगों तथा मामले से जुड़े अन्य संभावित व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए।

जांच दो लोगों तक सीमित क्यों?

कांग्रेस नेता ने कहा कि यदि जांच के दौरान अन्य लोगों की भूमिका सामने आती है तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि एक ट्रक और दो लोगों पर एफआईआर दर्ज करने के बाद क्या पूरे मामले की जांच वास्तव में आगे बढ़ रही है या इसे सीमित कर समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। गैदु ने कहा कि यह मामला केवल एक ट्रक से आयरन ओर की कथित हेराफेरी तक सीमित नहीं हो सकता। यदि रेलवे साइडिंग से लंबे समय से आयरन ओर के परिवहन में अनियमितता होती रही है तो पिछले कई वर्षों के रिकॉर्ड की जांच जरूरी है।

गैदु ने पूछा, पुलिस पर किसका दबाव

कांग्रेस नेता गैदु ने आरोप लगाया कि प्रभावशाली लोगों को बचाने की चर्चा ज़ोरों पर है। उन्होंने एक भाजपा विधायक के कथित दबाव में कुछ लोगों को कार्रवाई के दायरे से बाहर रखने के आरोप की भी निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि किसी राजनीतिक या प्रभावशाली व्यक्ति के दबाव में पुलिस की कार्रवाई सीमित की गई है तो यह गंभीर मामला है।

पिछले वर्षों के रिकॉर्ड की जांच की मांग

गैदु ने पुलिस और एनएमडीसी से मांग की कि मौजूदा मामले के साथ-साथ पिछले कई वर्षों में रेलवे साइडिंग से नगरनार स्टील प्लांट और अन्य गंतव्यों तक भेजे गए आयरन ओर के परिवहन रिकॉर्ड की भी जांच की जाए। उन्होंने वाहन नंबर, ई-परमिट, वजन पर्ची, ट्रांजिट रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज, वाहन की त्रक्क/मोबाइल लोकेशन, रेलवे साइडिंग के रिकॉर्ड और निजी यार्ड की आवक-जावक का मिलान कराने की मांग की। उनका कहना है कि इन रिकॉर्ड्स की जांच से यह स्पष्ट हो सकता है कि आयरन ओर कहां से लोड हुआ, किस वाहन से भेजा गया, किस रास्ते से निजी यार्ड तक पहुंचा, वहां किसके निर्देश पर उतारा गया और इसके बाद माल का क्या हुआ।

सिर्फ ड्राइवर और यार्ड से जुड़े व्यक्ति पर कार्रवाई से मामला खत्म नहीं होगा

गैदु ने कहा कि कांग्रेस किसी निर्दोष व्यक्ति को फंसाने की मांग नहीं कर रही है। पार्टी की मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और जो भी दोषी मिले, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए।उन्होंने कहा कि यदि जांच में किसी बड़े नेटवर्क, कारोबारियों, बिचौलियों अथवा प्रभावशाली लोगों की भूमिका सामने आती है तो उनकी भी जवाबदेही तय होनी चाहिए। गैदु ने कहा कि यदि लंबे समय से आयरन ओर के परिवहन में इसी तरह की अनियमितताएं हुई हैं तो इससे एनएमडीसी को बड़े आर्थिक नुकसान की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसलिए पुराने परिवहन परमिट, वजन रिकॉर्ड, वाहनों की आवाजाही और गंतव्य तक माल पहुंचने से जुड़े दस्तावेजों का मिलान किया जाना चाहिए। उन्होंने पुलिस प्रशासन और एनएमडीसी से मामले की निष्पक्ष, स्वतंत्र और समयबद्ध जांच कराने की मांग की। गैदु ने कहा कि यदि जांच में किसी प्रभावशाली व्यक्ति की भूमिका प्रमाणित होती है तो उसके खिलाफ भी कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा, दो लोगों पर एफआईआर दर्ज होने से सवाल खत्म नहीं हुए हैं, बल्कि असली सवाल अब शुरू हुआ है। आखिर बाकी लोगों पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई और किसके दबाव में उन्हें बचाया जा रहा है?

अरहर की फसल की आड़ में गांजा की खेती करने वाला गिरफ्तार

कांकेर, 28 अगस्त। जिले के भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत तरहुल गांव में पुलिस ने अवैध गांजा खेती का खुलासा करते हुए एक ग्रामीण को गिरफ्तार किया है। आरोपी अरहर की फसल के बीच गांजे के पौधे उगा रहा था। पुलिस ने मौके से बड़ी संख्या में गांजे के पौधे बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 4 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि भरसा तरहुल गांव में एक ग्रामीण अपने खेत में अवैध रूप से गांजे की खेती कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। जांच के दौरान अरहर की फसल के बीच गांजे के पौधे पाए गए।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी ने गांजे के पौधों को अरहर की फसल के बीच लगाया था। दोनों पौधों में समानता होने का फायदा उठाकर वह पुलिस और अन्य लोगों की नजर से बचाने की कोशिश कर रहा था।

13 कृषि केन्द्रों पर कृषि विभाग की छापेमारी,6 केंद्रों पर विक्रय प्रतिबंधित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 29 अगस्त। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा खरीफ2026 अंतर्गत कृषकों को गुणवत्तापूर्ण एवं मानक अनुरूप आदान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले के कीटनाशक विक्रय केन्द्रों का सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को 13 कृषि केंद्रों की जांच की गई। विभिन्न अनियमतता पर 6 केंद्रों को नोटिस जारी कर 7 से 10 दिवस के लिये विक्रय प्रतिबंधित किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड पलारी के कीटनाशक निरीक्षक सुचिन कुमार वर्मा द्वारा ग्राम अमेरा में संचालित पटेल कृषि सेवा केन्द्र, जय दुर्गा कृषि केन्द्र, शिवराम कृषि सेवा केन्द्र, ग्राम छेरकापुर में वर्मा कृषि केन्द्र, साहू कृषि सेवा केन्द्र, विकासखंड सिमगा के कीटनाशक निरीक्षक ऑलिव मेरी कुजूर द्वारा कमल कृषि सेवा केन्द्र, हिरमी, विकासखंड भाटापारा के कीटनाशक निरीक्षक अवधेश उपाध्याय द्वारा नंदिनी कृषि केन्द्र सिंगारपुर तथा विकासखंड कसडोल के कीटनाशक निरीक्षक धनेश्वर साय द्वारा श्रीराम ट्रेडर्स, विनोद कृषि सेवा केन्द्र, कटगी, देवांगन कृषि केन्द्र, छांछी, विकासखण्ड-बलौदाबाजार के निरीक्षक लोकनाथ दीवान के द्वारा जोगी कृषि केन्द्र, बलौदाबाजार, रूपेश कृषि केन्द्र लवन, सिद्धिविनायक कृषि सेवा केन्द्र, लवन का निरीक्षण किया गया।

इसमें से पटेल कृषि सेवा केन्द्र, जय दुर्गा कृषि केन्द्र, शिवराम कृषि केन्द्र अमेरा, वर्मा कृषि केन्द्र, छेरकापुर, साहू कृषि केन्द्र, छेरकापुर, कमल कृषि केन्द्र, हिरमी में निर्धारित प्रारूप में देयक कृषकों को नहीं दिये जाने, स्टॉक रजिस्टर का संधारण नहीं करने, पी.सी. जमा नहीं किये जाने, प्रतिष्ठान में मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं करने जैसी अनियमितताएं पाई गईं। इन मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित फर्मों को कीटनाशी अधिनियम, 1968 के धारा 10 (डी), 10 4 (ए), धारा 15, 8(3), 35 (1) के अन्तर्गत कारण बताओ नोटिस जारी किया गया और सात से लेकर दस दिवस के लिए किए विक्रय प्रतिबंधित किया गया है। सभी संबंधितों से एक सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित अवधि में जवाब प्रस्तुत नहीं करने अथवा जवाब संतोषप्रद नही पाए जाने की स्थिवि में संबंधित कृषि केन्द्रों के कीटनाशी लायसेंस के निलंबन की कार्यवाही की जाएगी। उप संचालक कृषि दीपक नायक ने सभी कृषि आदान विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि उर्वरक, बीज, कीटनाशक सहित अन्य कृषि आदान सामग्री के भंडारण एवं विक्रय से संबंधित सभी आवश्यक अभिलेखों का नियमित रूप से संधारण करें। स्टॉक रजिस्टर एवं बिल बुक में प्रत्येक आवक और विक्रय का सही तथा अद्यतन विवरण दर्ज किया जाना अनिवार्य है। विभाग ने विक्रेताओं को शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों का कड़ाई से पालन करने की हिदायत दी है। अधिकारियों ने जानकारी दिया है कि कृषि आदान सामग्री के भंडारण एवं विक्रय व्यवस्था की निगरानी आगे भी जारी रहेगी तथा नियमों की अनदेखी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

जेन जी और जेन अल्फ़ा के चक्कर में सीनियर सिटीजन को न भूलें केंद्र और राज्य सरकारें: वीरेन्द्र नामदेव

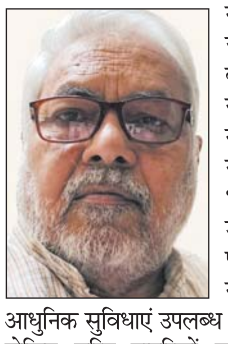

रायपुर 29 अगस्त। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने केंद्र एवं राज्य सरकारों से कहा है कि जेन जी और जेन अल्फ़ा के भविष्य के लिए योजनाएं बनाते समय देश के वरिष्ठ नागरिकों को नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को शिक्षा, रोजगार और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है, लेकिन वरिष्ठ नागरिकों की पेंशन, स्वास्थ्य, चिकित्सा, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन भी सरकारों की प्राथमिकता होनी चाहिए। नामदेव ने कहा कि बढ़ती महंगाई और चिकित्सा खर्च के कारण अनेक वरिष्ठ नागरिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। सरकारों को उनके लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, कैशलेस चिकित्सा व्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा तथा सार्वजनिक परिवहन में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करनी चाहिए। जारी संयुक्त विज्ञप्ति में भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव, कार्यकारी प्रांताध्यक्ष जे पी मिश्रा, प्रदेश महामंत्री अनिल गोल्हानी, प्रदेश महासचिव प्रवीण कुमार त्रिवेदी,संगठन मंत्री टी पी सिंह,संभागीय अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार सिन्हा जिला रायपुर के अध्यक्ष आर जी बोहरे सचिव ओ डी शर्मा आदि ने कहा है कि देश का विकास तभी सार्थक होगा, जब युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के साथ-साथ बुजुर्गों का वर्तमान भी सुरक्षित और सम्मानजनक होगा। जेन जी और जेन अल्फ़ा देश का भविष्य हैं, लेकिन सीनियर सिटीजन देश का अनुभव और मजबूत आधार हैं।

दूध की कीमत बढ़ाने की मांग को लेकर सिमगा में दूध आपूर्ति बंद

सिमगा 29 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। दूध की कीमतों में वृद्धि की मांग को लेकर दूध उत्पादक एवं व्यापारी संघ तहसील सिमगा द्वारा गुरुवार को धरना प्रदर्शन किया गया। संघ का कहना है कि पशु आहार, चारा एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, लेकिन दूध के वर्तमान दाम में अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई है। इससे दुग्ध उत्पादकों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संघ ने गाय के दूध का दाम 60 रुपये और भैंस के दूध का दाम 70 रुपये प्रति लीटर किए जाने की मांग रखी है। मांग के समर्थन में शुक्रवार 27 अगस्त को पूरे सिमगा नगर में दूध की आपूर्ति पूरी तरह बंद रही। इसके चलते नगरवासियों को दूध के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा। धरना प्रदर्शन में छोटू यादव, कान्हा यदु, रोशन यदु, प्रेम यदु, बिमल यदु, भागवत, सनत, घनश्याम, लालू यदु, अशोक यदु, पुरुषोत्तम यदु सहित सैकड़ों की संख्या में दूध उत्पादक एवं व्यापारी उपस्थित रहे। संघ ने मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही।

रक्षा सूत्र से 'पक्के घर' का संकल्प

रायपुर, 29 अगस्त। प्रधानमंत्री आवास के अधूरे घरों को समय-सीमा में पूरा करने की दिलाई शपथप्रधानमंत्री आवास के अधूरे घरों को समय-सीमा में पूरा करने की दिलाई शपथ रक्षाबंधन का पर्व केवल भाई-बहन के स्नेह और सुरक्षा के बंधन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में इसे विकास और जिम्मेदारी के संकल्प से जोड़कर एक अनूठी पहल की गई। जनपद पंचायत मोहला की सभी ग्राम पंचायतों में रक्षाबंधन पर्व उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के हितग्राहियों को रक्षा सूत्र बांधकर उनके अप्रारंभ एवं निर्माणाधीन आवासों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने की शपथ दिलाई गई।

सरकारी स्कूल में गणित, रसायन समेत 5 महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षक नहीं

■ 245 विद्यार्थियों के भविष्य पर मंडरा रहा संकट, पालकों ने दी आंदोलन की चेतावनी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 29 अगस्त। छत्तीसगढ़ में सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। एक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गणित, रसायन, संस्कृत, राजनीति विज्ञान और वाणिज्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षकों की कमी का मामला सामने आया है। विद्यालय में कुल 245 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, लेकिन महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षक नहीं होने के कारण बच्चों की नियमित पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

विद्यालय प्रबंधन की ओर से संबंधित विभाग और अधिकारियों को इस संबंध में पत्र लिखकर तत्काल शिक्षकों की व्यवस्था करने की मांग की गई है। पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि शिक्षकों की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई और उनके भविष्य के साथ गंभीर अन्याय हो रहा है।

5 महत्वपूर्ण विषयों में शिक्षक नहीं, आखिर कैसे पढ़ेंगे बच्चे?: विद्यालय में जिन विषयों के शिक्षकों की कमी बताई गई है, उनमें- गणित,रसायन, संस्कृत, राजनीति विज्ञान, वाणिज्य शामिल हैं।

ये कोई वैकल्पिक या कम महत्व के विषय नहीं हैं। गणित और रसायन विज्ञान के विद्यार्थी आगे इंजीनियरिंग, मेडिकल, विज्ञान एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। वहीं राजनीति विज्ञान, वाणिज्य और संस्कृत भी उच्च शिक्षा तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण विषय हैं।

ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि जब स्कूल में विषयवार शिक्षक ही उपलब्ध नहीं हैं तो विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कैसे मिलेगी? क्या केवल स्कूल भवन और नामांकन को ही शिक्षा व्यवस्था मान लिया जाए?

सरकार के शिक्षा सुधार के दावों पर उठे सवाल: सरकार लगातार सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं देने की बात करती है। नई शिक्षा नीति, गुणवत्ता अभियान, स्मार्ट क्लास और बेहतर परिणामों के दावे किए जाते हैं। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि कई स्कूल आज भी मूलभूत आवश्यकता-विषयवार शिक्षकों-की कमी से जूझ रहे हैं। एक ओर सरकार बच्चों को सरकारी स्कूलों में प्रवेश लेने के लिए प्रोत्साहित करती है, वहीं दूसरी ओर उन्हीं स्कूलों में पढ़ाने के लिए पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। इसका सीधा असर गरीब, किसान और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों पर पड़ता है, जिनके पास महंगे निजी स्कूल या निजी ट्यूशन की सुविधा उपलब्ध नहीं होती।

बच्चों की गलती क्या है?: सबसे बड़ा सवाल उन 245 विद्यार्थियों का है, जिनका भविष्य इस प्रशासनिक लापरवाही के बीच फंसा हुआ है। एक शैक्षणिक सत्र का नुकसान केवल कुछ महीनों की पढ़ाई का नुकसान नहीं होता, बल्कि यह बच्चों के पूरे करियर को प्रभावित कर सकता है।

शिक्षक नहीं होने पर विद्यार्थी या तो दूसरे विषयों के शिक्षकों पर निर्भर रहते हैं, या फिर उन्हें निजी ट्यूशन का सहारा लेना पड़ता है। जिन परिवारों की आर्थिक स्थिति कमजोर है, उनके बच्चों के सामने यह विकल्प भी नहीं होता। परिणामस्वरूप सरकारी स्कूल का विद्यार्थी निजी स्कूलों के विद्यार्थियों की तुलना में पीछे रह जाता है।

पालकों की बढ़ी चिंता, आंदोलन की चेतावनी: शिक्षकों की कमी से पालकों में भी नाराजगी बढ़ रही है। पत्र में चिंता जताते हुए तत्काल शिक्षकों की व्यवस्था करने की मांग की गई है। साथ ही यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो बच्चों और पालकों को लेकर आंदोलन का रास्ता अपनाया जा सकता है।

पालकों का सवाल बिल्कुल सीधा है- जब बच्चे नियमित रूप से स्कूल जा रहे हैं, तो सरकार उन्हें पढ़ाने के लिए शिक्षक क्यों उपलब्ध नहीं करा पा रही है?

अब शिक्षा विभाग और शासन को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए यह स्पष्ट करना चाहिए कि संबंधित विद्यालय में इन पांच विषयों के शिक्षक कब तक नियुक्त किए जाएंगे। यदि नियमित नियुक्ति में समय लगता है तो वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अतिथि शिक्षक या अन्य माध्यमों से तत्काल पढ़ाई शुरू कराई जानी चाहिए।

बच्चों का भविष्य किसी फाइल, प्रस्ताव या प्रशासनिक प्रक्रिया के इंतजार में नहीं छोड़ा जा सकता। 245 विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होना केवल एक स्कूल की समस्या नहीं, बल्कि सरकारी शिक्षा व्यवस्था की गंभीर कमजोरी है।

अखंड रामचरितमानस पाठ का भव्य समापन

रायपुर, 29 अगस्त। राजधानी रायपुर के बुढ़ापारा स्थित सप्रे शाला परिसर के श्री हनुमान मंदिर में 30 दिवसीय भव्य 'अखंड रामचरितमानस पाठ' का आयोजन श्रद्धा व भक्तिभाव के साथ किया गया। पंडित दिलीप शर्मा के गरिमामय मार्गदर्शन में आयोजित यह धार्मिक अनुष्ठान विगत 25 वर्षों से अनवरत चला आ रहा है। प्रत्येक वर्ष श्रावण मास के पवित्र महीने में समिति और स्थानीय श्रद्धालुओं द्वारा इस परंपरा का निर्वहन पूरी निष्ठा और नियम-संयम के साथ किया जाता है।

आयोजन समिति के अध्यक्ष मनोज इनचुरकर ने बताया कि इस 30 दिवसीय अनुष्ठान की शुरुआत 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर हुई थी। इसका पूर्णाहुति समापन 28 अगस्त को रक्षाबंधन के पर्व पर हुआ। समापन दिवस पर 24 घंटे का विशेष एवं भव्य 'रामचरितमानस' पाठ आयोजित किया गया, जिसमें चौपाइयों, दोहों, छंदों एवं सोरठों का पाठ किया गया। इसके साथ ही '? राम रामाय नमः' महामंत्र का 24 घंटे तक अनवरत जाप और अखंड संकीर्तन किया गया।

रक्षाबंधन के दिन पूर्ण रामायण के दोहे से हवन हुआ,जिसके बाद महाप्रसाद का वितरण किया गया। समिति के सदस्य अनिल पवार सहित अन्य पदाधिकारियों ने उपस्थित सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से श्रीराम कथा के रसपान, दर्शन और महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित करने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

बिजली बिल की बढ़ोतरी और महंगाई से आम जनता परेशान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 29 अगस्त। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बढ़े हुए बिजली बिल एवं स्मार्ट मीटर के विरोध में उपभोक्ताओं से आवेदन फॉर्म भरवाने का अभियान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिमगा द्वारा लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत भोथीडीही, बछेरा एवं नवागांव में उपभोक्ताओं से आवेदन फॉर्म भरवाए गए।अभियान में विशेष रूप से जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे उपस्थित रही।

जिला अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि आज आम जनता पहले से ही महंगाई की मार झेल रही है। भाजपा की सरकार में पेट्रोल-डीजल, खाद्य सामग्री, घरेलू जरूरतों सहित रोजमर्रा की वस्तुओं के बढ़ते दामों से आम परिवार का बजट बिगड़ चुका है। ऐसे समय में बिजली के बढ़े हुए बिल और स्मार्ट मीटर के माध्यम से उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि ये मीटर, महतारी वंदन वसूली मीटर है , भाजपा सरकार जहां 1000 महतारी वंदन दे रही है वही उनसे बिजली बिल के माध्यम से 2000से 3000 तक वसूल रही है।कांग्रेस पार्टी आम उपभोक्ताओं की आवाज को मजबूती से उठाएगी और उनके हितों के लिए संघर्ष करती रहेगी।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रिंकू भाटिया जी ने कहा कि बढ़े हुए बिजली बिल और स्मार्ट मीटर को लेकर ग्रामीणों एवं उपभोक्ताओं में लगातार चिंता बनी हुई है। कांग्रेस पार्टी जनता की इस समस्या को लेकर गांव-गांव पहुंच रही है और उपभोक्ताओं से आवेदन भरवाकर उनकी शिकायतों को शासन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता के हितों से जुड़े इस मुद्दे पर कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ उपभोक्ताओं के साथ खड़े हैं। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष भिखारी गहरे, श्यामलाल देवांगन, ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री शेष साहू, विक्की मानिकपुरी, सेवा दल ब्लॉक अध्यक्ष भैया कुंजराम साहू जी, ब्लॉक कांग्रेस सचिव यश शर्मा, धन सिंह साहू, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कार्यालय प्रभारी विक्की पाण्डे, दिनेश साहू, प्रभु साहू, प्रकाश, राधेश्याम साहू, ठाकुर भाई सहित कांग्रेसजन एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

तिल्दा-नेवरा में प्रथम विकासखंड स्तरीय नि:शुल्क आयुष स्वास्थ्य मेला आयोजित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 29 अगस्त। संचालनालय आयुष के निर्देशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी रायपुर के मार्गदर्शन में गुरुवार, 27 अगस्त 2026 को आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) शासकीय आयुर्वेद औषधालय नेवरा द्वारा मुखर्जी चौक, गोवर्धन नगर, वार्ड क्रमांक 11, तिल्दा-नेवरा में प्रथम विकासखंड स्तरीय नि:शुल्क आयुष स्वास्थ्य मेला आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन प्रात: 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया गया। शिविर प्रभारी डॉ. अरविंद कुमार पाठक के तत्वावधान में आयोजित स्वास्थ्य मेले में बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। शिविर में कुल 373 हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। इनमें 327 हितग्राही आयुर्वेद तथा 46 हितग्राही होम्योपैथी से संबंधित रहे। कुल लाभार्थियों में 127 पुरुष, 152 महिलाएं, 39 बालक एवं 55 बालिकाएं शामिल रहीं। शिविर में मरीजों का रोग निदान एवं उपचार किया गया तथा आयुर्वेदिक औषधियों के साथ योग संबंधी परामर्श भी प्रदान किया गया। जिला आयुष अधिकारी रायपुर डॉ. स्वाति रावत ने शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। शिविर में विभिन्न स्वास्थ्य जांच की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। 140 लाभार्थियों का ब्लड शुगर एवं ब्लड प्रेशर परीक्षण, 37 लाभार्थियों का एचबी टेस्ट तथा 8 लाभार्थियों का मलेरिया परीक्षण किया गया। इसके अलावा 129 लोगों को आयुष क्वाथ एवं आयुष स्वास्थ्य संबंधी ब्रोशर वितरित किए गए। स्वास्थ्य मेले में वरिष्ठ एवं सम्माननीय नागरिकों की भी उपस्थिति रही। इस दौरान डॉ. आभा दीपारानी तिर्की, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी सोनडरा; डॉ. प्रनिता चंद्रिकापुरे, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी तरपोंगी; डॉ. संदीप प्रसाद गुप्ता, चंदखुरी तथा डॉ. प्रतिभा रानी ठाकुर, छतौद ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। योग प्रशिक्षक चंद्रवती वर्मा ने उपस्थित जनसमुदाय को नियमित योगाभ्यास के लाभों की जानकारी दी और स्वस्थ जीवनशैली के लिए योग को दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। शिविर के सफल संचालन में मितानिनों दुर्गा जायसवाल, अर्चना, सीमा एवं संतोषी ने भी सहयोग प्रदान किया। उन्होंने हितग्राहियों को रक्त जांच कराने तथा आयुष औषधियों की सुविधा सुगमता से उपलब्ध कराने में सहभागिता निभाई। आयुर्वेद फार्मासिस्ट दयाशरण ठाकुर निलजा, देवशरण खरसन एवं टनडवा तथा औषधालय सेवक दुकालू राम कुर्रे, तरपोंगी ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शासकीय आयुर्वेद औषधालय नेवरा से महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता पूनम चंद्रा एवं अंशकालीन स्वच्छक जेठुराम ध्रुव ने भी शिविर में सहयोग किया। शिविर के अंत में शिविर प्रभारी डॉ. अरविंद कुमार पाठक ने स्वास्थ्य मेले को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों, मितानिनों, नागरिकों एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों तथा वरिष्ठ नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नन्हीं बहनों ने पुलिसकर्मियों को बांधी राखी साथ में दिया साइबर सुरक्षा का संदेश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार 29 अगस्त। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जिले के विभिन्न स्कूलों से नन्हीं बच्चियां सिटी कोतवाली थाने पहुंचीं और पुलिसकर्मियों की कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को और मजबूत किया। इस दौरान राखी के साथ साइबर जागरूकता अभियान का संदेश भी दिया गया।

राखी बांधने वालों में बचपन स्कूल, बलौदाबाजार और अहिल्या इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, लाहोद सहित जिले के कई स्कूलों की छात्राएं शामिल रहीं। नन्हीं छात्राओं के थाने पहुंचने से पुलिस परिसर में उत्साह और अपनत्व का माहौल देखने को मिला।

रक्षाबंधन के इस आयोजन को साइबर जागरूकता अभियान से भी जोड़ा गया। पुलिस ने छात्राओं और उपस्थित लोगों को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए। अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, OTP, बैंक डिटेल और पासवर्ड किसी से साझा नहीं करने तथा सोशल मीडिया पर निजी जानकारी सावधानी से साझा करने की अपील की गई। पुलिस ने साइबर ठगी होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी।

इस अवसर पर पुलिस ने संदेश दिया कि ÷राखी का प्यार... साइबर सुरक्षा का उपहार÷। रक्षाबंधन के इस आयोजन ने भाई-बहन के स्नेह के साथ-साथ बच्चों और आमजन को साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने का संदेश भी दिया।

भाई-बहन के स्नेह का पर्व रक्षाबंधन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 29 अगस्त। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व शुक्रवार को सिमगा क्षेत्र में हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर सुबह से ही घरों से लेकर बाजारों तक उत्सव का माहौल देखने को मिला। राखी, मिठाई और पूजा सामग्री की दुकानों पर लोगों की अच्छी-खासी भीड़ रही।

रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों ने भाइयों की कलाई पर रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियां बांधीं। इसके बाद भाइयों को तिलक लगाकर मिठाई खिलाई और उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भाइयों ने भी अपनी बहनों को उपहार भेंट कर उनके सुख-दुख में सदैव साथ खड़े रहने तथा उनकी रक्षा का संकल्प लिया। सुबह से ही घरों में पूजा-अर्चना और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। बच्चों और युवाओं में भी त्योहार को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। वहीं, रोजगार या अन्य कारणों से दूर-दराज क्षेत्रों में रहने वाले भाई-बहन भी इस विशेष अवसर पर अपने परिवार के बीच पहुंचे और मिलकर पर्व की खुशियां साझा कीं। रक्षाबंधन को लेकर पूरे सिमगा क्षेत्र में दिनभर उत्सव जैसा माहौल बना रहा। लोगों ने एक-दूसरे को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और भाई-बहन के रिश्ते की मजबूती एवं आपसी प्रेम की कामना की।

द कंपटीशन अकादमी नगरी में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

नगरी 29 अगस्त। द कंपटीशन अकैडमी नगरी में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने छात्रों एवं शिक्षकों की कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और सुरक्षा के पवित्र बंधन का संदेश दिया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रक्षाबंधन पर्व के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। छात्राओं ने अपने भाइयों की सुख-समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं छात्रों ने बहनों की सदैव रक्षा करने और उनका सम्मान करने का संकल्प लिया।

अकादमी के शिक्षकों ने विद्यार्थियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व केवल राखी बांधने का अवसर नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, विश्वास, सम्मान और भाईचारे को मजबूत करने का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। अंत में सभी ने एक-दूसरे को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला गरियाबंद (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण हेतु कार्य की सूची

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. पुअ/गरि/131/AC-1/2026 गरियाबंद, दिनांक 24/08/2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग/R.E.S में पंजीकृत ई पंजीयन के तहत् डी वर्ग या ऊपर श्रेणी के ठेकेदार प्रपत्र ''अ'' में प्रतिशत दर पर छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी भवन कार्य के एस.ओ.आर. 01.01.2015 के आधार पर निम्नलिखित तिथि को अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में मुहरबंद दो लिफाफा पद्धति के तहत् रजिस्टर डाक/स्पीड पोस्ट/By hand निविदाएं आमंत्रित की जायेगी। निविदा से संबंधित तिथियां निम्नानुसार है:- 1. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि:-23/09/2026 अपरान्ह 05.00 बजे तक 2. निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि: 24/09/2026 अपरान्ह 03:00 बजे तक 3. निविदा खुलने की तिथि:-24/09/2026 सायं 04:00 बजे से। (उपरोक्त में से किसी तिथि को शासकीय अवकाश घोषित होने की स्थिति में आगामी कार्य दिवस में पूर्व निर्धारित समय तक मान्य किया जावेगा।)

टीप :- नक्सल प्रभावित पुलिस विभाग जिला गरियाबंद में कार्य किये हुए अनुभव प्राप्त एजेंसी से निर्माण कार्य कराया जायेगा।

स.क्र.	कार्य का विवरण	कार्य की लागत	अमानत राशि टी.डी.आर. के रूप में
1	2	3	4
01	पुलिस थाना राजिम में 01 नग बैरक निर्माण कार्य।	20.00 लाख	20000

नोट:- निविदा प्रपत्र का मूल्य 750/- एवं कार्यपूर्ण करने का समय 04 माह वर्षा काल सहित होगी। निविदा की अन्य नियम व शर्तें एवं जानकारी पुलिस अधीक्षक कार्यालय, गरियाबंद से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

पुलिस अधीक्षक

जी-262702999/5 जिला-गरियाबंद (छ.ग.)

एक नजर

स्वामी सदानन्द सरस्वती का वर्धयन्ती महामहोत्सव 30 को

रायपुर, 29 अगस्त। पश्चिमाम्नाय द्वारका शारदा पीठाधीश्वर श्रीमज्जगदुरु शंकराचार्य स्वामी सदानन्द सरस्वती महाराज का पावन वर्धयन्ती महामहोत्सव भाद्रपद कृष्ण द्वितीया तदनुसार कल 30 अगस्त को राजधानी के शंकराचार्य आश्रम में आयोजित किया गया है। यतिप्रवर दण्डी स्वामी डॉ. इन्दुभवानन्द तीर्थ महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित शंकराचार्य स्वामी सदानन्द सरस्वती महाराज का पावन वर्धयन्ती महामहोत्सव का शुभारंभ प्रातः काल 6 बजे मंगला आरती से होगा। उपरांत 9 बजे सिद्धेश्वर महादेव का पूजन, 10.30 बजे पराम्बा भगवती राजराजेश्वरी महात्रिपुर सुन्दरी ललिता प्रेमाम्बा महारानी की श्रंगार आरती, 11 बजे से भव्य पार्थिव शिवलिंग पूजन रुद्राभिषेक भगवान सूर्य नारायण का अर्चन पश्चात 12.30 बजे भोग भंडारा का आयोजन किया गया है। शंकराचार्य स्वामी सदानन्द सरस्वती महाराज का पावन वर्धयन्ती महामहोत्सव में सायंकाल 5:30 से 7:30 बजे तक सभा उपरांत 8 बजे से भोग भंडारा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त गण शामिल होंगे।

चंडी मंदिर में 30 अगस्त को रक्षाबंधन मिलन समारोह

रायपुर, 29 अगस्त। रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास, स्नेह और जीवनभर साथ निभाने वाले पवित्र रिश्ते का प्रतीक है। इसी भावना को और मजबूत करने के उद्देश्य से बेमेतरा विधानसभा के भाजपा किसान नेता योगेश तिवारी द्वारा अपने गृह ग्राम नेवनारा स्थित चंडी मंदिर प्रांगण में 30 अगस्त को दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक रक्षाबंधन मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र की बड़ी संख्या में बहनें पहुंचकर योगेश तिवारी को रक्षासूत्र बांधेंगी और भाई-बहन के इस पवित्र रिश्ते को और मजबूत करेंगी। योगेश तिवारी का कहना है कि पिछले 13 वर्षों से बेमेतरा की हजारों बहनों ने उन्हें राखी बांधकर जो स्नेह और आशीर्वाद दिया है, वह उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। समय के साथ यह रिश्ता केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एक ऐसे पारिवारिक रिश्ते में बदल गया है, जिसमें प्रेम, विश्वास और अपनापन सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बेमेतरा की मेरी बहनें मेरे लिए केवल राजनीतिक क्षेत्र की बहनें नहीं हैं। उनसे मेरा रिश्ता राजनीति से कहीं ऊपर है। यह भाई और बहन का पवित्र रिश्ता है, जिसे हजारों बहनों ने अपनी राखी के धागे से मुझे बांधा है। यह स्नेह और विश्वास मेरे लिए अत्यंत अनमोल है।

आईएफएस अधिकारी विवेक आचार्य को मिली नई जिम्मेदारी

रायपुर, 29 अगस्त। छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने भारतीय वन सेवा (IFS) अधिकारी विवेक आचार्य को नई जिम्मेदारी सौंपी है। विभाग की ओर से 29 अगस्त 2026 को जारी आदेश के अनुसार उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, नवा रायपुर अटल नगर के कार्यकारी संचालक के पद पर पदस्थ किया गया है। आदेश में उल्लेख है कि सामान्य प्रशासन विभाग के 18 अगस्त 2026 के आदेश के तहत विवेक आचार्य, भा.व.से. (2006) की सेवाएं वन विभाग को वापस लौटाए जाने के बाद यह पदस्थापना की गई है। विवेक आचार्य वर्तमान में प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल, रायपुर के पद पर कार्यरत थे। वन विभाग के आदेश के मुताबिक, उन्हें अगामी आदेश तक प्रतिनियुक्ति पर अस्थायी रूप से छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड के कार्यकारी संचालक के पद पर पदस्थ किया गया है।

यूसीसी आदिवासियों के अधिकारों का हननः बैज

रायपुर, 29 अगस्त। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने बस्तर प्रवास के दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि कल से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष का प्रशिक्षण। जगदलपुर में होगा। तीन दिन तक चलेगा। सभी पांचों संभाग में प्रशिक्षण होगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों का हनन करने यूसीसी लागू करने जा रही। हम इसका विरोध करते है। इसके लागू होने से आदिवासियों को मिल रहे विशेष संवैधानिक प्रावधान खत्म हो जाएगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद युवाओं के सपनों को बेचा जा रहा। कृषि विवि में तीन परीक्षा के पेपर लीक हुए। यह तो केवल तीन का खुलासा हुआ है भाजपा की सरकार बनने के बाद कोई भी परीक्षा निष्पक्ष नहीं हुई। आरक्षक भर्ती वन रक्षक भर्ती, आर आई प्रमोशन, पीडब्ल्यू डी सब इंजीनियर भर्ती पीएससी की एएसआई भर्ती सभी में गड़बड़ियां हुई। सरकार भर्ती परीक्षाओं में घोटाले कर युवाओं का भविष्य अंधकार में डाल रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बिजली के दाम बढ़ाने, बिजली में 400 यूनिट छूट खत्म करने स्मार्ट मीटर लगा कर जनता को लूटने से सरकार का मन नहीं भरा अब वह बिजली कंपनी ही बेचने जा रही। पहले मंत्री मंडल ने विद्युत कंपनी के शेयर को बेचने का फैसला लिया अब निजी कंपनी को बिजली सप्लाई का ठेका देने की तैयारी है हम इसका विरोध करते है। हमारे बिजली सत्याग्रह के मुद्दों में निजीकरण का विरोध भी शामिल होगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि देश के गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा बस्तर पंडुम 2025 के दौरान किए गए वायदे के तहत बस्तर के नक्सल मुक्त घोषित गांवों को विकास कार्यों के लिए अलग से 1-1 करोड़ की राशि कब मिलेगी यह बताए सरकार। नक्सल हिंसा से पीड़ित परिवार मुआवजा के लिए और मुख्य धारा में लौटे समर्पित योजना के लाभ के लिए भटक रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि नक्सलियों के सहयोगी होने का फर्जी आरोप लगाकर जेलों में बंद हजारों आदिवासियों की रिहाई कब होगी डबल इंजन सरकार में आपस में ही समन्वय नहीं है, बैसाखी पर चल रही केंद्र सरकार आंध्र प्रदेश और बिहार को विशेष पैकेज दे रही है लेकीन छत्तीसगढ़ को नहीं, उल्टे केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती का पैसा पाई पाई वसूला जा रहा है, राज्य के बजट में इस राशि का प्रावधान ही नहीं है, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बिजली, पानी से लेकर सड़क साफ-सफाई और सड़कों की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है, डबल इंजन की सरकार आम जनता के लिए ट्रबल इंजन साबित हो रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि खनिज संसाधनों का निजीकरण और असंतुलित दोहन बंद हो, एनएमडीसी का मुख्यालय छत्तीसगढ़ में लाया जाए जिससे केंद्रीय करों में राज्यांश छत्तीसगढ़ की मिले, भर्ती में यहां के युवाओं प्राथमिकता मिले। खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2026 बस्तर के आर्थिक, सामाजिक हितों के खिलाफहै। केंद्र सरकार द्वारा बिना चर्चा के थोपा गया नया खनिज संसाधन अधिनियम बस्तर के आर्थिक और सामाजिक हितों के खिलाफ है। भाजपा की सरकार में डीएमएफ और सीएसआर मद की राशि पहले ही भ्रष्टाचार की भेट चढ़ रही है अब नए कानून से पेसा (PESA) और पांचवीं अनुसूची का उल्लंघन होगा, यह सरकार आदिवासी हितों की अनदेखी कर रही है।

मोदी के कार्यकाल की उपलब्धियों पर कार्यक्रम 17 सितम्बर से

रायपुर, 29 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय मंत्री डॉ. कविता पाटीदार के रायपुर प्रवास के दौरान स्वामी विवेकानंद विमानतल पर भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं 'सेवा संकल्प अभियान' के प्रदेश संयोजक यशवंत जैन, भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक हेमंत पाणिग्रही, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. किरण बघेल, सत्कार विभाग प्रदेश संयोजक आकाश विग, सह संयोजक पुष्पेंद्र सिंह, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष कृतिका जैन, महिला मोर्चा जिला महामंत्री माया शर्मा, सहित पार्टी के सभी मोर्चों के प्रमुख पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा राष्ट्रीय मंत्री डॉ. कविता पाटीदार ने इस मौके पर मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेमिसाल सार्वजनिक व प्रशासनिक कार्यकाल और उनकी उपलब्धियों को रेखांकित करने के लिए 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक भाजपा द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। इस एक माह के अभियान के दौरान केंद्र सरकार की लोक-कल्याणकारी नीतियों, योजनाओं और ऐतिहासिक उपलब्धियों को घर-घर और जन-जन तक पहुँचाया जाएगा। डॉ. पाटीदार ने केंद्र सरकार के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। इन्हीं दूरगामी प्रयासों और ठोस नीतियों का परिणाम है कि आज बस्तर नक्सल समस्या से मुक्त होकर शांति और विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा है। राज्य अब दोगुनी गति से 'विकसित छत्तीसगढ़' के संकल्प की ओर अग्रसर है।

रजनी ताई उपासने की पुण्यतिथि पर पौधारोपण

रायपुर, 29 अगस्त। रायपुर नगर की प्रथम महिला विधायक स्वर्गीय रजनी ताई उपासने की प्रथम पुण्यतिथि पर उनके समाजसेवा और आपातकाल के संघर्षों को याद करते हुए विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनके सुपुत्र व भाजपा नेता सच्चिदानंद उपासने एवं हेमंत उपासने ने टिकरापारा स्थित श्मशान भूमि में वट, नीम, अशोक और आम जैसे छायादार पौधों का रोपण किया। माता रजनी ताई एवं पिता स्व. दत्तात्रेय उपासने की स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए, लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने ने महाराष्ट्र मंडल (रायपुर) के नवनिर्माणाधीन भवन में कक्ष निर्माण हेतु प्रथम किश्त के रूप में 2.5 लाख का चेक मंडल अध्यक्ष अजय काले व चेतन दंडवते को सौंपा। इसके साथ ही, राजस्थान में गरीबों की सेवा में जुटी संस्था को भी भोजन हेतु आर्थिक सहयोग प्रेषित किया गया।

प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर सच्चिदानंद उपासने ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को पत्र लिखकर मांग की है कि ताई का सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रहित और विचारधारा के लिए समर्पित रहा। आपातकाल में उनका संघर्ष अविस्मरणीय है। 1978 में वे रायपुर की पहली महिला विधायक बनीं और उनके प्रयासों से तत्कालीन मध्य प्रदेश शासन द्वारा डी.के. अस्पताल (रायपुर) में कैंसर यूनिट की स्थापना संभव हो सकी थी। विधानसभा में भी उनके निधनोपरांत इन योगदानों को स्मरण किया गया था। अतः शासन स्तर पर उस कैंसर यूनिट अथवा रायपुर के किसी प्रमुख भवन का नामकरण स्व. रजनी ताई उपासने के नाम पर अविलंब किया जाए, जिससे भावी पीढ़ी उनके त्याग और सेवाभाव से प्रेरणा ले सके।

मनी गेमिंग से सरकार जीएसटी आयकर वसूल रही : कांग्रेस

रायपुर, 29 अगस्त। ऑनलाइन बेटिंग और मनी गेमिंग संचालकों के खिलाफकार्रवाई के दावों पर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य

प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि केंद्र सरकार और उसके अधीन आने वाली जांच एजेंसियां पिछले 4 साल से महादेव सट्टा के संचालकों को पकड़ने का दावा हर 3-4 महीनों में करती रही है लेकिन किसी भी डायरेक्टर, प्रमोटर को अब तक पकड़ कर लाया नहीं गया है, उल्टे भाजपा की सरकार इन सट्टा ऐप चलाने वालों से भारी भरकम जीएसटी और आयकर वसूल रही है। सत्ता में बैठे लोग प्रोटेक्शन मनी बटोर रहे हैं और सरकार झूठे दावे कर रही है। सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल और सोनी को गिरफ्तार करके और भारत लाने का दावा पिछले 3 साल में 6 बार कर चुके हैं लेकिन हकीकत सबके सामने है। सच यही है कि ट्रिपल इंजन की भाजपा सरकार में सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर खुलेआम सट्टे का विज्ञापन चल रहा है, केंद्रीय सूचना प्रसारण विभाग की क्या जिम्मेदारी है सरकार भारी-भरकम जीएसटी और इनकम टैक्स वसूल रही है, भाजपा के नेता प्रोटेक्शन मनी बटोर रहे हैं। विगत दिनों प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारी और मोदी के बेहद करीबी हिरेन जोशी, हितेश शाह, प्रसार भारती के नवनीत सहगल और लॉ कमीशन के लोगों की संलिप्तता सर्वविदित है। भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के संयोजक और भाजपा के पूर्व विधायक के पुत्र विकास गर्ग एक्सपोज़ हो चुके हैं, भाजपा के शीर्षस्थ नेताओं के साथ उनके संबंध भी उजागर है, सट्टे की काली कमाई में वर्चस्व और हिस्सेदारी के हिसाब से कार्यवाहियां तय हो रही है।

जैन समाज 1000 गायों की गौशाला खोलेगा

रायपुर, 29 अगस्त। आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर द्वारा प्रतिष्ठित चमत्कारी जिनकुशल सुरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में जारी 21 दिवसीय इक्तिसा जाप में रक्षाबंधन के अवसर पर श्रद्धालु दादागुरुदेव को राखी बांधकर समर्पण भाव प्रकट किया।

सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि राखी पूनम के अवसर पर दादागुरुदेव के महापूजन के दौरान बच्चे व श्रद्धालुओं ने दादागुरुदेव को समर्पण भाव से राखी बांधी व स्वयं के कलाई पर दादागुरुदेव के आशीर्वाद स्वरूप रक्षा पोटली बांधी। रक्षापर्व के अवसर पर अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने कहा कि राजधानी में गाय माता को रक्षा सूत्र बाँधने की महती आवश्यकता है। दादागुरुदेव के महापूजन अवसर पर जैन समाज के श्रद्धालुओं ने संकल्प लिया कि छत्तीसगढ़ शासन, नगर निगम या हाउसिंग बोर्ड जमीन उपलब्ध करावे तो शीघ्र 1000 गायों के रखरखाव हेतु शेड निर्माण कर जैन गौशाला का व्यवस्थित संचालन किया जावेगा। इस हेतु सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट शीघ्र मुख्यमंत्री से भेंटकर जैन समाज की भावनाओं से अवगत करवाएगा। ट्रस्टी नीलेश गोलछा व डॉ योगेश बंगानी ने बताया कि 21 दिवसीय दादागुरुदेव इक्तिसा जाप में प्रतिदिन 11 गुरुभक्त परिवारों द्वारा समर्पित भावों से जाप किया जाता है। प्रतिदिन सभी श्रद्धालुओं को प्रभावना दी जाती है। महासचिव महेन्द्र कोचर ने कहा कि धार्मिक अनुष्ठानों में प्रभावना हमारी संस्कृति है लेकिन प्रलोभन विकृति है, इनसे बचना चाहिए।

खरतरगच्छ महिला परिषद की राष्ट्रीय संगठन मंत्री मंजू कोठारी ने बताया कि 21 दिवसीय दादागुरुदेव इक्तिसा जाप के पूर्णाहुति पूजन के अवसर पर 30 अगस्त रविवार को रात्रि 8 बजे से प्रसिद्ध भजन सम्राट राहुल झाबक द्वारा गुरुभक्ति रखी गई है। रक्षापर्व के अवसर पर अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने कहा कि राजधानी में गाय माता को रक्षा सूत्र बाँधने की महती आवश्यकता है।

रक्षाबंधन पर 'वोकल फॉर लोकल' को मिला व्यापक जनसमर्थन

रायपुर, 29 अगस्त। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि

भारत केवल उत्सवों और त्योहारों का देश नहीं है, बल्कि एक ऐसी जीवंत सांस्कृतिक एवं आर्थिक व्यवस्था का केंद्र है, जहाँ प्रत्येक त्योहार सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन के साथ-साथ आर्थिक गतिविधियों को भी नई ऊर्जा प्रदान करता है। वर्ष भर मनाए जाने वाले विभिन्न त्योहार वास्तव में सनातन अर्थव्यवस्था के सशक्त स्वरूप का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो करोड़ों लोगों के लिए रोजगार, व्यापार एवं आजीविका के अवसर सृजित कर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करते हैं। यह बात कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने कही।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी ने कहा कि भारत की सनातन परंपराओं से जुड़े त्योहार केवल धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वे किसानों, कारीगरों, शिल्पकारों, लघु उद्योगों, महिला उद्यमियों, परिवहन क्षेत्र, सेवा क्षेत्र, थोक एवं खुदरा व्यापारियों सहित एक विशाल आर्थिक श्रृंखला को सक्रिय करते हैं। दीपावली, होली, नवरात्र, गणेश उत्सव, दुर्गा पूजा, ईद, क्रिसमस, छठ पूजा और रक्षाबंधन जैसे पर्व प्रतिवर्ष विशाल आर्थिक गतिविधियों को जन्म देते हैं और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं।

अमर पारवानी ने कहा कि रक्षाबंधन भारत के सबसे महत्वपूर्ण और व्यापक रूप से मनाए जाने वाले त्योहारों में से एक है, जो भाई-बहन के पवित्र संबंध, पारिवारिक मूल्यों, सामाजिक समरसता और भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत का प्रतीक है। यह पर्व केवल भावनाओं और रिश्तों का उत्सव नहीं है, बल्कि देश के व्यापार, उद्योग और सेवा क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक अवसर के रूप में भी स्थापित हुआ है।

कैट छत्तीसगढ़ के एक आकलन के अनुसार, इस वर्ष रक्षाबंधन के अवसर पर छत्तीसगढ़ में लगभग 715 से 820 करोड़ की आर्थिक गतिविधियाँ हुईं। इसमें अनुमानित 575 से 650 करोड़ का राखी कारोबार शामिल है, जबकि लगभग 140 से 170 करोड़ की अतिरिक्त खरीदारी मिठाइयों, ड्राई फ्रूट्स, परिधानों, फैशन एक्सेसरीज़, एफएमसीजी गिफ्ट पैक्स, आभूषणों, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों तथा अन्य उपहार वस्तुओं पर हुई।

जांच परीक्षा शिविर

रायपुर, 29 अगस्त। संभाग स्तरीय राज्य पुरस्कार जांच परीक्षा शिविर महासमुंद में जिला रायपुर की गाइड्स, जिला प्रभारी मेनका निषाद और मुख्य परीक्षक की भूमिका में लीना वर्मा के साथ भाग लिए।

रायपुर दक्षिण में अपराधी बेखौफ, फल-फूल रहा अवैध कारोबार : कन्हैया

रायपुर, 29 अगस्त। रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाओं, बेखौफ अपराधियों और फलते-फूलते नशे के अवैध कारोबार के विरोध में आज छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने रायपुर पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने चंगोराभाठा में हुए हालिया डबल मर्डर के आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और पूरे क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की कड़े शब्दों में मांग की।

नाबालिगों को हथियार बना रहा नशा और सट्टा माफिया : पुलिस कमिश्नर से चर्चा के दौरान प्रदेश कांग्रेस महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने आरोप लगाया कि रायपुर दक्षिण का एक बड़ा हिस्सा अवैध शराब, गांजा, नशीली गोलियों और सट्टेबाज़ी का गढ़ बनता जा रहा है। शासन-प्रशासन के कथित संरक्षण और पुलिस गश्त की भारी कमी के कारण अपराधियों की नई पौध तैयार हो रही है। माफिया नाबालिग बच्चों को मोहरा बनाकर उनसे शराब, गांजे की पुड़ियां और नशीली दवाइयां बिकवा रहे हैं। कानून की आड़ में छूटने के बाद यही मासूम बच्चे आगे चलकर पेशेवर अपराधी बन रहे हैं। इन मासूमों का भविष्य बचाने के लिए नशे के इस काले नेटवर्क पर करारी चोट की सख्त जरूरत है।

डीडी नगर व टिकरापारा थाना क्षेत्र बने अतिसंवेदनशील : कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि डीडी नगर और टिकरापारा थाना क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील हो चुके हैं। हत्या, हत्या के प्रयास, दुष्कर्म और लूट जैसी अधिकांश संगीन वारदात के तार नशे और सट्टे के कारोबार से सीधे जुड़े हैं।

रेलवे वेंडर सुविधाओं से वंचित

रायपुर, 29 अगस्त। रेलवे स्टेशन रायपुर में विगत सन् 1992 से नियमित रूप से खान पान सेवा के तहत कार्य करने वाले गरीब वेंडर आज भी रेल अधिकारियों की हठधर्मिता व गलत नितियों के कारण मूलभूत सुविधाओं से पूरी तरह से वंचित हैं। पूर्व में अनेकों बार रेलवे प्रशासन को पत्र के माध्यम से वेंडर्स की समस्यायों से अवगत कराया गया परन्तु किसी भी अधिकारी के द्वारा वेंडरों की समस्यायों का समाधान नहीं किया गया।

अंत में आवेदक ऋषि कुमार उइके के द्वारा 25 अक्टूबर 2024 को सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत आवेदन कर खान पान ठेके के संबंध में नियम शर्तों व अनुबंध करार की जानकारी मय दस्तावेज विधिवत मांगी गई परंतु आवेदक को जनसूचना अधिकारी के द्वारा संतोष जनक उत्तर न देते हुए भ्रामक व अस्पष्ट जानकारी दी गई।

जिससे क्षुब्ध होकर आवेदक के द्वारा दिनांक 03/12/24/ प्रथम अपील प्रस्तुत की गई उस पर भी प्रथम अपीलीय अधिकारी के द्वारा भी किसी प्रकार की संतोष जनक जानकारी प्रदान नहीं की गई।

अंत में आवेदक ऋषि कुमार उइके के द्वारा दिनांक 04/02/25 को रेलवे के जनसूचना अधिकारी एवं प्रथम अपीलीय अधिकारी के विरुद्ध केंद्रीय सूचना आयोग दिल्ली के समक्ष द्वितीय अपील प्रस्तुत की उक्त प्रस्तुत अपील पर दिनांक 12/08/26 केंद्रीय सूचना आयोग दिल्ली के द्वारा सुनवाई की गई सुनवाई के दौरान आवेदक एवं अनावेदक दोनों ही फोन लाइन पर जवाब देने जूडे हुए थे आयोग दोनों पक्षों को सुनने के पश्चात यह आदेश पारित किया कि संबंधित फाइलों का आवेदक को दो सप्ताह की अवलोकन करायें व वांछित जानकारी व दस्तावेज विधिवत निशुल्क उपलब्ध करावें।

परंतु समय अवधि समाप्त होने के पश्चात भी आज तक रेलवे प्रशासन की ओर से कोई पहल नहीं की गई है। जो केंद्रीय सूचना आयोग के आदेश की सीधे तौर पर अनदेखी की जा रही है। व सूचना के अधिकार अधिनियम का खुला उल्लंघन किया जा रहा है।

रायपुर में होगी विट्ठल समाज की महासभा व संगोष्ठी

रायपुर, 29 अगस्त। रायपुर में विट्ठल सम्प्रदाय बृहुद समाज महा सभा कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण भारत का संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे विट्ठल संप्रदाय के सम्पूर्ण भारत में विस्तार के लिये विचार विमर्श किया गया और यह निर्णय लिया गया कि एक हाई पॉवर कमेटी का गठन/राष्ट्रीय स्तर कमेटी/प्रांत स्तर पर समिति/जिला स्तर पर समिति का गठन/तहसील स्तर पर समिति का गठन और अन्य समितियों का गठन कर संपूर्ण भारत में स्थापित करने हेतु प्रस्ताव पारित किया गया जो भी सामाजिक कार्यकर्ता विट्ठल सम्प्रदाय में कार्यरत रहकर समाज सेवा करने के लिये तैयार है वे मोबाइल नंबर 9826223333 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

इसका विस्तार सम्पूर्ण भारत मे 15 अक्टूबर तक पूर्ण किया जायेगा जिसमे सभी प्रकार के घटक खापो को सम्मिलित किया जायेगा गठन के पश्चात सामाजिक सेवा कार्य सभी पदाधिकारी के द्वारा शुरू किया जायेगा यह जानकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश वर्मा ने संगोष्ठी मे सम्मिलित सभी सदस्यों को सहमति से प्रसारित की गई है इसमें बड़ी संख्या में उपस्थित सामाजिक कार्यकर्ता एवं संगठन के सदस्य पदाधिकारी ने सहमति प्रदान की इसमें योगाचार्य के एल नामदेव संस्थापक विट्ठल सम्प्रदाय, नारायण प्रसाद नामदेव, धर्मेश नामदेव नरेन्द्र सोलंकी बीजेपी प्रमुख सुरेंद्र सोलेंकी महेंद्र नामदेव पत्रकार आज तक, डॉ भरत नामदेव बलौदा बाज़ार अविनाश नामदेव सुरेंद्र सोलेंकी महिला मंडल अध्यक्ष लता नामदेव सहित सभी सदस्य मुख्य अतिथि के रूप में ईश्वर घिरड़े समन्वयक नागपुर मुख्य रूप से उपस्थित रहे जिनके मार्गदर्शन में संस्था के विस्तार हेतु कार्यक्रम में गहन विचार विमर्श किया गया साथ ही भगवान शिव का अभिषेक किया गया एवं भव्य भंडारा का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

जिले के 17 नवीन सहकारी समितियों के लिए भूमि आबंटित

रायपुर, 29 अगस्त। छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा जारी अधिसूचना के तहत छत्तीसगढ़ सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 9 (1) के अंतर्गत जिला दुर्ग की प्राथमिकता कृषि साख सहकारी सोसायटी की पुनर्गठन योजना 2025 अनुसूची-02 में अंकित 31 नवीन प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का पुनर्गठन किया गया है। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह द्वारा 17 प्राथमिक कृषि साख समितियों के लिए भूमि आबंटन की स्वीकृति दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धमधा विकासखंड अंतर्गत सेवा सहकारी समिति मार्या पथरिया पंजीयन क्रमांक 3421 के लिए 1.00 हेक्टेयर भूमि, सेवा सहकारी समिति मर्यादित पुरदा पंजीयन क्रमांक 3422 के लिए 1.20 हेक्टेयर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित अरसी पंजीयन क्रमांक 3423 के लिए 1.34 हेक्टेयर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित दारगांव पंजीयन क्रमांक 3426 के लिए 1.00 हेक्टेयर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित हिरेतरा पंजीयन क्रमांक 3434 के लिए 1.25 हेक्टेयर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित भांठाकोकड़ी पंजीयन क्रमांक 3435 के लिए 0.69 हेक्टेयर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित नंदवाय पंजीयन क्रमांक 3427 के लिए 1.20 हेक्टेयर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित मलपुरीकला पंजीयन क्रमांक 3433 के लिए 2.50 हेक्टेयर एवं सेवा सहकारी समिति मर्यादित सेमरिया पंजीयन क्रमांक 3429 के लिए 1.20 हेक्टेयर शासकीय भूमि आबंटित की गई है।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26